मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.9	23.4
डालटनगंज	30.8	24.7
धनबाद	31.5	26.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, रविवार 13 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 96 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

रूस ने यूक्रेन पर किया सबसे बड़ा हमला

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बताया कि रूस ने बीती रात यूक्रेन पर 597 ड्रोन व 26 मिसाइलें दागीं. यह रूस का सबसे बड़ा हमला है. इन ड्रोन में से ज्यादातर शाहेद ड्रोन थे, जो ईरान में बनाए जाते हैं. उन्होंने दुनिया से अपील की कि रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं, ताकि ऐसे हमले रोके जा सकें. यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि उन्होंने 319 ड्रोन और 25 मिसाइलें मार गिराईं. लेकिन करीब 20 ड्रोन और एक मिसाइल पांच जगहों पर गिरी, जिससे नुकसान हुआ.

सेबी के रडार पर 200 लिस्टेड कंपनियां

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) मार्केट में हेरफेर से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर रहा है और भारतीय शेयर बाजार में कथित पंप-एंड-डंप की बड़े पैमाने पर जांच शुरू करेगा. रिपोर्ट के अनुसार, करीब 200 लिस्टेड कंपनियां बेखबर निवेशकों को शेयर की कीमतें बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में जांच के दायरे में हैं. आशंका है कि ये कंपनियां पंप एंड डंप के जरिए शेयर कीमतों में हेरफेर कर रही हैं. सेबी ने पिछले तीन दिनों में 80 से ज्यादा जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया है.

सहारा के पूर्व निदेशक और ब्रोकर गिरफ्तार

कोलकाता। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सहारा ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद शामिल हैं. अनिल अब्राहम और जीतेंद्र प्रसाद पर सहारा ग्रुप की मिलीभगत से कई प्रॉपर्टी गैर-कानूनी तरीके से बेचने और उस धन को मनीलॉन्ड्रिंग के ज़रिए इधर-उधर करने का आरोप है.

– पेज 12 भी देखें

इसरो के मानव मिशन की तैयारियां हुईं तेज

नयी दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है. इसके साथ ही सभी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं. इसका 350 सेकंड तक बड़ा परीक्षण किया गया. इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े, तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं.

तेजस्वी के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने पर सहमति

पटना। शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी यादव के चेहरे पर विस चुनाव लड़ने पर सहमति बनी. तेजस्वी के आवास पर शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक चार घंटे तक चली. इसमें सभी पार्टियों ने तेजस्वी यादव के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने पर सहमति जतायी. राजद की ओर से बैठक होने के बाद कहा गया कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर गठबंधन में कोई संशय नहीं है, उन्हें सीएम का चेहरा मानने पर सभी संतुष्ट हैं.

बाबा साहेब अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

सुधीर पाल

भारतीय संविधान के निर्माण के समय जब भारत अपने भविष्य की नींव रख रहा था, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और कितनी विकेंद्रित होंगी. संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर ने ग्राम स्वराज या पंचायती व्यवस्था के प्रति स्पष्ट विरोध जताया था. उनका कहना था- इन गांवों में कुछ भी आदर्श नहीं है. ये लोग जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अत्याचार के केंद्र हैं. गांव भारत की विकृति का स्रोत हैं, न कि उसकी शक्ति का.

कई विचारकों और आलोचकों का मानना है कि अंबेडकर ने पंचायतों का विरोध करते समय आदिवासी ग्राम व्यवस्था की वास्तविकता को नज़रअंदाज़ किया. समता, संवाद और सामूहिकता पर आधारित आदिवासी गांवों की स्वायत्त और लोकतांत्रिक शासनतंत्र की संरचना से संभवतः वे परिचित नहीं थे, या उसका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था. अंबेडकर ने संविधान सभा में पंचायतों को संविधान का अनिवार्य हिस्सा बनाने का विरोध किया. अंततः, पंचायतों को संविधान के नीति निदेशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 40 में स्थान मिला, न कि मूल अधिकारों या प्रशासनिक ढांचे में. इसका अर्थ था कि पंचायतों की स्थापना राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर रहेगी, और यह बाध्यकारी नहीं होगी. यह परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को संवैधानिक दर्ज़ा दिए जाने के ऐतिहासिक पहल की भ्रूण हत्या थी.

क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके

आदिवासी समाज परंपरागत रूप से वर्णाश्रम व्यवस्था से बाहर रहा है. वहां जातिगत ऊंच-नीच की भावना नहीं है, बल्कि समता, सामूहिकता और श्रम के आधार पर सम्मान का बोध होता है. ग्राम सभा वहां न सिर्फ निर्णय लेती है, बल्कि विवाद निपटारे से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक का केंद्र होती है. उदाहरण के लिए झारखंड के हो, मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर सहित लगभग सभी समुदायों की सामूहिक हित और न्याय पर आधारित पारंपरिक ग्राम व्यवस्था यथा मुंडा-मानकी, महतो, पड़हा, मांझी, पाहन, मांझी हाड़ाम, परगनैत, माझी परगना जीवंत हैं और सामाजिक तथा कानूनी मान्यता है. आदिवासी ग्राम व्यवस्था का आधार भूमि, जल, जंगल पर सामूहिक स्वामित्व है. यह उस निजी संपत्ति आधारित ग्राम व्यवस्था से भिन्न है जिस पैरोकार अंबेडकर थे. महात्मा गांधी ने जहां ग्राम स्वराज और पंचायतों को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा माना, वहीं अंबेडकर ने इसे सामाजिक अन्याय का स्रोत बताया. गांधी का मानना था कि गांव आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक इकाई हो सकते हैं, जबकि अंबेडकर ने इसे 'अतीत की कुरीतियों का गढ़' कहा. हालांकि अंबेडकर ने आदिवासी पंचायतों का प्रत्यक्ष उल्लेख कम किया लेकिन उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था, विशेष सुरक्षा और विकास आयोग की वकालत की थी. उनका मानना था कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा की जातिवादी राजनीति से बचाकर, उन्हें स्वायत्तता और संरक्षण मिलना चाहिए. संविधान सभा में जयपाल सिंह मुंडा जैसे नेता आदिवासियों की आवाज बने थे. उन्होंने कहा था कि हम आदिवासी भारतीय सभ्यता के पहले नागरिक हैं, और हमारी सामाजिक संरचना भारत के संविधान की आत्मा के अधिक निकट है. यह वक्तव्य अंबेडकर की ग्राम व्यवस्था की आलोचना के बिलकुल विपरीत खड़ा होता है.

ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य

संविधान सभा की बहस में अधिकांश सदस्यों का आग्रह था कि ग्राम स्वराज की पुरानी परंपरा के अनुसार देश के प्रशासन को चलाने का प्रावधान किया जाए. अंबेडकर ने व्यंग्य किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन कथित बुद्धिजीवियों का ग्रामीण प्रेम सर चार्ल्स मेटकॉफ के भारत के गांवों का वर्णन से प्रभावी है. अंबेडकर ने कहा कि भारतीय गांवों ने भले ही विदेशी आक्रमणकारियों के हमले झेले होंगे, परंतु उन्होंने लगभग शुतुरमुर्ग की प्रवृत्ति का परिचय दिया और किसी तरह जीवित रहे भर हैं. अंबेडकर ने बेलाग होकर यह कहा कि यह कथित ग्रामीण गणतंत्र भारत की बरबादी रहे हैं. अंबेडकर का ग्राम पंचायतों पर विरोध के संदर्भ और कारण जातिगत उत्पीड़न थे. गांवों में दलितों के साथ अपमानजनक व्यवहार, मंदिर प्रवेश निषेध, कुओं से पानी न भरने देना जैसी घटनाएं आम थीं. ब्राह्मणवादी पितृसत्ता का ग्राम व्यवस्था में सामंती वर्चस्व बना रहता था. जातिगत श्रेणीकरण के कारण सामाजिक समानता असंभव लगती थी. शोषण की संरचना में ज़मींदार, मुखिया या पाटिल के रूप में ऊंची जातियों का वर्चस्व था, जिससे निम्न जातियों को न्याय नहीं मिलता था. बाबा साहेब को भरोसा नहीं था कि पारंपरिक पंचायतें नए संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का सम्मान करेंगी. लेकिन क्या यह मूल्यांकन आदिवासी गांवों पर भी लागू होता था? क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके? अंबेडकर ने आदिवासी विद्रोहों के इतिहास को लगभग नजर अंदाज कर दिया अन्यथा वे 'शुतुरमुर्ग' का उदाहरण नहीं देते. बिरसा मुंडा के उलगुलान में या संथाल हूल में या ऐसे ही दर्जनों विद्रोहों में आदिवासी ग्राम व्यवस्था की केन्द्रीय भूमिका रही है. 'कब लड़ाई शुरू होगी, बता दूंगा.

शेष पेज 11 पर...

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा, बोले

बिना पर्ची-खर्ची हो रही भर्ती

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर के 51,000 से अधिक नवचयनित युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे, जो 16वें रोजगार मेले के दौरान आयोजित एक भव्य कार्यक्रम का हिस्सा था. यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ, जिससे भारत के विभिन्न हिस्सों के युवाओं को सीधे मोदी से जुड़ने और उनके संदेश को सुनने का अवसर मिला.

पीएम मोदी ने कहा कि नौजवान राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है. पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है. बिना पर्ची, बिना खर्ची.

भारत की असीमित शक्तियां : मोदी ने कहा कि साथियों, आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियां हैं - एक जनसंख्या और दूसरी लोकतंत्र. यानी सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र. युवाओं का यह सामर्थ्य हमारे भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी भी है और सबसे बड़ी गारंटी भी. हमारी सरकार इसी पूंजी को समृद्धि का सूत्र बनाने में दिन-रात जुटी है.

बदलता जॉब सेक्टर : उन्होंने कहा कि बदलते हुए समय के साथ 21वीं सदी में रोजगार का स्वरूप भी बदल रहा है. नए-नए क्षेत्र भी उभर रहे हैं. इसलिए बीते दशक में भारत का ज़ोर अपने युवाओं को इसके लिए तैयार करने पर है और इसके लिए अहम निर्णय भी लिए गए हैं. मोदी ने कहा कि आधुनिक जरूरतों को देखते हुए आधुनिक नीतियां बनाई गई हैं. स्टार्टअप, नवाचार और अनुसंधान का जो इकोसिस्टम आज देश में बन रहा है, वह देश के युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहा है. आज जब मैं नौजवानों को देखता हूं कि वे अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं तो मेरा भी आत्मविश्वास बढ़ जाता है.

रोजगार सृजन की दिशा में सरकार के प्रयास

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार का जोर निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है. हाल ही में सरकार ने एक नई योजना को मंजूरी दी है - रोजगार लिंक प्रोत्साहन योजना. इस योजना के तहत सरकार निजी क्षेत्र में पहली बार रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 देगी. यानी पहली नौकरी की पहली सैलरी में सरकार अपना योगदान देगी. इसके लिए सरकार ने करीब 1,00,000 करोड़ का बजट बनाया है. इस योजना से लगभग 3.5 करोड़ नए रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा विनिर्माण क्षेत्र है. इसमें बड़ी संख्या में नई नौकरियां बन रही हैं.

झारखंड के लोगों को भी मिले नियुक्ति पत्र

रांची। रोजगार मेला के माध्यम से शनिवार को झारखंड के युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया. इन अभ्यर्थियों का चयन रेलवे, गृह मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय डाक सेवा के लिए हुआ है. झारखंड से कुल 172 अभ्यर्थी चयनित किये गए थे. इस अवसर पर रांची के कांके रोड सीसीएल सभागार में लोगों को संबोधित करते हुए संजय सेठ ने कहा कि देश स्तर पर आयोजित होने वाला यह रोजगार मेला विकसित भारत के लक्ष्य के साथ, सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास को पूर्ण करने का माध्यम बन चुका है.

सरकारी योजनाओं से रोजगार : उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ नए पक्के घर बन चुके हैं और 3 करोड़ नए घर अभी निर्माणाधीन हैं. इन घरों से जुड़े निर्माण कार्यों में मिस्त्री, श्रमिक, कच्चा माल, परिवहन, दुकानदार, ट्रक चालक आदि को रोजगार मिला है. पीएम मोदी ने कहा कि 12 करोड़ नए शौचालयों के निर्माण से प्लंबर, बढ़ई, और विश्वकर्मा समाज से जुड़े लोगों को रोजगार मिला है. उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ नए एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं. इससे बॉटलिंग प्लांट, गैस सिलेंडर निर्माण, एजेंसी, और डिलीवरी के लिए नई नौकरियां पैदा हुई हैं.

ड्रोन दीदी अभियान

पीएम मोदी ने कहा कि नमो ड्रोन दीदी अभियान के तहत लाखों ग्रामीण बहनों को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जा रही है. खेती के एक सीजन में ड्रोन से काम करने पर लाखों रुपये की आमदनी हो रही है.

लखपति दीदी और स्वरोजगार

पीएम मोदी ने कहा कि देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है, जिसमें से 1.5 करोड़ दीदी बन चुकी हैं. ये महिलाएं बैंक सखी, बीमा सखी, कृषि सखी, पशु सखी जैसी योजनाओं में कार्य कर रही हैं.

रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के लिए सहायता : उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत पहली बार फुटपाथ पर काम करने वाले साथियों को मदद मिली है. डिजिटल भुगतान से उन्हें बैंक से सीधा लाभ मिल रहा है.

पारंपरिक व्यवसायों का संरक्षण : पीएम मोदी ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक बनाने के लिए प्रशिक्षण, ऋण, आधुनिक उपकरण आदि दिए जा रहे हैं.

विकास की जिम्मेदारी : उन्होंने कहा कि सरकार को रुकावट नहीं, प्रोत्साहन बनना चाहिए. हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए.

खेल और पर्यटन को लेकर मंत्री सुदिव्य ने की माही से मुलाकात

झारखंड को मिलेगा धौनी का साथ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के खेल एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने शनिवार को महेंद्र सिंह धौनी से मुलाकात की. यह सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि झारखंड में खेल और पर्यटन की नई दिशा तय करने वाला अहम कदम माना जा रहा है. इस मुलाकात की तस्वीरें खुद मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं. चर्चा ऐसी है कि महेंद्र सिंह धौनी को झारखंड टूरिज्म का ब्रांड एंबेसडर बनाया जा सकता है. यदि ऐसा होता है, तो राज्य की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगी. वहीं खेल के क्षेत्र में भी माही की भागीदारी से झारखंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की तैयारी है.

मंत्री सुदिव्य कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि आज झारखंड के गौरव, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी जी से मुलाक़ात हुई. इस दौरान राज्य में पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई. मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड में खेल और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में धौनी जी का सहयोग राज्य सरकार को प्राप्त होगा. उनकी विशेषज्ञता और अनुभव निश्चित रूप से इन क्षेत्रों में विकास को गति प्रदान करेंगे. मालूम हो कि धौनी खुद झारखंड की माटी से निकले हैं. ऐसे में अगर वे सरकार के साथ मिल कर राज्य के युवाओं और पर्यटन को संवारने में भूमिका निभाते हैं, तो यह पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ा कदम साबित हो सकता है. अब देखना यह है कि इस मुलाकात के बाद क्या वाकई में धौनी झारखंड टूरिज्म का चेहरा बनेंगे और राज्य के खेल ढांचे में उनकी क्या भूमिका तय होगी.

हाथ में फास्टैग लेकर चलने वालों की खैर नहीं

नयी दिल्ली। अब अगर आप टोल से गुजरते वक्त फास्टैग को गाड़ी के शीशे पर चिपकाने की बजाय हाथ में लेकर चलते हैं तो संभल जाइए. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ऐसे लूज फास्टैग वालों पर सख्ती करने का फैसला किया है. दरअसल कुछ वाहन मालिक जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी पर नहीं लगाते, ताकि एक ही टैग से कई गाड़ियों का काम चलाया जा सके या चकमा दिया जा सके. एनएचएआई ने टोल प्लाजा पर काम कर रही एजेंसियों को अधिकार दिया है कि वे ऐसे टैग्स की रिपोर्ट तुरंत करें. इसके लिए एक ई-मेल आईडी दी गई है, जहां ये जानकारी दी जाएगी. रिपोर्ट मिलते ही एनएचएआई ऐसे टैग्स को ब्लैकलिस्ट कर देगा ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके. एनएचएआई के मुताबिक, यह कदम इसलिए भी ज़रूरी हो गया है क्योंकि देश में अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग और वार्षिक पास जैसी नई तकनीकें लागू की जा रही हैं, जिनमें फास्टैग की सही पहचान और निष्पक्ष उपयोग बेहद जरूरी है. लूज फास्टैग की वजह से टोल लेन में जाम, गलत कटौती और सिस्टम में गड़बड़ी जैसी दिक्कतें सामने आती हैं, जिससे बाकी यात्रियों को भी परेशानी होती है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा

पाकिस्तान का समर्थन करना अपराध नहीं, युवक को दी बेल

एजेंसियां। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोपी को जमानत दिये जाने की खबर है. सोशल मीडिया पर पाकि समर्थित पोस्ट डालने वाले छात्र को हाईकोर्ट ने जमानत दी है. जस्टिस एके सिंह देशवाल की पीठ ने यह फैसला दिया है. कोर्ट के अनुसार यदि कोई भारत या किसी विशिष्ट घटना का उल्लेख किये बिना केवल पाकिस्तान का समर्थन करता है, तो यह भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के तहत अपराध नहीं बनता.

याचिकाकर्ता 18 साल का रियाज मई से जेल में बंद है. उसने इंस्टाग्राम पर लिखा, चाहे जो हो जाए, समर्थन तो बस... पाकिस्तान का करेंगे. कोर्ट ने फैसला दिया कि पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है. उसे पूछताछ के लिए कस्टडी में लेने की जरूरत नहीं है. वह जमानत पाने का हकदार है.

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गयी कि इस पोस्ट से देश की गरिमा या संप्रभुता को कोई ठेस नहीं पहुंचती, क्योंकि इसमें न तो भारतीय ध्वज, न ही देश का नाम या कोई ऐसी तस्वीर थी जिससे भारत का अनादर होता हो. कोर्ट ने कहा कि केवल किसी देश का समर्थन करने से, भले ही वह भारत का शत्रु ही क्यों न हो, भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के प्रावधानों के अंतर्गत अपराध नहीं कहा जा सकता.

हालांकि सरकार की ओर से इसका विरोध किया गया. कोर्ट ने इमरान प्रतापगढ़ी बनाम गुजरात में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये फैसले का हवाला दिया. कहा, अभिव्यक्ति की आजादी संविधान के मूलभूत आदर्शों में से एक है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि धारा 152 में कठोर दंड का प्रावधान है, इसलिए इसे सावधानी से लागू किया जाना चाहिए. इसके बाद कोर्ट ने रियाज़ को पर सशर्त जमानत दे दी.

सावधानी : सिर्फ आरबीआई के रेपो रेट कटौती से नहीं घटेगी आपकी ईएमआई

लाखों का हो सकता है नुकसान, बैंक से करें बात!

शुभम संदेश डेस्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे यह 6 फीसदी से घटकर 5.50 फीसदी पर आ चुका है. आरबीआई का यह कदम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और कर्ज लेना सस्ता बनाना है. लेकिन एक सीए का दावा है कि आपको लाखों रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है. बिजनेस टुडे के अनुसार, चार्टर्ड अकाउंटेंट ने कहा कि दरों में कटौती के बावजूद, कई लोन लेने वालों की समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में तत्काल कमी नहीं देखी जा सकती है. उन्होंने कहा, लोग सोचते हैं कि रेपो दर में कटौती से उनकी ईएमआई अपने आप कम हो जाती है, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता. उन्होंने कहा कि लोगों को उपाय करने पड़ते हैं, वरना उन्हें अपने लोन अवधि के दौरान लाखों रुपये का नुकसान हो सकता है. उधार लेने वालों को रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) या एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) से जुड़े लोन पर रेपो रेट कटौती के प्रभाव को समझना होगा. सीए ने कहा, रेपो रेट में कटौती केवल उनके लिए फायदेमंद है, जिनके लोन रेपो दर से जुड़े हैं यानी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) या एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) के माध्यम से लोन लेने वालों को लाभ मिलता है. उन्होंने आगे कहा कि तब भी, लाभ खुद नहीं मिलता.

90 दिन के अंदर बैंक से बात करें : उधार लेने वालों को अपनी ईएमआई में कमी न मिलने का एक मुख्य कारण यह है कि बैंक आमतौर पर ग्राहकों को ब्याज दरों में कटौती की सूचना पहले से नहीं देते हैं. उधार लेने वालों के पास इन लाभों का अनुरोध करने के लिए 90 दिनों की सीमित अवधि होती है. अगर आप इस अवधि से चूक जाते हैं, तो आने वाले सालों में ज्यादा ईएमआई चुकानी पड़ सकती है. विशेषज्ञ लोगों को सलाह देते हैं कि वे बैंकों से जानकारी के अभाव में ज्यादा भुगतान से बचने के लिए समय पर कदम उठाएं.

लोगों को क्या करना चाहिए : उन्होंने कहा कि लाभ के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आपका लोन रेपो-लिंक्ड है या मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) जैसी पुराने सिस्टम पर बेस्ड है? अगर पुराना सिस्टम है तो आप इसे बदलने पर विचार कर सकते हैं. हालांकि इसके लिए 2 से 5 हजार के बीच शुल्क लग सकता है, लेकिन यह अमाउंट कुछ ही महीने में रिकवर हो जाएगा. एक्सपर्ट यह भी सलाह देते हैं कि आप अपने लोन की रीसेट डेट को कंफर्म करें और कैलकुलेट करें कि आपकी ईएमआई उसी के अनुसार कम हो रही है.

आरबीआई से कर सकते हैं शिकायत : अगर आपकी ब्याज दर कम भी हो जाती है, तो आपको अपने बैंक को आरबीआई परिपत्र 2019 (संशोधित 2024) के अंतर्गत ब्याज रीसेट अनुरोध विषय पर एक ईमेल भेजकर इस कमी की पुष्टि करनी चाहिए. अगर बैंक ऐसा नहीं करता है तो आप इसकी शिकायत आरबीआई की शिकायत प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से कर सकते हैं. एक्सपर्ट संभावित ब्याज दरों में कटौती के मद्देनजर कर्ज लेने वालों की सतर्कता के महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं कि सिर्फ इसलिए ज्यादा भुगतान न करें क्योंकि आपका बैंक आपको बताना भूल गया. जल्द से जल्द कदम उठाकर उधारकर्ता रेपो दर में कटौती का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं और अपने लोन की अवधि के दौरान काफी सेविंग कर सकते हैं.

दिलेर बहनों ने कार सवार छह मनचलों को पहुंचाया जेल

शुभम संदेश। बराकर

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ हो रही घटनाओं के बीच बराकर की दो बहनों ने शनिवार शाम अपनी बहादुरी से एक मिसाल कायम की. स्वीटी अग्रवाल और बबली अग्रवाल, जो बलतोड़िया की रहने वाली हैं, ने छेड़छाड़ कर रहे छह युवकों को पकड़वाकर पुलिस के हवाले कर दिया. इनमें से दो के नाम अमित और लोटन माजी बताएं जा रहे हैं.

घटना शाम करीब 7 बजे की है, जब दोनों बहनें स्कूटी से बैगुनिया जा रही थीं. रास्ते में बराकर स्टेशन रोड पर एक कार में सवार छह युवकों ने छेड़खानी करना शुरू कर दिया. वे मनचले लगातार हॉर्न बजाकर, अश्लील इशारे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर परेशान करने लगे.

जब बहनों ने उन्हें साइड दी, तो कार सवार युवक और नजदीक आकर गलत इशारे और टिप्पणियां करने लगे. तब बहनों ने स्कूटी रोककर कार के सामने खड़ी कर दी और आरोपियों का सामना किया. युवक कार का दरवाजा लॉक कर मिरर से गंदी बातें और इशारे करते रहे.

यह देखकर आस-पास के दुकानदार और राहगीर जमा हो गए. कुछ स्थानीय लोगों ने तुरंत कार की चाभी छीनकर बहनों को दी, जिसे वे लेकर बराकर फाड़ी पुलिस के पास पहुंचीं और लिखित शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से कार और छहों युवकों को हिरासत में ले लिया और मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी. दोनों बहनों की इस साहसिक कार्रवाई की इलाके में जमकर सराहना हो रही है.

रघुवर या चंपाई? कौन होगा भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष

शुभम संदेश।रांची

झारखंड में बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय दौरे ने अटकलों को और हवा दे दी है. गुरुवार को पूर्व सीएम रघुवर दास ने अमित शाह से मुलाकात कर लंबी बातचीत की. इसके बाद सियासी गलियारे में चर्चा तेज है कि रघुवर दास प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपनी सेटिंग कर चुके हैं. सूत्रों की मानें तो इस बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर लगभग सहमति बन गई है. बस आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. अब सवाल यह है कि क्या रघुवर दास ही होंगे बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष या कोई और चेहरा सामने आएगा. क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कई नेता लॉबिंग कर रहे हैं.

बीजेपी नेताओं का कहना है की अटकलें लगाने से कोई खास फायदा नहीं है. प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा यह तो केंद्रीय नेतृत्व ही तय करेगा.

बीजेपी के सीनियर लीडर प्रदीप सिन्हा ने कहा कि अमित शाह रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक के लिए आए थे और इस दौरान रघुवर दास से उनकी संगठन के मसलों पर भी बात हुई होगी. हमारे यहां एक तय प्रक्रिया है उसी के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष का चयन होगा.

उधर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के मसले को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है. प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि बीजेपी का हाल तो ऐसा है कि सब चिल्ला रहे हैं. हमको बनाओ, हमको बनाओ. चंपाई सोरेन कह रहे हैं मुझे मौका दो, रघुवर दास कह रहे हैं मेरा अनुभव देखो और बीजेपी का आलाकमान कन्फ्यूज्ड है कि पड़ोसी के बच्चे पर भरोसा करें या अपने बच्चों पर. ये डिसाइड नहीं कर पा रहे. बीजेपी के सामने चुनौती है कि वो प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा चेहरा चुने जो आदिवासी और पिछड़े, दलित वोटरों को साधने के साथ संगठन को भी एकजुट रखे. चंपाई सोरेन का नाम मजबूत है क्योंकि उनकी आदिवासी पृष्ठभूमि है, लेकिन रघुवर दास का अनुभव भी कम नहीं.

विलंब में यह भी है प्रमुख कारण: भाजपा के जानकार बताते हैं कि यूपी में फिलहाल ओबीसी अध्यक्ष है. बिहार में भी दिलीप जायसवाल के रूप में ओबीसी अध्यक्ष हैं. यूपी में भी महेंद्र जायसवाल ओबीसी समुदाय से ही हैं. इसलिए यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होने से पहले झारखंड में किसी ओबीसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना देना पार्टी के लिए मुश्किल हो रहा है. क्योंकि यूपी में भी अगर ओबीसी ही अध्यक्ष बनाना पड़ गया तो तीनों राज्यों में ओबीसी ही प्रदेश अध्यक्ष हो जाएगा. जबकि 2027 में यूपी में होनेवाले विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से भाजपा के लिए यूपी के जातीय समीकरण को साधना पहली प्राथमिकता है. इसलिए ज्यादा संभावना है कि यूपी के बाद या यूपी के साथ ही झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा होगी.

बैकवर्ड-फॉरवर्ड को लेकर भी फंस रहा है पेंच

बता दें कि देश के 22 राज्यों में भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न करा लिया है. लेकिन झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पंचवर्षीय योजना की तरह लंबा होता जा रहा है. प्रतिपक्ष के नेता बनाए गए बाबूलाल मरांडी ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाते चले जा रहे हैं. प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाने के पीछ कई कारण गिनाए जा रहे हैं. प्रदेश में मंडल अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों का अब तक चुनाव नहीं हो पाना उसमें प्रमुख बताया जाता है. लेकिन इसके इतर राष्ट्रीय पार्टी के लिए राष्ट्रीय समस्या मुख्य कारक के रूप में भाजपा को परेशान कर रहा है. राजनीति में जाति के होनेवाले खेल की तरह जाति ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में अड़ंगा डाल रहा है. इसमें झारखंड के पड़ोसी राज्य बिहार और फिर उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे प्रभावी बतायी जा रही है. भाजपा के जानकार सूत्रों के अनुसार भाजपा के लिए झारखंड से पहले यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करना प्राथमिकता में है. यूपी में भूपेंद्र चौधरी वर्तमान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं. वह जाट समुदाय से आते हैं. जाट समुदाय में उनकी मजबूत पकड़ भी है. लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में करारा झटका लगा. 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपने बूते यूपी में 62 सीटें जीती थी. 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या घट कर 33 हो गयी. यूपी में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों का एक बड़ा वर्ग समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के साथ हो लिए. इसलिए भाजपा को वहां ब्राह्मणों के साथ साथ बैकवर्ड और दलित वोट को साधने वाले नेता की जरूरत है. ऐसे नेता की खोज में भाजपा यूपी में उलझी हुई है.

झारखंड में जल्द होगी 103 पुलिस उपाधीक्षक की पोस्टिंग

शुभम संदेश।रांची

झारखंड में पुलिस प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है. राज्य सरकार जल्द ही 103 पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अधिकारियों का पदस्थापन करने जा रही है. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और अब केवल मुख्यमंत्री की स्वीकृति का इंतजार है.

दो दिनों में हो सकती है अधिसूचना जारी: सूत्रों के अनुसार, संबंधित फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दी गई है और दो दिनों के भीतर अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है. इसके बाद सभी अधिकारियों की पोस्टिंग उनके नए कार्यक्षेत्रों में की जाएगी.

सम्मान के साथ किया जा रहा प्रोन्नत अधिकारियों का स्वागत: प्रोन्नत डीएसपी अधिकारियों को सम्मानित करने की प्रक्रिया भी राज्यभर में चल रही है. सभी जिलों में वरिष्ठ अधिकारी 'पाइपिंग सेरेमनी' के माध्यम से नवप्रोन्नत डीएसपी को उनके नए रैंक के प्रतीक चिन्ह प्रदान कर रहे हैं. यह प्रक्रिया अधिकतर जिलों में पूरी हो चुकी है.

जल्द संभालेंगे नई जिम्मेदारियां: जैसे ही पदस्थापन की अधिसूचना जारी होगी, सभी अधिकारी अपने-अपने जिलों में नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए रवाना हो जाएंगे. यह कदम राज्य की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है.

64 पदोन्नत और 39 नवनियुक्त अधिकारी

इन 103 अधिकारियों में से 64 डीएसपी वे हैं, जिन्हें हाल ही में पुलिस निरीक्षक (इंसपेक्टर) पद से प्रमोशन देकर डीएसपी बनाया गया है. वहीं, 39 अधिकारी नवनियुक्त हैं, जिन्होंने हाल ही में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है.

मोदी-भागवत 75 वर्ष में रिटायरमेंट का वादा निभाएं, पद छोड़ें : कैलाश

रांची। झारखंड प्रदेश राजद के महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि भाजपा और आरएसएस को 75 वर्ष की आयु में रिटायरमेंट के अपने सिद्धांत पर अमल करना चाहिए. उन्होंने याद दिलाया कि 2013-14 में भाजपा ने गोवा कार्यकारिणी बैठक में तय किया था कि पार्टी के नेता 75 वर्ष की उम्र के बाद सक्रिय राजनीति से हटकर मार्गदर्शन मंडल में शामिल होंगे.यादव ने कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में इस सिद्धांत की याद दिलाई. ऐसे में जब मोहन भागवत 11 सितंबर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर 2025 को 75 वर्ष के हो रहे हैं, तो उन्हें अपने पद से रिटायर होकर उदाहरण पेश करना चाहिए.उन्होंने कहा कि आडवाणी, जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं को इसी नियम के तहत बाहर किया गया, अब यह भाजपा और संघ की चाल, चरित्र और चेहरा की अग्नि परीक्षा है.

कल्याण विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक, मंत्री चमरा लिंडा ने दिए निर्देश

छात्रवृत्ति के साथ ही साथ साइकिल वितरण में तेजी लाएं

शुभम संदेश।रांची

राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के छात्रों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए कल्याण विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को रांची के मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स में हुई. बैठक की अध्यक्षता झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने की.बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झा, कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, राज्य के सभी जिलों के परियोजना निदेशक (आईटीडीए) और जिला कल्याण पदाधिकारी शामिल हुए.

मंत्री लिंडा ने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से मिले. उन्होंने विशेष रूप से प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जिलों में छात्रवृत्ति की राशि उपलब्ध है, वहां लंबित भुगतान को शीघ्र निष्पादित किया जाए.

मंत्री ने यह भी कहा कि पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए लंबित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान के संबंध में भारत सरकार से पत्राचार में तेजी लाई जाए, ताकि छात्रों को समय पर आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके.उन्होंने कहा कि विभाग को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करना चाहिए और कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने सभी जिला कल्याण पदाधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. सभी योजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर धरातल पर उतारने के लिए मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए.

बैठक के दौरान विभागीय सचिव कृपानंद झा और आयुक्त कुलदीप चौधरी ने विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति से संबंधित विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया. उन्होंने विभिन्न जिलों में योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभुकों की संख्या, वितरण प्रक्रिया और तकनीकी अड़चनों की जानकारी दी.

बैठक में यह भी तय हुआ कि आने वाले महीनों में योजना संबंधी जमीनी मॉनिटरिंग को और मजबूत किया जाएगा और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाई जाएगी. साथ ही, जिलों को नियमित रूप से रिपोर्टिंग करने के लिए कहा गया है, ताकि राज्य स्तर पर योजनाओं की निगरानी सशक्त ढंग से की जा सके.

समीक्षा बैठक से जिला कल्याण पदाधिकारियों को स्पष्ट संकेत दे दिया गया है राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं को लेकर अब तत्पर और सक्रिय है और किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मंत्री चमरा लिंडा की सख्ती से यह उम्मीद बंधती है कि छात्रवृत्ति और साइकिल जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं का लाभ जल्द ही प्रदेश के हर पात्र छात्र तक पहुंचेगा.

राज्यपाल ने 'रांची कैंसर समिट -2025' का उद्घाटन किया

कैंसर की लड़ाई में संवेदना और समर्पण आवश्यक: राज्यपाल

शुभम संदेश।रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को होटल रेडिसन ब्लू, रांची में आयोजित 'रांची कैंसर समिट–2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि कैंसर केवल एक शारीरिक रोग नहीं, बल्कि यह एक ऐसी जटिल और व्यापक चुनौती है, जो व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार की मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्थिरता को भी गहराई से प्रभावित करती है. इस रोग से लड़ाई में औषधियों के साथ-साथ मानवीय संवेदना, भरोसा और अपनत्व भी उतने ही आवश्यक हैं. राज्यपाल ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की चुनौतियों की ओर संकेत करते हुए कहा कि राज्य के दूरदराज़ और ग्रामीण इलाकों में समय पर रोग की पहचान और समुचित इलाज अब भी एक बड़ी चुनौती है. कैंसर जैसे गंभीर रोगों के लिए समर्पित और संगठित प्रयासों की जरूरत है, जिससे सभी वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ इलाज पहुंच सके.

उन्होंने केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत योजना' की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक क्रांतिकारी पहल है, जिससे गरीब और वंचित वर्ग को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा सुलभ हुई है. परंतु योजना की पूर्ण सफलता तभी संभव है, जब चिकित्सक, अस्पताल, राज्य सरकारें और आम नागरिक मिलकर सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें.

चिकित्सकों को उन्होंने "वैद्य नारायणो हरिः" कहते हुए उन्हें जीवनदाता बताया और कहा कि यदि सेवा, करुणा और समर्पण के साथ चिकित्सा कार्य हो, तो हर कैंसर रोगी के जीवन में आशा की एक नई किरण जग सकती है. उन्होंने यह भी साझा किया कि वे बरेली में अनेक रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास भेजते हैं, जहां से उन्हें संतोषजनक परिणाम मिलते हैं.

राज्यपाल ने रांची कैंसर समिट–2025 के आयोजन को एक सराहनीय पहल बताते हुए उम्मीद जताई कि यह समिट राज्य में कैंसर के उपचार और जन-जागरूकता को नई दिशा देगा. उन्होंने सभी प्रतिभागियों और चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी कैंसर पीड़ित अकेला न महसूस करे.. उन्होंने कहा कि हमें हर रोगी की पीड़ा को अपनी पीड़ा मानकर उसे जीवन की राह पर लौटाने के लिए समर्पित प्रयास करने होंगे.

एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा सहित 17 नक्सलियों पर एनआईए ने दर्ज किया नया केस

शुभम संदेश।रांची

झारखंड के चाईबासा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई हालिया मुठभेड़ के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई की है. एनआईए ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़े एक करोड़ के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा और अनल उर्फ पतिराम मांझी सहित कुल 17 नक्सलियों पर नया मामला दर्ज किया है. यह मामला 30 मई 2025 को चाईबासा के जराईकेला थाना क्षेत्र के तिरिपोशी जंगलों में हुई मुठभेड़ से संबंधित है, जहां सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किया था. इस मुठभेड़ में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जंगलों में भाकपा (माओवादी) का केंद्रीय दस्ता सक्रिय है, जिसकी योजना पुलिस बल पर हमला करने और हथियार लूटने की थी. सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया. जैसे ही बल मौके पर पहुंचा, नक्सलियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं. जब नक्सली दबाव में आए तो "लाल सलाम" और "माओवादी जिंदाबाद" जैसे नारे लगाते हुए जंगलों और पहाड़ियों की ओर भाग निकले.

पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन घने जंगल और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण वे फरार होने में सफल रहे. इसके बाद पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया. तलाशी के दौरान दो वायरलेस सेट और 155.66 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया, जिसे ओडिशा से लूटा गया बताया गया है. इससे पहले यह मामला चाईबासा के जराईकेला थाना में कांड संख्या 13/25 के तहत दर्ज किया गया था, जिसे अब एनआईए ने अपने हाथ में लेकर आरसी 01/2025 आरएनसी के रूप में दर्ज किया है. जिन 17 नक्सलियों पर मामला दर्ज किया गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं: मिसिर बेसरा, अनल उर्फ पतिराम मांझी, अनमोल, अश्विन, मौछु, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगेरिया, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित मुंडा, जयकांत, राफा मुंडा, जिलानी, मुन्नी सुरीन, सलुका कायम और गुरुचरण.

एनआईए के अनुसार, इन सभी नक्सलियों के खिलाफ साजिश रचने, हिंसा फैलाने, सरकारी तंत्र पर हमले की योजना और प्रतिबंधित सामग्री रखने जैसे गंभीर आरोप हैं.

देवघर श्रावणी मेला 2025

उमड़ रही भक्तों की भारी भीड़

शुभम संदेश।रांची/ देवघर

देवघर में आयोजित राजकीय श्रावणी मेला 2025 में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. अब तक लगभग 1.27 लाख श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण कर चुके हैं. पूरी बाबा नगरी भगवामय हो गई है और 'हर हर महादेव' के जयघोष से गूंज रही है. कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु आस्था और भक्ति के साथ भाग ले रहे हैं. श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के खास इंतजाम किए हैं, साथ ही खाने-पीने और प्रसाद की वस्तुओं के रेट भी तय कर दिए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को मनमानी कीमत न चुकानी पड़े. प्रशासन ने साफ कहा है कि अगर कोई दुकानदार तय दर से अधिक राशि वसूलेगा, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा के लिए जगह-जगह हेल्थ कैंप भी लगाए गए हैं. मेले में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजान किए गए हैं.

प्रसाद की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी

- पेड़ा (800 ग्राम खोवा + 200 ग्राम चीनी) : 400 प्रति किलो
- पेड़ा (700 ग्राम खोवा + 300 ग्राम चीनी) : 360 प्रति किलो
- रायपुर चूड़ा : 80 प्रति किलो
- वर्द्धमान चूड़ा : 60 प्रति किलो
- इलायची दाना : 80 प्रति किलो
- मेला क्षेत्र में 80 रु में भरपेट भोजन की थाली
- श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में 80 में भरपेट थाली मिलेगी. इसके अलावा कई खास व्यंजन व सब्जियां भी तय रेट पर उपलब्ध होंगे :
- मटर पनीर : 180, आलू –परवल : 80
- पनीर बटर मसाला : 170
- साधारण रोटी : 7, घी लगी रोटी : 12
- सत्तु पराठा : 40 (घी वाला 60)
- दाल फ्राई : 80
- चावल–दाल–सब्जी–भुजिया–चटनी : 80

सीआईडी जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे

सहारा ने रांची-बोकारो में बेची जमीन के पैसे सेबी को नहीं भेजे

शुभम संदेश।रांची

झारखंड सीआईडी ने सहारा समूह की जमीनों की फर्जी तरीके से बिक्री को लेकर बड़ा खुलासा किया है. जांच के दौरान सहारा इंडिया के अधिकारी शैलेंद्र शुक्ला से पूछताछ की गयी. पूछताछ में शुक्ला ने बताया कि कंपनी के मुख्यालय के निर्देश पर रांची और बोकारो जोन से कोलकाता, गुवाहाटी, पटना, लखनऊ, दिल्ली जैसे शहरों में पैसे ट्रांसफर किए जाते थे. शुक्ला ने बताया कि फंड ट्रांसफर का आदेश सहारा इंडिया के मंडल प्रमुख नीरज कुमार पाल और मुख्यालय के एग्जीक्यूटिव एसबी सिंह की ओर से दिया जाता था. सीआईडी की रिपोर्ट के अनुसार, सहारा समूह ने फर्जी कंपनियों और फर्जी व्यक्तियों के माध्यम से जमीनों की बिक्री की. जांच में यह भी सामने आया है कि जमीनें सेबी द्वारा तय कीमत से बहुत कम दाम में बेची गयीं और बिक्री से मिली रकम ना तो सेबी में जमा की गयी और ना ही निवेशकों को वापस लौटाई गयी. इसके बजाय इस पैसे को निजी खर्चों में इस्तेमाल किया गया. सीआईडी ने मामले में एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है.

बेगूसराय में 28.39 एकड़ जमीन की कीमत 2013 में 41.17 करोड़ आंकी गई थी. यह जमीन 2.15 करोड़ में बेच दी गई. दूसरी जमीन 3.77 एकड़ 3.36 करोड़ में बेची गई. जबकि उस समय जमीन की कीमतें दोगुनी-तीनगुनी हो चुकी थीं. वहीं पटना में 65.28 एकड़ जमीन, जिसकी सेबी ने 44.80 करोड़ की कीमत लगाई थी. यह जमीन 2.52 करोड़ में रणकौशल प्रताप सिंह को बेच दी गई. जबकि सरकारी रेट भी करीब 5.05 करोड़ था. वहीं बोकारो में 68.14 एकड़ जमीन की वैल्यू 2013 में 61.33 करोड़ लगाई गई थी. आज भी यह जमीन सहारा इंडिया के नाम पर ही दर्ज है. धनबाद के गोविंदपुर के रेगुनी मौजा में सहारा की जमीन पर असर्फी अस्पताल का निर्माण हो रहा है. सीआईडी ने संबंधित अधिकारियों से सहारा से जुड़ी कंपनियों की जानकारी मांगी है.

कृषि विभाग उदासीन | झारखंड स्वावलंबी सहकारी समितियां अधिकरण 2021 में बना, 2022 से चेयरमैन नहीं

33 माह से बिना चेयरमैन के ट्रिब्यूनल, सहकारी समितियों से जुड़ी शिकायतों-विवादों की सुनवाई ठप

शुभम संदेश।रांची

झारखंड में सहकारिता व्यवस्था को पारदर्शी और विवादमुक्त बनाने के उद्देश्य से गठित झारखंड स्वावलंबी सहकारी समितियां अधिकरण (ट्रिब्यूनल) खुद नेतृत्वहीनता और उपेक्षा का शिकार है. राज्य गठन के 21 साल बाद 2021 में अस्तित्व में आया यह ट्रिब्यूनल बीते 33 महीनों से चेयरमैनविहीन है. 21 अक्टूबर 2022 को इसके पहले चेयरमैन कुमार गणेश दत्त के कार्यकाल की समाप्ति के बाद अब तक नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया जा सकात है. नतीजतन, ट्रिब्यूनल का मुख्य कार्य- सहकारी समितियों से जुड़ी शिकायतों और विवादों की सुनवाई पूरी तरह ठप है.

ट्रिब्यूनल की स्थापना सहकारी समितियों के निबंधन, संचालन, निर्वाचन, वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार जैसे मामलों की सुनवाई और निपटारे के लिए की गई थी. इस अधिकरण को राज्य के सहकारिता ढांचे को मज़बूत और जवाबदेह बनाने का औजार माना गया था, लेकिन बिना चेयरमैन के यह खुद ही दिशाहीन हो गया है. हालांकि अधिकरण का कार्यालय रांची में नियमित रूप से खुलता है. वहां पदस्थापित कनीय अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षा में तैनात होमगार्ड जवान अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहते हैं, लेकिन कार्य की मूल आत्मा — न्यायिक सुनवाई और निर्णय प्रक्रिया पूर्णतः ठप पड़ी है. इससे ट्रिब्यूनल में लंबित मामलों की संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है.

चेयरमैन पद के लिए कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने तीन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों के नाम प्रस्तावित किए थे, लेकिन लगभग ढाई साल से राज्य सरकार इस पर निर्णय नहीं ले पाई है. कृषि विभाग, जिसके अधीन यह ट्रिब्यूनल आता है, ने भी अब इसे सक्रिय करने की दिशा में उदासीनता अपना ली है. विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रिब्यूनल की निष्क्रियता से सबसे बड़ा नुकसान उन किसानों और ग्रामीण नागरिकों को हो रहा है, जो सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि और अन्य स्वावलंबन योजनाओं से जुड़े हुए हैं. जब विवादों और अनियमितताओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और समितियों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं.

विशेषज्ञों का मानना है कि झारखंड में सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने की दिशा में यह ट्रिब्यूनल एक अहम कड़ी हो सकता था, लेकिन सरकारी उदासीनता, सुस्ती और नेतृत्व की कमी से यह व्यवस्था फिलहाल मज़ाक बन कर रह गई है. सरकार से अब यह उम्मीद की जा रही है कि वह जल्द से जल्द चेयरमैन की नियुक्ति कर ट्रिब्यूनल को उसके मूल उद्देश्य की ओर लौटाए, ताकि सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली में विश्वास बहाल हो सके.

सचिवालय अनुदेश संशोधन पर फिर लगी रोक

मुख्यमंत्री ने गठित की नई कमेटी

शुभम संदेश।रांची

सचिवालय अनुदेश में प्रस्तावित संशोधनों पर जारी प्रक्रिया को फिलहाल विराम लग गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है. इस कमेटी में कंट्रोलिंग, सर्विस और वर्क्स डिपार्टमेंट के संयुक्त सचिव या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों को शामिल किया जाएगा.

यह फैसला ऐसे समय आया है जब कार्मिक विभाग पिछले एक साल से 1952 में बने सचिवालय अनुदेश को वर्तमान प्रशासनिक व तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित करने की दिशा में प्रयासरत था. प्रस्ताव में सचिवालय कर्मियों के पद संरचना में भी बदलाव किया गया था. विशेष रूप से, चार सहायक शाखा पदाधिकारी (एएसओ) पर एक शाखा पदाधिकारी (एसओ) का पद सृजित करने की अनुशंसा की गई थी, जिसका सचिवालय सेवा संघ और कर्मियों ने तीखा विरोध किया.

सेवा संघ की मांग थी कि दो एएसओ पर एक एसओ और दो एसओ पर एक अवर सचिव का पद ही संरक्षित रखा जाए, जो वर्तमान में भी केंद्रीय सचिवालय की व्यवस्था के अनुरूप है. प्रारंभिक विरोध के बाद विभाग इस मांग पर सहमत हो गया था. प्रस्ताव कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण किशोर के पास पहुंचा, जिन्होंने मुख्यमंत्री की स्वीकृति लेने की टिप्पणी की. लेकिन मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सहमति देने के बजाय, विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श के लिए एक बहु-विभागीय समिति गठन का सुझाव दिया.

अब यह कमेटी कंट्रोलिंग (जैसे—कार्मिक, वित्त, विधि), सर्विस (जैसे—शिक्षा, स्वास्थ्य) और वर्क्स डिपार्टमेंट (जैसे—पथ निर्माण, भवन निर्माण, ऊर्जा) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर सचिवालय अनुदेश के हर पहलू पर समग्र विचार करेगी. इसके बाद ही समिति की अनुशंसा के आधार पर संशोधित प्रस्ताव तैयार कर विधि, वित्त और मुख्यमंत्री की मंजूरी ली जाएगी, और अंततः कैबिनेट में उसे प्रस्तुत किया जाएगा. गौरतलब है कि 1952 में बने सचिवालय अनुदेश अब कई मायनों में अप्रासंगिक हो चुके हैं. वर्तमान निर्देशों में न तो डिजिटल फाइल प्रोसेसिंग, न ही ई-मेल, व्हाट्सएप जैसे संचार माध्यमों से प्राप्त पत्रों के निपटारे का कोई उल्लेख है. यहां तक कि अब समाप्त किए जा चुके 'रजिस्ट्रार' पद का भी जिक्र अब तक अनुदेश में मौजूद है.

राजकुमार राव की सादगी और समर्पण पर फिदा हुईं पत्रलेखा

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, रविवार 13 जुलाई 2025, श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया, संवत 2082

रोजगार मेला समारोह : देश भर के 47 स्थानों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम मोदी ने वितरित किए पत्र

धनबाद रेल मंडल में 143 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

शुभम संदेश। धनबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के 47 स्थानों पर 51,000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे. इस अवसर पर उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित भी किया. यह रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यह पहल रोजगार सृजन में उत्प्रेरक का कार्य करेगी और युवाओं को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय विकास में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगी. इसी कड़ी में धनबाद मंडल के रेलवे ऑडिटोरियम में रोजगार मेला समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ रेलवे सहित अन्य मंत्रालयों के लिए कुल 143 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए. इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री व लोकसभा सांसद डॉ. राज भूषण चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा और विधायक मथुरा प्रसाद महतो विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे. मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार और धन्यवाद व्यक्त किया. उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी.

मंत्री चौधरी धनबाद मेडिकल कालेज के रहे हैं छात्र, पहुंचने पर खाया खाना, कहा-

रामूजी के मेस का स्वाद आज भी वैसा ही

खास बातें

- केंद्रीय मंत्री राजभूषण ने पुराने दिनों को किया याद
- पुराने परिचितों से की मुलाकात झरिया और तेतुलमारी भी गए

धनबाद। धनबाद मेडिकल कॉलेज का एक छात्र शनिवार को केंद्रीय मंत्री बनकर कॉलेज पहुंचा. एक समय कॉलेज के मेडिकल स्टूडेंट रहे डॉक्टर राजभूषण चौधरी केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कॉलेज पहुंचना वाकई सुखद नजारा था. वे आए तो थे धनबाद के दौरे पर, लेकिन उन्होंने पुरानी यादों को फिर से ताजा किया. दो दशक पहले यहां से डिग्री प्राप्त की, इसके बाद दरभंगा चले गए. उन्होंने कहा कि वह हॉस्टल नंबर 2 के कमरा नंबर 25 में रहते थे. उस समय भी मेस चलता था और आज भी मेस चलता है. उस समय भी रामू जी मेस चलाते थे और आज भी रामू जी मेस चलाते हैं. जब उनसे पूछा गया कि मेस के भोजन का स्वाद आज कैसा लगा, तो उन्होंने कहा कि स्वाद तो बिल्कुल वही है. उन्होंने मेस में भोजन भी किया. उनकी पढ़ाई के समय जो रेजिडेंट डॉक्टर थे, आज कॉलेज के प्राचार्य बन गए है. कुल मिला-जुलकर कर उन्होंने धनबाद को भरोसा दिया कि इस कॉलेज या झारखंड के किसी भी कॉलेज के लिए उनके पास जो भी डिमांड रखे जाएंगे, नियम के अनुसार वह उसे पूरा करने का हर संभव प्रयास करेंगे. वह बिहार के मुजफ्फरपुर से सांसद हैं. इससे पूर्व वे तेतुलमारी में समाज के अनिल कुमार, शंकर मल्लाह, राजू मल्लाह से मुलाकात की, यहां मंत्री के पीएस कृष्णा चौधरी भी मौजूद थे. वे तिसरा हॉस्पिटल कॉलोनी भी पहुंचे. जहां बिहार जनता खान मजदूर संघ के क्षेत्रीय सचिव भोला साहनी ने उनका भव्य स्वागत किया. केंद्रीय मंत्री से मिलने के लिए काफी संख्या में गोल्डन पहाड़ी के विस्थापित ग्रामीण पहुंचकर मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा.

(शेष पेज-11 पर)

सदर अस्पताल में आज

गायनी इमर्जेंसी

सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक -	डॉ अपूर्व दत्ता
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक -	डॉ सुमन
रात 8 से सुबह 8 बजे तक -	डॉ अंजना कुमारी

जेनरल इमर्जेंसी

सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक -	डॉ नीलम बाला
दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक -	डॉ पीपी पांडेय
रात 9 बजे से शुक्रवार सुबह 9 बजे -	डॉ मासूम आलम

ब्रीफ खबरें

सियालदाह राजधानी से अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त

धनबाद । रेलवे सुरक्षा बल ने वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के मार्गदर्शन में गुप्त सूचना के आधार पर धनबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की. विशेष दल ने 12 जुलाई 2025 को सुबह 11:55 बजे नई दिल्ली से सियालदह जाने वाली ट्रेन संख्या 12314 के अगले सामान डिब्बे में अवैध शराब की खेप पकड़ी. इस कार्रवाई में 9 कार्टनों में 97 बोतलें (प्रत्येक 750 मिलीलीटर) अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिनमें 10 चिवास, 10 ब्लैक लेबल, 43 रेड लेबल और 34 जेम्सन शामिल हैं। कुल बरामद शराब की मात्रा 72,750 मिलीलीटर और बाजार मूल्य लगभग 2,81,060 रुपये आंका गया है। जांच में पता चला कि माइका कार्गो मूवर्स कंपनी को 21 अप्रैल 2025 से 22 अप्रैल 2027 तक ट्रेन के सामान डिब्बे में माल ढोने का ठेका दिया गया था।

10 हजार रुपये रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

चांडिल (सरायकेला)। राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत एसीबी को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है.एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) जमशेदपुर की टीम ने शनिवार को सरायकेला जिले के चांडिल अंचल कार्यालय में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी शनि बर्मन को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया.यह कार्रवाई दोपहर करीब 1 बजे की गई, जब शनि बर्मन चांडिल के कदमडीह निवासी राजेश हेंब्रम से दालग्राम स्थित जमीन के पंजी-2 ऑनलाइन अपडेट करने के एवज में 10 हजार रुपये घूस ले रहा था. शिकायतकर्ता राजेश हेंब्रम ने पहले ही एसीबी से संपर्क कर रिश्वत मांगे जान की शिकायत की थी. शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर शनि बर्मन को रिश्वत लेते शनिवार को रंगेहाथ धर दबोचा. गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम उसे साथ लेकर जमशेदपुर गई, जहां उससे लंबी पूछताछ की गई.

झारखंड में अगले पांच दिन तक बारिश, कई जिलों में अलर्ट जारी

रांची । मौसम विभाग ने झारखंड के कई जिलों में अगले 5 दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना जताई है. विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश, तेज हवाएं और वज्रपात भी हो सकते हैं. राजधानी रांची के साथ-साथ खूंटी, गुमला, रामगढ़, बोकारो और कोल्हान के जिलों में ज्यादा बारिश होने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, झारखंड के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिसके कारण प्रदेश में लगातार बारिश हो रही है और आगे भी जारी रहेगी. शुक्रवार को रांची में दिन भर बारिश होती रही और 30 मिमी बारिश दर्ज की गई. 1 जून से अब तक राजधानी में 770.8 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि सामान्य से 150 प्रतिशत ज्यादा है. पिछले 24 घंटे में राज्य भर में 499.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 296.4 मिमी होती है. यानी इस बार 69 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है.

नई खुदरा उत्पाद नीति के तहत

धनबाद में संचालित होंगी शराब की दुकानें

- तैयारी में जुटा विभाग, डेढ़ से दो महीने लगने की संभावना
- वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दुकान खुलने में भी 4-5 दिन का लगेगा समय

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की नई नीति के तहत धनबाद जिले में भी शराब की खुदरा दुकानों का संचालन झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा दैनिक पारिश्रमिक पर मानव बल के माध्यम से शुरू करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. यह निर्णय ₹झारखंड उत्पाद (झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन) नियमावली, 2022 के तहत अल्पकालीन वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत लिया गया है, ताकि नई नियमावली 2025 लागू होने तक दुकानों का संचालन निर्बाध रूप से हो सके. वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दुकान खुलने में भी 4-5 दिन का समय लगेगा.

दैनिक पारिश्रमिक के आधार पर कर्मियों की नियुक्ति : झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025 को लागू करने में डेढ़ से दो महीने का समय लगने की संभावना है. साथ ही, प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से दुकानों के संचालन में अनियमितताओं की शिकायतों को देखते हुए जेएसबीसीएल द्वारा श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा निर्धारित दरों पर दैनिक पारिश्रमिक के आधार पर कर्मियों की नियुक्ति कर दुकानों का संचालन किया जाएगा. इस व्यवस्था का उद्देश्य राजस्व हितों की रक्षा, अवैध शराब की बिक्री को रोकना और इससे होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है.

विभाग की तैयारी : उत्पाद विभाग और जेएसबीसीएल धनबाद में इस अल्पकालीन व्यवस्था को लागू करने के लिए तेजी से तैयारियां कर रहे हैं. कर्मियों के चयन, होमगार्ड की तैनाती और दुकानों के पर्यवेक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं. पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर की तर्ज पर धनबाद में भी यह व्यवस्था जल्द लागू होने की उम्मीद है.

संचालन की प्रक्रिया और प्रावधान

1. दुकानों का संचालन

धनबाद में दुकानों का हैंड/टेकओवर और रिकॉन्सिलिएशन पूरा होने के बाद जेएसबीसीएल द्वारा दैनिक पारिश्रमिक पर कर्मियों की नियुक्ति कर शराब की बिक्री शुरू की जाएगी.

2. कर्मियों का चयन

प्रत्येक दुकान के लिए एक दुकान प्रभारी और एक सहायक की नियुक्ति होगी. अनुभवी कर्मियों को प्राथमिकता दी जाएगी, बशर्ते उनके खिलाफ कोई अनियमितता की शिकायत न हो.

3. अस्थायी नियुक्ति

कर्मियों की नियुक्ति अस्थायी होगी, और असंतोषजनक कार्य की स्थिति में जिला सहायक आयुक्त/अधीक्षक उत्पाद की अनुशंसा पर उनकी सेवा समाप्त की जा सकेगी.

4. होमगार्ड की तैनाती

ग्राहकों की संख्या के आधार पर 1 से 3 होमगार्ड प्रत्येक दुकान पर तैनात किए जाएंगे, जिनका चयन गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा.

5. पर्यवेक्षण और अनुश्रवण

सहायक आयुक्त,अधीक्षक उत्पाद-सह-जिला प्रबंधक द्वारा दुकानों का पर्यवेक्षण किया जाएगा. अपर समाहर्ता जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी के रूप में कार्य करेंगे. आवश्यकतानुसार उपायुक्त द्वारा अतिरिक्त कर्मियों,पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी.

6. दुकानों का बंद होना

नई नियमावली 2025 लागू होने के बाद जिला उपायुक्त की अनुशंसा पर आयुक्त उत्पाद द्वारा इन दुकानों को बंद किया जाएगा.

हॉस्टल की तीसरी मंजिल से छात्र ने लगाई छलांग

चाईबासा (शुभम संदेश)। झारखंड से सटे ओडिशा सीमावर्ती के चंपुआ थाना अंतर्गत केरला इंग्लि मीडियम स्कूल के हॉस्टल में 10वीं वे छात्र ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी मिलते ही हॉस्टल में अफरा तफरी मच गयी. वहीं छात्र की मौके पर ही मौत हो गयी. घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है. मृतक खरसावां प्रखंड के कोचा गांव का रहने वाला था. घटना में सीसीटीवी फुटेज भी सामने आयी है. घटना में साफ दिख रहा है कि छात्र कमरे से निकल कर खिड़की की ओर बढ़ता है और दूसरे छात्रों के देखते ही देखते वह नीचे कूद जाता है. फिलहाल छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गयी है.

रक्तदान शिविर के लिए सीएस की अनुमति अनिवार्य

- सरकारी अस्पतालों में जरुरतमंदों को बिना पैसा लिए एक्सचेंज पर दिया जाता है रक्त

शुभम संदेश। धनबाद

रक्तदान शिविर लगाने के लिए आयोजकों को सिविल सर्जन कार्यालय को सूचित करना होगा और अनुमति भी लेनी होगी. बगैर अनुमति के रक्तदान शिविर का आयोजन करना गैर कानूनी माना जाएगा.

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने सभी आयोजकों से अपील करते हुए कहा कि वे रक्तदान शिविर का आयोजन करने से पूर्व सिविल सर्जन कार्यालय को लिखित में सूचित करेंगे और आयोजन की अनुमति भी लिखित में प्राप्त करेंगे. शिविर के समापन पर कितना रक्त संग्रह हुआ और उसे कहां रखेंगे, इसकी भी सूचना उपलब्ध कराएंगे. उन्होंने कहा कि जिले में हर 2-3 दिनों के अंतराल में रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं. जिसकी सूचना सिविल सर्जन कार्यालय को नहीं दी जाती है और ना ही अनुमति ली जाती है. उन्होंने कहा कि वे एक रक्तदान शिविर में गए थे. वहां देखा की गरीब डोनर का रक्त लिया जा रहा है.

सीओ ने सौंपा स्पष्टीकरण जमाबंदी प्रविष्टि पर दी सफाई

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के अंचल अधिकारी शशि कान्त सिन्कर ने अपर समाहर्ता को पत्र लिखकर मौजा नारायणपुर के जमाबंदी प्रविष्टि के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है. अपर समाहर्ता ने सीओ को शो कॉज किया था. जिसमें मौजा नारायणपुर, मौजा नं. 13, हल्का नं. 2, खाता नं. 148, प्लॉट नं. 518/798 के ऑनलाइन जमाबंदी प्रविष्टि पर सवाल उठाए गए थे.

अंचल अधिकारी ने अपने पत्र में बताया कि उक्त प्लॉट गत सर्वे खतियान के अनुसार गैर आबाद खाते की भूमि है और वर्तमान में बिहार सरकार के नाम दर्ज है. झारभूमि पोर्टल के पंजी-II, पृष्ठ नं. 287 में इस भूमि का रकबा 24.8 डिसमिल मालती देवी, पति ललन प्रसाद के नाम से कायम होने का उल्लेख है. हालांकि, जांच में पाया गया कि पंजी-II में किसी व्यक्ति के नाम से कोई ऑनलाइन प्रविष्टि नहीं की गई है. उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया झारखंड सरकार के निर्देशों के अनुरूप की गई है.

सिन्कर ने बताया कि झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के प्रधान सचिव (पत्रांक 0758, दिनांक 03.07.2018) और राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त सचिव (पत्रांक 2884, दिनांक 10.07.2018) के आदेशों के आधार पर पहले से कायम ऑफलाइन जमाबंदी (सं. 1316) को ऑनलाइन झारभूमि पोर्टल पर अपलोड किया गया है. इस प्रक्रिया में कोई नया जमाबंदी कायम नहीं किया गया है. पत्र के साथ ऑफलाइन जमाबंदी की छायाप्रति भी संलग्न की गई है, ताकि तथ्यों की पारदर्शिता बनी रहे.

पीएम मोदी को गंगा आरती कराने वाले आचार्य रजनीश करेंगे शिव महाआरती

पहली सोमवारी पर राजेंद्र सरोवर में होगी शिव महाआरती

- राजेंद्र सरोवर में 40 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद : अमितेश सहाय

शुभम संदेश। धनबाद

पिछले तीन वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन की पहली सोमवारी पर बेकरबांध के राजेंद्र सरोवर पार्क में शिव महाआरती का भव्य आयोजन किया जाएगा. उक्त जानकारी जीटा के अध्यक्ष अमितेश सहाय ने शनिवार को होटल वसुंधरा में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी. उन्होंने बताया कि शिव महाआरती का आयोजन 2022 से शुरू हुआ था. लगातार चौथे वर्ष आगामी 14 जुलाई को वाराणसी के गंगा घाट पर आयोजित गंगा आरती की तर्ज पर शिव महाआरती का आयोजन होगा. इस आयोजन में वाराणसी के घाट पर पीएम मोदी को गंगा आरती कराने वाले आचार्य रजनीश अपनी टीम के साथ धनबाद आयेंगे. उन्हीं के द्वारा शिव महाआरती की जाएगी. इस भव्य आयोजन में जिला प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं स्थानीय नागरिकों का सराहनीय सहयोग मिला है. अमितेश सहाय ने बताया कि पिछले वर्ष के आयोजन में करीब 40 हजार श्रद्धालु जुटे थे. इस बार भी 40 हजार के करीब श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है. इस आयोजन में कोई भी वीआईपी नहीं होगा. सभी शिव भक्त बनाकर शामिल होंगे और पुण्य के भागी बनेंगे. प्रेस वार्ता में संजीव चौरसिया, अमन सिंह, आनंद चौरसिया, मनोरंजन सिंह, संजीव रंजन एवं अन्य मौजूद थे.

शिव पार्वती विवाह होगा मुख्य आकर्षण

जीटा के महासचिव राजीव शर्मा ने आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि इस बात शिव पार्वती विवाह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा. राजीव शर्मा ने कहा कि जीटा की कोशिश होती है कि हर साल कुछ नई और अनोखी प्रस्तुति लाई जाए. इस बार शिव पार्वती विवाह, बजरंगबली की टीम एवं भजन गायन का आयोजन होगा. भजन गायन के लिए मोहित अग्रवाल, राजू सिंह बैरागी, सिमरन कौर के साथ अन्य कलाकार आएंगे. उन्होंने कहा कि शिव महाआरती की शुरुआत उस वक्त हुई थी जब लोग निराशा में जी रहे थे. कोरोना के बाद नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर बढ़ने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी.

ददई दुबे का वाराणसी में होगा अंतिम संस्कार

मेदिनीनगर (शुभम संदेश)। झारखंड के पूर्व मंत्री सह धनबाद के पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर शनिवार को पलामू लाया गया. पलामू में जगह-जगह पर सैकड़ों की संख्या में उमड़ी भीड़ ने चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का अंतिम दर्शन किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी. ददई दुबे का पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए पलामू के कांग्रेस कार्यालय में लाया गया. जहां सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष जैशरंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक, रुद्र शुक्ला समेत कई कांग्रेसी नेता शामिल थे. पलामू एवं गढ़वा में अंतिम दर्शन के बाद ददई दुबे का अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

गड़ेरिया पहुंचे केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री

लोयाबाद। केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी शनिवार को लोयाबाद के गड़ेरिया गांव पहुंचे और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना. वीआईपी पार्टी नेता मनोज निषाद की अगुवाई में ग्रामीणों ने मंत्री का पारंपरिक स्वागत किया. ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार होने के बावजूद शुद्ध पेयजल की कमी, कोयला खनन से बर्बाद रैयती जमीन, अधूरा मुआवजा और पुनर्वास, भू-धंसान, और जहरीली गैस जैसी गंभीर समस्याएं उन्हें झेलनी पड़ रही हैं. मंत्री ने सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया. बता दें कि डॉ. चौधरी धनबाद में रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आए थे, जहां उन्होंने युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए.

नहीं हो पायी अवैध मुहाने की भरायी

तेतुलमारी। बीसीसीएल तेतुलमारी कोलियरी के बेलदारी बस्ती काली मंदिर के समीप अवैध माइंस की भरायी का काम बारिश के कारण संभव नहीं हो सका. शनिवार को तेतुलमारी प्रबंधन, सीआईएसएफ व तेतुलमारी पुलिस पहुंचा भरायी कराने पहुंची थी, परन्तु लगातार बारिश से मिट्टी गीली हो जाने के कारण मुहाने तक जेसीबी मशीन नहीं पहुंच पाई और भरायी कार्य नहीं हो सका. प्रबंधन का कहना है कि अवैध मुहानों को शीघ्र बंद करायेंगे.

पूर्व सांसद ने की मृतक के आश्रित की आर्थिक मदद

टुंडी। पूर्व सांसद रवीन्द्र कुमार पाण्डेय शनिवार को पश्चिमी टुंडी मनियाडीह थाना क्षेत्र के झिनाकी गांव पहुंचे. पिछले दिनों सड़क दुघर्टना में मारे गए समर राय के स्वजनों से मिलकर ढांढस बंधाया व आर्थिक मदद दी. इसके बाद वे टुंडी के ठेठाटांड गांव के वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल पाण्डेय के आंख आपरेशन होने पर उनके आवास पहुंचकर हाल-चाल जाना. इस मौके पर पूर्व मुखिया माया देवी भी मौजूद थी.

झाकोमयू की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

निरसा बाजार। झाकोमयू के ईसीएल ज़ोनल सचिव लखी सोरेन के आवासीय कार्यालय में संगठन विस्तार पर बैठक हुई. यूनियन के अध्यक्ष परीक्षित दान, जेसीएमयू ईसीएल ज़ोनल उपाध्यक्ष मो. कासिम अंसारी, ईसीएल ज़ोनल अध्यक्ष परीक्षित दा विशेष रूप से उपस्थित थे. बैठक में संगठन के विस्तार और मज़दूरों की आवाज़ को और सशक्त बनाने के लिए टीम गठन पर विचार-विमर्श किया गया. पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कोलियरी क्षेत्रों में मजदूरों की समस्याओं, उनके अधिकारों और सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की. संगठन को ज़मीनी स्तर पर और सक्रिय व मजबूत बनाने की दिशा में रणनीति बनाई गई. सचिव लखी सोरेन ने कहा कि हमारा लक्ष्य हर मज़दूर तक यूनियन की पहुंच सुनिश्चित करना है ताकि वे अपने हक और अधिकारों के लिए जागरूक और संगठित हो सकें. बैठक में जेसीएमयू ईसीएल ज़ोनल उपध्यक्ष चांदलाल सोरेन, कोषाध्यक्ष रोहन साह, पवन माज़ी, शमीम अंसारी, आरएस शर्मा, महानन्दो रवानी, सुभाष दास, लोखु हेब्रम, कारा पासवान, नोनीगोपाल चंद्रा, सुबोध टुडू, धजोधारी हांसदा, गुरु चरण मंडल, राजेंदर, बोधीनाथ सोरेन, बोधीनाथ हेब्रम यूनियन के कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

Wanted

Fom Ti project Bokaro associated with JSACS/NACO

Post For ORW (outreach worker)

Candidate eligible - Male/Female

Qualification- Matriculate

Experience - Candidoule Should be having one year working experience with any ti project.

expected salary - 10,500/- (ten thousand five hundred) and T.A (Travelling allowance 1500 (one thousand five hundred ruoees) Per month.

Last date: 14-07-25 till 5.00 p.m for application submission

Interview date -15-07-25

Office- C/o Lt J.N. Singh, Kuwar Singh Colony, Chas Bokaro, Opposite Dr. M.K Jain, 827013,

email ID: prayas_bokaro @rediffmail.com

Contact no-9546267856/ 7004473752

Note- Application send hand to hand on email ID.

मुगमा रेलवे साइडिंग में ग्रामीणों का हंगामा

हाइवा परिचालन को लगभग दो घंटे ठप किया, लगी लंबी कतार

शुभम संदेश। निरसा बाजार

ईसीएल मुगमा क्षेत्र के सेंटरपुल रेलवे साइडिंग को मुगमा बस्ती के ग्रामीणों के आने-जाने वाले रास्ते को प्रबंधन ने बंद कर दिया था, इसको लेकर ग्रामीणों ने उग्र होकर रेलवे साईडिंग के मुख्य गेट को जाम कर दिया. ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व से स्लाइडिंग होते हुए शौच एवं नहाने के लिए नदी के रास्ते से हम लोग आना जाना करते हैं. जिसे प्रबंधन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी रास्ता को बंद कर दिया, जिससे हम लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इसी मामले को लेकर करीबन हाईवा परिचालन को 2 घंटे ठप कर दिया गया. हाईवा गाड़ी की लंबी कतार लग गई, जिससे ट्रांसपोर्टिंग में कंपनी को नुकसान एवं ठीकेदार को उठाना पड़ता. हालांकि सूचना मिलते ही वरीय पदाधिकारी घटना स्तर पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया. उन लोगों को आश्वासन दिया के रास्ता को किसी भी तरह से बंद नहीं किया जाएगा. तब जाकर ग्रामीण शांत हुए और हाईवा परिचालन शुरू हुआ.

मुरलीडीह में चोर समझकर युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस को सौंपा

खास बातें

- बड़े भाई से विवाद के बाद घर छोड़ गया था युवक
- संदेह होने पर लोगों ने पकड़ा, पुलिस कर रही छानबीन

शुभम संदेश। महुदा

भाटडीह ओपी क्षेत्र के मुरलीडीह में शनिवार को ग्रामीणों ने एक युवक को चोर समझकर पकड़ लिया और उसे ओपी पुलिस के हवाले कर दिया. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर गांव के लोग सतर्क हैं. शनिवार दोपहर एक युवक मुरलीडीह बस्ती में आकर इधर-उधर घूम रहा था. उसकी संदिग्ध गतिविधियों को देख ग्रामीणों को संदेह हुआ. उन्होंने उसे पकड़कर पूछताछ की, लेकिन वह कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका. ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना भाटडीह ओपी पुलिस को दी. सूचना पाकर एएसआई श्याम किशोर शर्मा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़कर ओपी ले आए. पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम राजू कोड़ा बताया और बताया कि वह संथालडीह थाना क्षेत्र के कांकी बस्ती निवासी तपन कोड़ा का पुत्र है. राजू कोड़ा ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार संध्या घर में उसके बड़े भाई से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था. मारपीट के बाद वह नाराज़ होकर घर छोड़कर निकल गया और रात में बीएनआर ट्रेन पकड़कर महुदा स्टेशन पहुंचा. वह रात भर स्टेशन के आसपास भटकता रहा और सुबह काम की तलाश में कई दुकानों में गया, लेकिन कहीं काम नहीं मिला. अंततः वह थक-हार कर घर लौटने के लिए लोगों से रास्ता पूछ रहा था कि मुरलीडीह पहुंचने पर ग्रामीणों ने उसे चोर समझ लिया और पकड़कर पुलिस को सौंप दिया. इस संबंध में एएसआई श्याम किशोर शर्मा ने बताया कि युवक के परिजनों को सूचना दे दी गई है. उसके बड़े भाई को भी बुलाया गया है. पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी.

केशलपुर और रामकनाली कोलियरी में अपराधियों का तांडव

नौ कर्मियों को बनाया बंधक, बेरहमी से मारपीट कर की लूटपाट

शुभम संदेश। कतरास

बीसीसीएल के एरिया-4 अंतर्गत केशलपुर व रामकनाली कोलियरियों में शनिवार को अपराधियों ने सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाते हुए दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया. एकेडब्लूएमसी के केशलपुर कोलियरी के दो नंबर और रामकनाली कोलियरी के तीन नंबर भूमिगत खदान पर 25 से 30 की संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोल दिया. उन्होंने वहां तैनात नौ कर्मियों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा और उनके पास से मोबाइल, केपलैंप, बरसाती, माइनिंग जूते सहित अन्य सामान लूट लिए. घटना की जानकारी मिलते ही संयुक्त मोर्चा के समर्थक मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था की लचरता के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. कर्मियों ने प्रबंधन को लिखित शिकायत सौंपते हुए सीआईएसएफ की तैनाती एवं गश्ती व्यवस्था मजबूत करने की मांग की. घटना के शिकार कर्मियों में सरयू मांझी, लखन दास, सुधीर सिंह, बीरेंद्र कुमार, जवाहर चौहान, सुरेश पासवान, मोहन रविदास, फोरमैन सुबोध वर्णवाल, बालेश्वर, मुनेश्वर दास आदि शामिल हैं. कर्मियों ने बताया कि वे लोग बाहर पहरेदारी कर रहे थे तभी अपराधियों ने हमला कर बंधक बना लिया और खदान की चाबी मांगने लगे. चाबी नहीं देने पर मारपीट की गई और उनके निजी सामान छीन लिए गए. साथ ही, खदान स्थित बिजली सब-स्टेशन से भी मैकेनिकल टूल्स लूट लिए गए.घटना की सूचना मिलते ही रामकनाली ओपी प्रभारी संतोष रवि दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, पीड़ितों से जानकारी ली और निरीक्षण किया. इसके बाद सहायक खान प्रबंधक हरिराम चौधरी, नागदेव यादव, नितीश कुमार मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया. तत्पश्चात, सभी ओपी पहुंचकर प्रभारी से मिलकर आपबीती साझा की. ओपी प्रभारी संतोष रवि ने बताया कि अपराधी चोरी की मंशा से आए थे, लेकिन पुलिस की तत्परता के चलते अपने मकसद में सफल नहीं हो सके. उन्होंने कहा कि पुलिस जांच में जुटी है और कंपनी प्रबंधन को भी अलर्ट रहकर आवश्यक उपस्थिति बनाए रखने की सलाह दी गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर पूर्णतः अंकुश लगाया जा सके. प्रदर्शनकारी नेताओं ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सुरक्षा व्यवस्था बहाल नहीं हुई, तो कोलियरी का उत्पादन व परिवहन कार्य बाधित कर दिया जाएगा. प्रदर्शन में राजेंद्र प्रसाद राजा, राजू सिंह, राजेश मंडल, भुवन गोप, राजेश कुमार सिंह, सरोज उपाध्याय सहित कई मजदूर नेता शामिल थे.

नकाबपोशों ने बीसीसीएल कर्मियों को लूटा

तेतुलमारी। बीसीसीएल सिजुआ एरिया पांच के तेतुलमारी कोलियरी के पीएसटी में बीती रात नकाबपोश चोरों ने तृतीय पाली में कर्मी प्रदीप राय, भीम भुईया, सोखाराम महतो, निर्मल दास चार कर्मियों को मारपीट कर मोबाईल व पैसे छीन लिया, कर्मियों ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी. लेकिन प्रबंधन द्वारा इसकी लिखित शिकायत स्थानीय थाना को नहीं दिया गया है.

कतरास में 'नारायणी सुरभि गो-गृह' का उद्घाटन

शुभम संदेश। कतरास

गोसेवा के पुनीत कार्य को समर्पित एक और पहल के तहत शनिवार को कतरास स्थित गंगा गोशाला में नव निर्मित 'नारायणी सुरभि गो-गृह' का विधिवत उद्घाटन किया गया. यह गो-गृह श्रद्धेय गोभक्त बृजमोहन गाड़ोदिया एवं नीरा गाड़ोदिया के आर्थिक सहयोग से निर्मित हुआ है. उद्घाटन अवसर पर विधिवत गोपूजन किया गया. इस मौके पर बृजमोहन गाड़ोदिया ने कहा कि गो माता की सेवा प्रत्येक सनातनी का धर्म है. इससे न केवल आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होता है, बल्कि अनेक प्रकार के सांसारिक लाभ भी मिलते हैं. उन्होंने कहा कि गो सेवा से आत्मा की शुद्धि होती है और यह मानवता का सर्वोच्च धर्म है. कार्यक्रम में श्री गंगा गोशाला कतरास-करकेंद के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुष्करमल डोकानिया, डॉ. वी.एन. चौधरी, महासचिव महेश कुमार अग्रवाल, सचिव दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डी.एन. चौधरी सहित अनिल बंसल, राजेश सिंगल, सुमित खंडेलवाल, कमलेश सिंह, उदय वर्मा, किरण चावला, गोविंद हेलीवाल, रौनक हेलीवाल, सुनीता हेलीवाल, आनंद खंडेलवाल, अशोक शर्मा, तापस दे एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे. सभी ने संयुक्त रूप से इस पावन अवसर की सराहना की और गौसेवा के इस अद्वितीय प्रयास के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं.

गोमो में श्री श्री शीतला माता उत्सव का शुभारंभ

शुभम संदेश। गोमो

गोमो के पुरानी बाजार साहू मोहल्ला स्थित श्री श्री शीतला माता मंदिर के पंचम वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को कलश स्थापना के साथ हुआ. तीन दिवसीय अनुष्ठान के पहले दिन मंदिर प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 151 महिलाएं सिर पर कलश लेकर आगे-आगे चल रही थीं और पीछे श्रद्धालु जय माता दी, हर हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे. शोभायात्रा गोमो बाजार होते हुए जीतपुर स्थित जमुनिया नदी घाट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित बंसीधर पांडेय द्वारा जल भराया गया. इसके बाद कलशों की विधिवत स्थापना के साथ मंदिर परिसर में अनुष्ठान की शुरुआत हुई. जिप सदस्य बिजली देवी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री हीरामन नायक ने कलश यात्रा में भाग लेकर माता शीतला का आशीर्वाद प्राप्त किया. मंदिर समिति ने अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और आध्यात्मिक ऊर्जा के केंद्र होते हैं. उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और माँ शीतला से क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि व आरोग्यता की कामना की. कार्यक्रम को सफल बनाने में अमरीका प्रसाद, अशोक साव आदि का सराहनीय योगदान रहा.

गोसेवा का अलख जगा रहे अनिल खेमका

मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा ने किया सम्मानित

खास बातें

- गोसेवा केवल कर्म नहीं, आत्मा की शुद्धि है
- जब तक जीवन है, सेवा का संकल्प बना रहेगा : अनिल खेमका

शुभम संदेश। झरिया

गोसेवा को जीवन का धर्म मानते हुए समाजसेवा में निरंतर सक्रिय अनिल खेमका को मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया. यह सम्मान उन्हें 29 मई 2021 से शुरू हुए उनके समर्पित गोसेवा अभियान के लिए दिया गया, जिसकी प्रेरणा उन्हें उनकी मातृशक्तियां शारदा देवी खेमका एवं कुसुम देवी खेमका से प्राप्त हुई. अनिल खेमका द्वारा आरंभ किया गया पहली रोटी गोमाता के लिए अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है. इस मुहिम से प्रेरित होकर गिरिडीह एवं कतरास की गौशालाओं ने भी इसी तरह की पहल की, जो अब झारखंड समेत कई राज्यों और यहां तक कि विदेशों तक फैल रही है. इस अभियान की विशिष्टता यह है कि अनिल खेमका जब भी किसी विशिष्ट अतिथि का धनबाद आगमन होता है, तो वे स्वयं जाकर उन्हें गोशाला में गोसेवा हेतु आमंत्रित करते हैं. यह आमंत्रण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मीयता और श्रद्धा से ओतप्रोत सामाजिक आग्रह होता है, जिसे अतिथि सहर्ष स्वीकार करते हैं. अब तक इस पावन कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे, पी.एम. सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्व विधायक पूर्णिमा सिंह सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं उद्योगपति भाग ले चुके हैं. कार्यक्रम की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि देश-विदेश से भी श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से इससे जुड़ रहे हैं. लोग अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या पूर्वजों की पुण्यतिथि के अवसर पर गोशाला जाकर चारा, गुड़ आदि अर्पण कर गोसेवा को एक नया अर्थ दे रहे हैं. शाखा अध्यक्ष मनीष शर्मा ने बताया कि वे स्वयं अपने पिता की पुण्यतिथि पर परिवार सहित गोशाला जाकर सेवा करते हैं. मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा ने अनिल खेमका को गोसेवा के प्रतीक पुरुष की उपाधि देते हुए सम्मानित किया और कहा कि उनकी सेवा-निष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी. कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष मनीष शर्मा, कोषाध्यक्ष किरण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष असीम अग्रवाल, श्याम सुंदर साह, संयोजक गौतम अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, आशा बाजोरिया समेत कई गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं गौभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डीएवी बनियाहीर में रंगोली प्रतियोगिता

झरिया (शुभम संदेश)। शनिवार को डीएवी बनियाहीर में अंतरसदनीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया. प्रतियोगिता को तीन समूहों में विभाजित किया गया था. प्रथम समूह में कक्षा 3 से 5 तक की छात्राओं, द्वितीय समूह में कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं तथा तृतीय समूह में कक्षा 9 से 10 तक तीनों समूहों के 22 वर्गों ने सक्रिय सहभागिता निभाई. प्रतियोगिता में हंसराज सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसका नेतृत्व श्रेया एवं उसके सहयोगियों ने किया. विवेकानंद सदन को द्वितीय स्थान मिला, जिसका नेतृत्व फरहीन और उसकी टीम ने किया. श्रद्धानंद सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसका नेतृत्व नव्या और उसके सहयोगियों ने किया. मौके पर प्राचार्य सैय्यद एजाज़ अहमद ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी ऐसी प्रतियोगिताओं में नियमित रूप से भाग लें.

न्यूज अपडेट

डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा का मनाया गया स्थापना दिवस

महुदा (शुभम संदेश)। डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा का स्थापना दिवस शनिवार को वैदिक विधि-विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में मनाया गया. आचार्य अलखदेव शास्त्री ने वेद मंत्रों के साथ हवन-यज्ञ संपन्न कराया. प्रभारी प्रधानाध्यापक आर के सिंह ने कहा कि डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा विगत 32 वर्षों से निरंतर ज्ञान का दीप प्रज्वलित कर रहा है। इस विद्यालय ने देश को कई इंजीनियर, डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक और सेना के वीर सपूत दिए हैं. यहां की शिक्षण पद्धति आर्य समाज के आदर्शों पर आधारित होने के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी शिक्षा का समुचित समन्वय करती है. स्थापना दिवस पर कक्षा एलकेजी से द्वितीय तक के छात्रों द्वारा रंगारंग मानसून नृत्य प्रस्तुत किया गया. कक्षा तृतीय से दशम तक के विद्यार्थियों के बीच हिंदी वर्तनी लेखन प्रतियोगिता हुई.

दामोदा भुईयां धौड़ा के लोगों का स्थानांतरण शुरू

महुदा/दुगदा (शुभम संदेश)। बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ के निर्देश पर बीसीसीएल दामोदा कोलियरी प्रबंधन के अधिकारियों ने दामोदा कोलियरी के नार्थ दामोदा भुईया धौड़ा के निवासियों को बोकारो झरिया कालोनी में सुरक्षित स्थानांतरण कराया. बताते चलें कि दामोदा कोलियरी के नार्थ दामोदा उत्खनन परियोजना के विस्तारीकरण करते हुए नार्थ दामोदा भुईया धौड़ा के समीप पहुँच गया. नार्थ दामोदा भुईया धौड़ा के सैकड़ो निवासियों ने पूर्व मुखिया देवंती देवी के नेतृत्व में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी को संयुक्त हस्ताक्षर युक्त पत्र देकर सुरक्षित जगह पर स्थानातरण कराने की मांग की थी. बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने कोलियरी प्रबंधन को सख्त चेतावनी देते हुए इन धौड़ा वासियों को सुरक्षित स्थान पर बसाने का निर्देश दिया. दामोदा कोलियरी परियोजना पदाधिकारी पीएसके सिन्हा ने ग्रामीणों को अपने विश्वास में लेकर नार्थ दामोदा भुईया धौड़ा के मिथुन भुईया और गुजरा भुईया को बोकारो झरिया कालोनी के आवास संख्या 139 और140 में शिफ्ट कराया. प्रबंधन इन ग्रामीणों को अपना सामान ले जाने के लिए चार पहिए वाहन भी मुहैया कराया. शिफ्टिंग कार्य में सुरक्षा सुपरवाइजर महावीर मांझी मौजूद रहे. पीओ ने बताया कि नार्थ दामोदा भुईया धौड़ा के लोगो को सुरक्षित आवासों में तत्काल स्थान्तरित कराया जा रहा है.प्रबंधन जमीन चिन्हित कर इन लोगों को घर बनाने के लिए स्थान शीघ्र देगी. अन्य लोगों को भी शीघ्र कॉलोनी में आवास उपलब्ध कराया जाएगा.

डीएवी मुनिडीह और कुसुंडा में क्विज प्रतियोगिता

पुटकी (शुभम संदेश)। डीएवी मुनिडीह में अंतर सदन एकल एवं समूह नृत्य व डीएवी कुसुंडा में अंतर सदनीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई. प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थीयों ने भाग लिया. एकल नृत्य में तान्या कुमारी अथर्व सदन प्रथम, तनीषा कुमारी व अंजली कुमारी द्वितीय व तनिषा कुमारी तृतीय साम सदन रही. समूह नृत्य में अथर्व प्रथम, साम सदन द्वितीय एवं यजुर सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विद्यालय की प्राचार्य इंदु प्रसाद ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया. प्रतियोगिता में शिक्षक राजेश कुमार राही, जे पी महतो, नीता श्रीवास्तव, पूर्णिमा कुमारी एवं शशी यादव का प्रमुख योगदान रहा. वहीं डीएवी कुसुंडा में कक्षा छह से आठवीं के विद्यार्थियों के बीच सामान्य ज्ञान पर आधारित अंतरसदनीय क्वीज कॉंटेस्ट का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में दयानंद सदन प्रथम, अरविंदो सदन द्वितीय और श्रद्धानंद सदन तृतीय स्थान प्राप्त किया. क्विज मास्टर पीयूष गांगुली और नीतीश कुमार थे. टाइम कीपर मीनाक्षी और स्कोरर संतोष कुमार थे. प्राचार्या झूमा मेहता ने सभी प्रतिभागियों के सामान्य ज्ञान की प्रशंसा की.

मिथलेश सिंह की शव यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

महुदा (शुभम संदेश)। भाकपा माले के केंद्रीय समिति सदस्य व वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता मिथलेश सिंह के आकस्मिक निधन से पूरे कोयलांचल क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. शनिवार को दामोदर नदी के तट पर दो मिनट का मौन रखा गया. तत्पश्चात उन्हें मुखाग्नि दी गई. मिथलेश सिंह मासस के संस्थापक सदस्य, सीटू के प्रदेश अध्यक्ष और बीसीकेयू के केंद्रीय अध्यक्ष भी रहे. वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और इलाज के क्रम में शुक्रवार को रांची में उनका निधन हो गया. शवयात्रा में बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक और ट्रेड यूनियन से जुड़े लोग उपस्थित थे. प्रमुख रूप से राजधनवार के पूर्व विधायक राजकुमार यादव, भाकपा माले के पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो, दिलीप तिवारी, रहीम शेख, आर.डी. मांझी, राजेंद्र गोप, पच्चु राणा, बसंत कुमार, धनेश्वर तुरी, भुवनेश्वर बेदिया, शुभेन्दु सेन, कैशो सिंह यादव, उत्तम कुमार, हरी प्रसाद पप्पू समेत कई शामिल थे.

कांड्रा में रसोइयों को मिला प्रशिक्षण

महुदा (शुभम संदेश)। शनिवार को मध्य विद्यालय कांड्रा में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत विद्यालय रसोइया सह सहायिकाओं को संकुल स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सीआरपी बहादुर महतो एवं अभिजित भट्टाचार्य ने सहभागिता की. प्रशिक्षण के दौरान रसोइयों को स्वच्छता, पोषणयुक्त और गुणवत्ता युक्त भोजन की तैयारी, कचरा निपटान, पोषण वाटिका में हरी फसल उगाने, एप्रन का प्रयोग, व बच्चों को भोजन परोसने के पूर्व व पश्चात स्वच्छता बनाए रखने जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई. प्रशिक्षक बहादुर महतो ने विशेष रूप से कहा कि बच्चों का भोजन बनाने से पहले साबुन से हाथ धोना आवश्यक है. तत्पश्चात एप्रन पहनकर ही भोजन तैयार करें. पोषण वाटिका में उगाई गई हरी सब्जियों का उपयोग कर ताजा भोजन बनाएं और बच्चों को परोसें. भोजन से पहले बच्चों को हाथ धुलाना भी अत्यंत आवश्यक है. इस प्रशिक्षण सत्र में संकुल क्षेत्र के अंतर्गत कुल 19 विद्यालयों की रसोइया सहायिकाएं सम्मिलित हुईं. प्रशिक्षण में राधा देवी, मीना देवी, मुनेजा खातून, जात्रि देवी, समीमा खातून, शंकुतला देवी, विष्णी देवी, मुंगिया देवी, गुड़िया देवी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं.

महिला थाना प्रभारी से मारपीट, आरोपी गया जेल

शुभम संदेश। कसमार (बोकारो)

चास महिला थाना में पदस्थापित थाना प्रभारी सुनीला लिंडा के साथ कसमार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर में एक युवक ने मारपीट कर दी. महिला थाना प्रभारी लिंडा चास थाना में दर्ज एक मामले की जांच करने मधुकरपुर पहुंची थीं.

घटना का विवरण और पुलिस कार्रवाई

इस संदर्भ में चास महिला थाना प्रभारी ने कसमार थाना प्रभारी को आवेदन देते हुए बताया कि 8 जुलाई को आवेदिका रेखा देवी (पति मनसु महतो), ग्राम मधुकरपुर, थाना कसमार, जिला बोकारो ने चास महिला थाना में अपने पति और ससुराल वालों के विरुद्ध 10 महीने के दुधमुंहे बच्चे को छीनकर घर से निकालने के संबंध में एक आवेदन दिया था, जिस पर सनहा दर्ज किया गया था. दर्ज सनहा के आलोक में, 9 जुलाई को महिला थाना पुलिस पदाधिकारी सअनि रेखा कुमार, कसमार थाना के एसआई रंजन कुमार सिंह समेत पुलिस बल और आवेदिका रेखा देवी व उनके परिवार के साथ जाँच हेतु कसमार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर पहुँचे. आवेदिका के ससुराल में उसका पति मनसु कुमार महतो, ससुर शांति महतो और सास सुलोचना देवी मौजूद थे. इस दौरान मामले की पूछताछ के बाद जब आवेदिका अपने बच्चे को गोद में लेने के लिए मनसु कुमार महतो के पास गईं, तो मनसु कुमार महतो आवेदिका के साथ मारपीट करने लगे. जब चास महिला थाना प्रभारी सुनीला लिंडा और अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने बीच-बचाव किया, तो मनसु कुमार महतो ने महिला थाना प्रभारी के साथ मारपीट की. साथ ही, मनसु महतो की माँ सुलोचना देवी पुलिस बल के साथ गाली-गलौज करने लगीं. आवेदन में बताया गया है कि पुलिस पदाधिकारियों और जवानों द्वारा अपना बचाव किया गया, तो दोनों अभियुक्तों ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया. बाद में समझाने-बुझाने के बाद आवेदिका को उसका 10 महीने का बच्चा सुपुर्द कर दिया गया. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कसमार थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने केस दर्ज करते हुए त्वरित कार्रवाई की. महिला थाना प्रभारी के साथ मारपीट के आरोपी मनसु कुमार महतो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. इस संदर्भ में कसमार थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने कहा कि पुलिस शालीनता के साथ कार्य कर रही है, जनता उसका सहयोग करे. किसी भी परिस्थिति में कानून को हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.

दहेज प्रताड़ना का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ पुलिस ने शनिवार को दहेज प्रताड़ना के एक मामले के प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जानकारी के मुताबिक, थाना कांड संख्या 115/25, धारा 85, 109, 351, 352 बीएनएस एवं दहेज प्रथा प्रतिषेध अधिनियम एवं 66, 67 आईटी एक्ट के तहत नामजद किए गए आरोपी, थाना क्षेत्र के खरगडीहा निवासी स्व. कृष्णा साव के 30 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार साव को पुलिस ने गिरफ्तार कर गिरिडीह कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में गिरिडीह केंद्रीय कारा भेज दिया गया.

बाल संरक्षण पर मीडिया कार्यशाला

शुभम संदेश। दुमका

प्रवाह संस्था ने शनिवार को शिकारीपाड़ा प्रखंड सभागार में बाल संरक्षण में स्थानीय मीडिया की भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की. बीडीओ मोहम्मद एजाज आलम की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला का उद्देश्य बाल यौन शोषण और मानव तस्करी के जोखिमों को कम करने में मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था. बीडीओ आलम ने पत्रकारों से बच्चों की पहचान और गोपनीयता का ध्यान रखने का आग्रह किया, विशेष कर बाल यौन शोषण के मामलों में. उन्होंने पोक्सो अधिनियम-2012 और किशोर न्याय अधिनियम-2015 के तहत मीडिया के लिए निर्धारित नियमों पर प्रकाश डाला, जिसमें बच्चों की पहचान उजागर करने पर सजा का प्रावधान है. महिला प्रसार पदाधिकारी टेरेसा मुर्मू ने बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरुकता की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने मीडियाकर्मियों से अपील की कि वे देखभाल और संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों के मुद्दों सहित बाल अधिकार-आधारित रिपोर्टिंग में सक्रिय रहें ताकि कोई भी बच्चा पीछे न छूट पाए. प्रवाह संस्था के प्रेम कुमार ने विभिन्न अधिनियमों, जैसे पोक्सो और किशोर न्याय अधिनियमों के तहत बच्चों के अधिकारों और पहचान के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने मानव तस्करी से संबंधित कानूनों और मीडिया की भूमिका पर भी चर्चा की. वरिष्ठ पत्रकार सियाराम शरण सिंह ने संवेदनशील रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया, ताकि बाल अधिकारों की रक्षा के लिए भयमुक्त माहौल में काम किया जा सके. मौके पर कई स्थानीय पत्रकार और लोक सेवक मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

किसानों की सुविधा के लिए बनाया व्हाट्सएप ग्रुप

दुमका। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत सरसाजोल लैंपस लिमिटेड असना के प्रबंधक ताजमल अंसारी ने लैंपस से संबंधित सभी किसानों की सुविधा के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है. इस ग्रुप में खाद-बीज संबंधी जानकारियों के साथ-साथ अन्य सभी प्रकार की महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा की जा रही है. वर्तमान में लैंपस प्रबंधक द्वारा किसानों के बीच डीएपी और यूरिया खाद का वितरण किया जा रहा है. लैंपस से संबंधित किसान यहां से खाद प्राप्त कर सकते हैं. इस पहल से किसानों के बीच खुशी का माहौल है.

करंट लगने से चार मवेशियों की मौत

कसमार (बोकारो)। कसमार थाना क्षेत्र के पोंडा पंचायत के मोचरो गांव में शनिवार दोपहर बिजली के करंट की चपेट में आने से चार मवेशियों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, पशुपालक मालती देवी, प्रमीला देवी और सरिता देवी की गाय व बैल मोचरो स्थित बजरंग बली मंदिर के समीप ट्रांसफार्मर के सामने घास चर रहे थे. इसी दौरान, वहां मौजूद बिजली के तार की चपेट में आने से सभी मवेशियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. गौरतलब है कि दो दिन पहले भी इसी तार की चपेट में आकर पशुपालक मंगल रजवार के मवेशी की भी मौत हुई थी. घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय जिप सदस्य अमरदीप महाराज, पोंडा मुखिया हारु रजवार सहित अन्य लोगों ने पशुपालकों के घर पहुंचकर अधिकारियों को सूचित किया और पशुपालकों को क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलाने की मांग की. उन्होंने बिजली आपूर्ति करने वाली कंपनी को भी संबंधित लापरवाही को ठीक करने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों.

बोकारो चैंबर ने स्टेशन को दिया व्हीलचेयर

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने बोकारो रेलवे स्टेशन पर एक सादे समारोह में स्टेशन मास्टर अजय कुमार हलधर को एक व्हीलचेयर भेंट किया. चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि यह व्हीलचेयर बोकारो रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले बुजुर्गों, मरीजों और दिव्यांगों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई है. कार्यक्रम के संयोजक संजय बैद ने कहा कि रेलवे यात्रियों को उनकी शारीरिक स्थिति कैसी भी हो, स्वतंत्र रूप से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने में मदद मिल सके, इसी उद्देश्य से यह व्हीलचेयर प्रदान की गई है.

18 जुलाई को फिर चलेगा बुलडोजर

कसमार (बोकारो)। कसमार से बरलंगा वाया नेमरा सड़क निर्माण कार्य को लेकर प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है. विशेषकर, जमीन अधिग्रहण और मुआवजे का भुगतान लेने के बावजूद जब रैयत (भू स्वामी) अधिग्रहित भूमि से अपनी संरचनाएं नहीं हटा रहे हैं, तो प्रशासन ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है. बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ ने अब अंतिम नोटिस जारी करते हुए सभी रैयतों को स्वेच्छा से अपनी संरचना को हटाने का निर्देश दिया है और इसके लिए दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति भी कर दी है. उन्होंने आगामी 18 जुलाई को संरचनाओं को हटाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने हेतु पत्र निर्गत किया है. यह अभियान गर्री, मंजुरा और खुदीबेड़ा मौजा में अतिक्रमण के खिलाफ चलाया जाएगा, जिसका पत्र बेरमो एसडीएम ने जारी किया है. अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क निर्माण कार्य में कई रैयत भू-अर्जन विभाग से मुआवजा राशि प्राप्त कर लेने के बाद भी अपनी संरचनाओं को नहीं हटा रहे हैं.

वन भूमि घोटाले में सीआईडी की कार्रवाई, दो गिरफ्तार

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा स्थित करीब 100 एकड़ से अधिक वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री के मामले में सीआईडी ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मास्टरमाइंड अख्तर हुसैन और इजहार हुसैन को गिरफ्तार कर लिया.

बहु-स्तरीय जांच और ईडी की भूमिका

इस मामले में पहले ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) भी कार्रवाई कर चुकी है, जिसमें यह सामने आया था कि अख्तर और इजहार पर जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध खरीद-बिक्री में शामिल थे. डीजीपी ने दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि आगे की जांच जारी है. इस मामले की त्रिस्तरीय जांच की जा रही है, जिसमें सीआईडी और ईडी के अलावा सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से जमीन के मूल दस्तावेजों का रिकॉर्ड मांगा है.

दस्तावेजों में गड़बड़ी

पिछले दिनों इस जमीन घोटाले की जांच के लिए सीआईडी टीम बोकारो पहुँची थी. सीआईडी की टीम ने चास अंचलाधिकारी कार्यालय में बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार के साथ घंटों जमीन घोटाले से जुड़े कागजातों की छानबीन की थी. सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान वॉल्यूम 60 से लेकर 75 नंबर तक का पेज फटा हुआ पाया गया था, जिसमें 400 एकड़ रिहायशी जमीन का रिकॉर्ड था.

क्या है पूरा मामला?

बोकारो के तेतुलिया में 100 एकड़ से ज़्यादा वन भूमि को फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दिया गया. आरोप है कि इसमें भू-माफिया, अंचलकर्मी और बोकारो स्टील प्लांट के अफसरों की मिलीभगत है. यह वह जमीन है जिसे बोकारो स्टील प्लांट द्वारा वन विभाग को वापस लौटाया गया था. झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस जमीन घोटाला मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई थी. सीआईडी ने बोकारो के सेक्टर 12 थाना में दर्ज कांड संख्या 32/2024 को टेकओवर कर जांच शुरू कर दी है. वन विभाग की जमीन को माफिया द्वारा बेचे जाने का मामला सामने आने के बाद बोकारो वन प्रमंडल के प्रभारी वनपाल सह वनरक्षक रुद्र प्रताप सिंह ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. जांच में सामने आया कि अधिकारियों और भू-माफियाओं ने मिलकर 100 एकड़ से अधिक जमीन फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दी.

वर्षों से लंबित जमीन विवाद में गीता देवी को मिला न्याय

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ थाना क्षेत्र के पत्थराटांड़ गांव में ऑपरेशन दखल दहानी के तहत पुलिस प्रशासन ने गीता देवी को उनकी जमीन का कब्जा दिलाया. यह कार्रवाई जमुआ सीओ संजय पाण्डेय की अगुवाई में हुई. मौके पर सीआई प्रशांत कुमार, राजस्व उप निरीक्षक जितेंद्र अचल, थाना प्रभारी मणिकांत कुमार, सिविल कोर्ट के नाज़िर अजीत कुमार और स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे.

सीओ संजय पाण्डेय ने बताया कि मौजा पत्थराटांड़ के खाता नंबर 22, प्लॉट नंबर 734, रकबा 8 डी की जमीन को लेकर न्यायालय से आदेश मिला था. आदेश के अनुसार, गीता देवी वगैरह बनाम राजू साव वगैरह मामले में गीता देवी को दखल दहानी (कब्ज़ा दिलाने) का हक दिया गया था. उसी आदेश के तहत गीता देवी को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया गया.

सिविल सर्जन ने किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण

साहिबगंज (शुभम संदेश)। सिविल सर्जन, साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान ने शनिवार को सदर अस्पताल के पेइंग वार्ड, लेबर रूम, डॉक्टर ओपीडी, रोगी रजिस्ट्रेशन और दवा वितरण खिड़की का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान, सिविल सर्जन ने पेइंग वार्ड और उसकी साफ-सफाई देखकर अपने सफाई कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि नाली और कमरे दोपहर 2 बजे तक साफ हो जाने चाहिए. उन्होंने सदर अस्पताल में डीएमएफटी फंड से चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया. डॉक्टर ओपीडी रूम का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अपने कर्मचारी को निर्देश दिया कि सोमवार से जनरल ओपीडी डॉक्टर रूम में हड्डी विशेषज्ञ का बोर्ड लगाकर डॉक्टर बैठाया जाए. निरीक्षण के दौरान उपकरणों की उपलब्धता, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण उपायों और स्टाफ की उपस्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई. डॉ. पासवान ने कहा कि जो लोग अवैध रूप से सदर अस्पताल के क्वार्टर में रह रहे हैं, उन सभी क्वार्टरों की लिस्ट जल्द से जल्द उपलब्ध करवाई जाए. उन्होंने डीएस (अधीक्षक) को निर्देश दिया कि सरकारी क्वार्टर में रह रहे लोगों को नोटिस देकर खाली करने को कहा जाए. यदि वे क्वार्टर खाली नहीं करते हैं, तो ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया जाए. सिविल सर्जन ने एक-एक कमरे में जाकर निरीक्षण किया. मौके पर डॉ. मुकेश कुमार, मैनेजर अमन पांडे, जय राम यादव, क्लर्क सतार और अन्य लोग मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

वाहन जांच के दौरान अवैध विदेशी शराब जब्त

गांडेय (शुभम संदेश)। ताराटांड़ थाने की पुलिस ने बीते रात्रि वाहन जांच अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब को जब्त किया गया. पुलिस अधीक्षक गिरिडीह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ सदर जीतवाहन के नेतृत्व में एक टीम गठित कर ताराटांड़ थाना गेट के पास विशेष वाहन जांच लगाया गया. वाहन जांच के क्रम में शुक्रवार रात्रि करीब नौ बजे धनबाद की ओर से आ रही एक लाल रंग इंजन की ट्रेक्टर के साथ हरा रंग के सेप्टिक टैंक को जांच के लिए रोका गया लेकिन वाहन के चालक के द्वारा वाहन नहीं रोका गया और भागने का प्रयास किया, जिसे वाहन जांच में शामिल पुलिस बल द्वारा रोका गया और जांच किया गया. जांच के क्रम में पाया गया कि ट्रेक्टर के सेफ्टी टैंक में भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब लदा हुआ है. जिसमें करीब 93 पेटी हरा प्लास्टिक से बंधा हुआ 2112 बोतल इंपीरियल ब्लू की अवैध विदेशी शराब जब्त किया गया. जिसका अनुमानित मूल्य करीब पांच लाख रुपया बताया गया है. साथ ही साथ ट्रेक्टर चालक गोपाल पासवान, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता ब्रह्मदेव पासवान, बिहार के खगड़िया जिला के थाना मुफ्फसिल के सकिन ननकू मंडल टोला को गिरफ्तार किया गया. शनिवार को ताराटांड़ थाना परिसर में प्रेस वार्ता कर उक्त जानकारी पुलिस उपाधीक्षक सह गांडेय अंचल निरीक्षक कमाल खान ने दी. बताया कि अवैध शराब को धनबाद से बिहार के खगड़िया जिला ले जा रहे थे. उक्त मामले को लेकर गिरफ्तार चालक से पूछताछ किया जा रहा है. गठित टीम में शामिल थाना प्रभारी सुशांत कु चिरंजीवी, अहिल्यापुर थाना प्रभारी गुलाम गौस हुस्समी, पुअनि आनंद मसीह हेरेंज, अमरजीत कुमार, एसआई सुनील टोपनो सहित आरक्षी जितेंद्र मेहता, तुलसी प्रसाद शामिल थे.

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण अंतिम दिन संपन्न

डुमरी (शुभम संदेश)। डुमरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रखंड डुमरी में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए शनिवार को अंतिम दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया गया. इस सत्र में मतदान केंद्र संख्या 151 से 199 तक के सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और सुपरवाइजर उपस्थित हुए. प्रशिक्षण के दौरान, पीपीटी (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से गणना प्रपत्र, नजरी नक्शा में मतदाताओं को टैग करना, पता एवं भवनों का मानकीकरण और प्रपत्र 6, 7 एवं 8 के साथ लगने वाले दस्तावेज तथा घोषणा पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. विशेष रूप से वर्ष 2003 के वोटर लिस्ट में अंकित मतदाताओं से किसी भी प्रकार का दस्तावेज न लेने पर जोर दिया गया. वहीं, जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 के बाद पंजीकृत किया गया है, वैसी स्थिति में आवेदक का एक दस्तावेज और उनके माता-पिता में से किसी एक का प्रमाण देना होगा, यह भी समझाया गया. प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर इंद्रजीत महतो, सुजीत कुमार पाठक और अमित कुमार सिन्हा द्वारा दिया गया. प्रशिक्षण के उपरांत, बीएलओ द्वारा रोल प्ले (अभिनय) भी करवाया गया.

ओवरलोड हाइवा सड़क पर बने गड्ढे में फंसा

गोड्डा (शुभम संदेश)। हनवारा चेकपोस्ट के ठीक सामने एक ओवरलोड हाइवा ट्रक सड़क पर बने गड्ढे में फंस गया, जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है. इस घटना से ग्रामीणों में रोष है, और वे सवाल उठा रहे हैं कि इस सिंगल सड़क से ओवरलोड हाइवा को क्यों गुजरने दिया गया. ग्रामीणों का आरोप है कि चेकपोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से अवैध रूप से गिट्टी और बालू लदे वाहनों को सीमावर्ती क्षेत्र बिहार भेजा जाता है. उनका कहना है कि इस अवैध वसूली का खेल लंबे समय से चल रहा है. यह ग्रामीण सड़क पहले से ही कमजोर और जगह-जगह धँसने के कारण जर्जर हो चुकी है, ऐसे में इस पर भारी वाहनों का परिचालन कैसे किया जा रहा है? हर रोज सैकड़ों ओवरलोड हाइवा यहाँ से गुजरते हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती.

सांसद ने जन संवाद में सुनीं 203 शिकायतें

बोकारो (शुभम संदेश)। पूर्व घोषित जन संवाद कार्यक्रम के तहत धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने शनिवार को बोकारो स्थित सेक्टर 1 स्थित अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया. सुबह 10 बजे से ही बोकारो और चंदनकियारी क्षेत्र के सैकड़ों लोग विभिन्न समस्याओं को लेकर सांसद आवास पहुँचे. सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र के लगभग 203 लोगों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं को सुना और उनमें से कुछ का मौके पर ही समाधान किया. जिन समस्याओं का तत्काल निवारण किया गया, उनमें बोकारो स्टील प्लांट के ठीकेदारों से जुड़े 'कट मनी' के संबंध में शिकायतें भी शामिल थीं, जिस पर सांसद ने प्लांट के वरीय अधिकारियों से बात कर समाधान का निर्देश दिया. उन्होंने रोजगार, जमीन विवाद, शिक्षा, स्वास्थ्य, चास नगर निगम से संबंधित शिकायतें और अन्य प्रशासनिक शिकायतों पर भी तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं का निदान करने का निर्देश दिया. जनता दरबार में आए लोगों ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब जनता का प्रतिनिधि संवेदनशील होता है तो समस्याओं का समाधान निश्चित रूप से होता है. इस जनता दरबार में सभी विभागों के सांसद प्रतिनिधि भी मौजूद थे. मौके पर अम्बिका ख्वास, कृष्ण कुमार मुन्ना, वीरभद्र सिंह, मुकेश राय सहित सभी मंडल के अध्यक्षगण और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हूल दिवस पर विधि-व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में 3 गिरफ्तार

शुभम संदेश। साहिबगंज

30 जून को सिदो-कान्हू की जन्मस्थली बरहेट के भोगनाडीह में प्रशासनिक कार्यक्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बिगाड़ने के मामले में पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. शनिवार को पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में बरहेट थाना में कांड संख्या 103/25 दर्ज किया गया था. अनुसंधान के दौरान, बरहेट थाना क्षेत्र के तलबड़िया ग्राम प्रधान बेटका मुर्मू, बोरियो थाना क्षेत्र के पथरा ग्राम प्रधान नरसिंह मरांडी और गोड्डा जिले के बोआरीजोर निवासी चुनाराम बेसरा को गिरफ्तार किया गया है. इन पर भीड़ को उकसाने और नेतृत्व करने का आरोप था. छापेमारी दल में बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

मेडिकेंट अस्पताल में सबीना किस्कू की मौत का मामला

क्या डॉक्टरों की लापरवाही से कटी आंत?

रजत नाथ

बोकारो। सेक्टर बारह एफ, बियाडा कॉलोनी, एनएच हाईवे 23 पर स्थित मेडिकेंट सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल, जो विश्व स्तरीय सुविधाएं देने का दावा करता है, वहाँ पथरी जैसे मामूली ऑपरेशन में शुक्रवार को मरीज सबीना किस्कू की मौत ने अस्पताल के दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है. यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या कैंसर जैसी जटिल बीमारियों के इलाज में मरीज यहां महफूज होगा और उसके इलाज की कितनी गारंटी है?

टेस्ट रिपोर्ट की अनदेखी का आरोप

सबीना किस्कू के मामले में आरोप है कि यदि मरीज की टेस्ट रिपोर्ट का डॉक्टरों ने ठीक से अध्ययन किया होता, तो आंत नहीं कटती और न ही मरीज की मौत होती. पथरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर कई तरह के टेस्ट करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीज सर्जरी के लिए सुरक्षित है और पथरी को सफलतापूर्वक हटाया जा सके. इन टेस्टों में आमतौर पर ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट और इमेजिंग टेस्ट शामिल होते हैं. एक्स-रे जैसे इमेजिंग टेस्ट गुर्दे और मूत्रवाहिनी में पथरी की उपस्थिति, आकार और स्थान का पता लगाने के लिए किए जाते हैं. प्री-ऑपरेशन टेस्ट में इस बात की जानकारी भी की जाती है कि किडनी और आंत के बीच क्या दूरी है, जिससे ऑपरेशन करने में सावधानी बरती जा सके. मृतक के परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन टीम और डॉक्टर प्रवीण पुष्कर ने इस बिंदु पर लापरवाही बरती, जिससे मरीज की मौत हो गई.

ऑपरेशन के दौरान कटी आंत, डॉक्टर ने बताया दुर्लभ मामला

ज्ञात हो कि मेडिकेंट सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल में शुक्रवार को पथरी का ऑपरेशन कराने आई महिला मरीज सबीना किस्कू की मौत हो गई. उनकी मौत डॉक्टर द्वारा पथरी के ऑपरेशन के दौरान आंत कट जाने के कारण हुई. हालांकि, अस्पताल ने उन्हें बचाने के लिए तीन दिनों तक आईसीयू में भर्ती रखकर ठीक करने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी.

मौत के बाद मरीज के पति प्रभात सोरेन ने अस्पताल के डॉक्टर प्रवीण पुष्कर पर लापरवाही का आरोप लगाया था. डॉ. प्रवीण पुष्कर ने अपनी सफाई में कहा कि किडनी और आंत आपस में सटी होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई. उन्होंने कहा कि ऐसा केस दुर्लभ (रेयर) होता है जब आंत और किडनी सटी हो और इसी के कारण किडनी से स्टोन निकालने के क्रम में आंत में कट लग गया.

विधायक प्रदीप यादव ने किया श्रावणी मेला शिविर का उद्घाटन

शुभम संदेश। पोड़ैयाहाट

पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने शुक्रवार देर रात श्रावणी मेला 2025 के अंतर्गत हंसडीहा में निर्मित टेंट सिटी सह प्रशासनिक शिविर का मयूराक्षी कला मंच परिसर में फीता काटकर उद्घाटन किया. कार्यक्रम की शुरुआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई.

विधायक ने की भक्ति और सेवा की प्रशंसा

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप यादव ने गर्व व्यक्त किया कि वह लगातार 28वीं बार इस शिविर का उद्घाटन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला आपसी प्रेम और समर्पण का प्रतीक है, जहाँ लोग जाति-धर्म से ऊपर उठकर एक-दूसरे की सेवा करते हैं. उन्होंने विशेष रूप से शनिवार और रविवार को स्थानीय लोगों द्वारा टोली बनाकर डाक कांवरियों की सेवा करने की सराहना की. विधायक ने यह भी कहा कि यह मेला कई परिवारों के लिए आजीविका का स्रोत है. उन्होंने श्रीकालहस्ती मंदिर के भक्त कनप्पा की भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान शिव की भक्ति में समर्पण की कोई सीमा नहीं होती. उन्होंने इस धार्मिक माहौल में राजनीति के लिए कोई जगह न होने पर भी ज़ोर दिया.

जिला प्रशासन की तैयारी और नई पहल

इस अवसर पर डीडीसी अनिकेत सचान ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा कांवरियों को हर संभव सुविधा प्रदान की जा रही है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष पहली बार खोया-पाया केंद्र में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे सेवा में और गति आएगी. हंसडीहा में 300 बेड की टेंट सिटी बनाई गई है, जिसमें पेयजल, शौचालय और मोबाइल चार्जिंग जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ हैं. टेंट सिटी में 24 घंटे कार्यरत एक अस्थाई अस्पताल भी बनाया गया है, जिसमें पांच ऑक्सीजन युक्त बेड और चिकित्सक मौजूद रहेंगे. सांस्कृतिक मंच पर मयूराक्षी कला मंच द्वारा प्रतिदिन भक्ति गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे कांवरियों को मानसिक शांति और आनंद मिल सकेगा. श्रावणी मेला के इस उद्घाटन अवसर पर जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों का संयुक्त प्रयास सराहनीय रहा, जो श्रद्धालुओं की सेवा में पूरी निष्ठा से जुटे हैं. इस अवसर पर डीडीसी अनिकेत सचान, उप निदेशक जनसंपर्क रोहित कंडुलना, बीडीओ महेश्वरी प्रसाद यादव, सर्कल इंस्पेक्टर विशुनदेव पासवान, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रभा रानी प्रसाद और थाना प्रभारी प्रकाश सिंह सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे.

गोड्डा से जसीडीह के लिए सावन मेला स्पेशल ट्रेन शुरू

गोड्डा। श्रावणी मेला 2025 को देखते हुए गोड्डा और जसीडीह के बीच (वाया देवघर) मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू कर दिया गया है. रेलवे के आदेश के अनुसार, सावन मास के पहले दिन, 11 जुलाई से लेकर अंतिम तिथि 9 अगस्त तक, गोड्डा और जसीडीह के बीच एक विशेष मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन (संख्या 03149/03150) चलेगी. यह ट्रेन श्रावणी मेला के दौरान प्रतिदिन एक फेरा लगाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण के लिए आसान और किफायती यात्रा मिलेगी. हालांकि, पहले दिन यह ट्रेन निर्धारित समय से करीब सौ मिनट देरी से गोड्डा पहुंची.

ट्रेन का समय और मार्ग

रेल प्रशासन के मुताबिक, यह विशेष ट्रेन प्रतिदिन जसीडीह से दोपहर 1:00 बजे खुलेगी, जो देवघर, मोहनपुर, हंसडीहा, पोड़ैयाहाट होते हुए शाम 2:50 बजे गोड्डा पहुंचेगी. इसके बाद, गोड्डा से दोपहर 3:00 बजे छूटेगी और उसी मार्ग से होते हुए शाम 5:05 बजे जसीडीह पहुंचेगी. हर साल सावन महीने में गोड्डा सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु बाबा का जलार्पण करने देवघर पहुंचते हैं. ऐसे में यह स्पेशल ट्रेन श्रद्धालुओं के लिए काफी फायदेमंद होगी.

वर्तमान में दो ट्रेनें हैं संचालित

अभी गोड्डा से देवघर के लिए दो ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है. दोपहर 1:15 बजे चलने वाली पैसेंजर स्पेशल और शाम 5:00 बजे चलने वाली गोड्डा-दुमका-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस. सावन मास में भीड़ को देखते हुए मेमू स्पेशल ट्रेन के संचालन से श्रद्धालुओं को और सुविधा मिलेगी.

ब्रीफ खबरें

हीरापुर में आज 3 घंटे ठप रहेगी बिजली आपूर्ति

धनबाद। हीरापुर क्षेत्र में रविवार को तीन घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहेगी. हीरापुर पीएसएस से जुड़े सभी 11 केवी फीडरों का रखरखाव कार्य के लिए रविवार को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक शटडाउन रहेगा. प्रभावित क्षेत्रों में भिस्तीपारा, ज्ञान मुखर्जी रोड, हरिमंदिर रोड, हीरापुर हटिया, पुलिस लाइन, डीएस कॉलोनी, झारखंड मैदान, जर्नापारा, मास्टरपारा, आदर्श नगर, मदा कॉलोनी, प्रोफेसर कॉलोनी, बेकरबंद, एलसी रोड, मनोरम नगर आदि शामिल हैं.

तालाब में डूबने से मौत

लोयाबाद (कतरास)। केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के गडेरिया पुरनाबाद तलाब में 55 वर्षीय व्यक्ति के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. शनिवार की सुबह स्थानीय लोग तालाब की ओर गए थे तो तालाब में शव पानी के उपर छपलाया हुआ था, ग्रामीणों ने तुरन्त इसकी सूचना केन्दुआडीह थाना को दी. जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि वह गोपालीचक दो नम्बर के रहने वाला है और मछली पकड़ने का काम करता था.

बारिश से जर्जर क्वार्टर हो गये भयावह खतरे में बीसीसीएलकर्मियों की जान

- कागजों पर मरम्मत की लीपापोती
- प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

शुभम संदेश। धनबाद

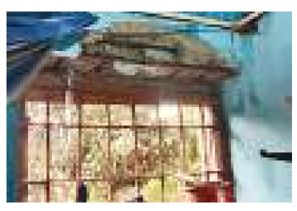

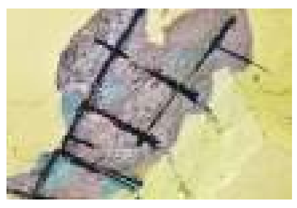

पिछले कई दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है. इस बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव और घरों में पानी रिसाव की समस्या सामने आ रही है. ऐसे में बीसीसीएल के जगजीवन नगर स्थित पुराने 'ए टाइप' क्वार्टरों में रहने वाले कर्मचारी और उनके परिवार दहशत के माहौल में जीने को मजबूर हैं. इन क्वार्टरों की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है.

प्रबंधन को बड़े हादसे का इंतजार! : सरायढेला सेंट्रल अस्पताल में कार्यरत कर्मी लाल बाबू ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से जर्जर क्वार्टर में परिवार समेत रह रहे हैं. उन्होंने बार-बार प्रबंधन को इसकी जानकारी दी और लिखित शिकायत भी की, लेकिन सिर्फ बाहरी रंग-रोगन कर मामले को नज़रअंदाज़ कर दिया गया. अंदर से दीवारें टूट रही हैं, सीलन फैली है और छत से लगातार मलबा गिर रहा है. दुखी होकर कहा कि शायद प्रबंधन को हमारे मरने का इंतजार है. मेरी मौत के बाद यही अधिकारी मिट्टी देने आएंगे. कर्मचारियों का कहना है कि छत से पानी टपकने के कारण पंखा, टीवी, मिक्सी जैसे बिजली उपकरणों में करंट फैल रहा है. घरों में बिजली के तारों तक पानी पहुंच रहा है, जिससे किसी दिन बिजली का बड़ा हादसा हो सकता है.

प्रबंधन की चुप्पी चिंता का विषय

कर्मचारियों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों और चेतावनियों के बावजूद बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. क्वार्टरों की मरम्मत केवल कागज़ों पर हो रही है, जबकि असल में हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है. मरम्मत कार्य नहीं शुरू किया गया, तो किसी अनहोनी की पूरी जिम्मेदारी बीसीसीएल प्रबंधन की होगी.

छत से लगातार मलबा गिर रहा है. पानी के रिसाव से घर में इस्तेमाल होने वाले उपकरण खराब हो चुके हैं. कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई. हम बार-बार गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिल रहा है.

गुलशन निशा, क्वार्टर नंबर ए-37

कुछ दिन पहले रसोई में खाना बनाते वक्त छत का मलबा गिरा, जिससे उनके सर और पैर में चोट आई. पूरे क्वार्टर की हालत ऐसी है, कोई भी हिस्सा गिर सकता है. अगर समय पर मरम्मत नहीं हुई तो जान जाने की नौबत आ सकती है.

आशा देवी, क्वार्टर नं ए-38

पशुओं से क्रूरता के खिलाफ नगर आयुक्त से शिकायत

- नालंदा कॉटेज की रहने वाली पशुप्रेमी प्रिया सिंह ने की कड़ी कार्रवाई की मांग
- पशु क्रूरता पर पूर्व में भी पुलिस के वरीय पदाधिकारियों से कर चुकी हैं शिकायत

शुभम संदेश। धनबाद

नालंदा कॉटेज मेमको मोड़ की रहने वाली पशुप्रेमी प्रिया सिंह ने धनबाद नगर आयुक्त को पत्र देकर नालंदा कॉटेज के ही रहने वाले उमेश गुप्ता के खिलाफ पशु से क्रुरता करने की शिकायत की है. बताया है कि वो कई सालों से नालंदा कॉटेज में परिवार के साथ रहती आ रही हैं. उमेश गुप्ता कॉटेज में आने जाने वाले अवारा पशुओं खासकर बेजुबान कुत्तों के साथ क्रूरता पूर्वक व्यवहार करते हैं. पूर्व में भी उनके द्वारा उमेश गुप्ता के खिलाफ पुलिस के वरीय पदाधिकारियों को शिकायत की जा चुकी है. यहां तक कि पीट-पीट कर पशुओं को मार तक डाला गया था. जिसकी छानबीन जारी है. एक बार फिर यहां के कुत्तों को परेशान किया गया. नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया कि स्थानीय एक महिला के नाम पर नगर निगम में फोन कर कुत्ता पकड़ने वाले वाहन को बुलाया गया था और पशुओं को पकड़वा कर यहां से हटा दिया गया. जबकि उक्त महिला ने नगर निगम को फोन करने की बात से ही इंकार किया है. प्रिया सिंह का कहना है कि आवारा कुत्तों को जबरन हटाना कानूनी रूप से वर्जित है, यदि कुत्तों की नसबंदी की जानी है तो फिर बाद में उन्हें उसी क्षेत्र में छोड़ देने का भी नियम है. नगर आयुक्त से उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित विधिक कार्रवाई करने की मांग की है. साथ ही इन पशुओं के लिए चिकित्सकीय सहायता की भी मांग रखी है.

प्ले स्कूल की तरह बनाए जाएंगे आंगनबाड़ी केंद्र : डीसी

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने शनिवार को बाबुडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया. उपायुक्त ने कहा कि देश के सबसे उत्कृष्ट प्ले स्कूल की तरह जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को विकसित करने का जिला प्रशासन प्रयास कर रहा है. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है. यहां पढ़ने वाले बच्चे हमारे देश का भविष्य है. केंद्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार और अच्छी पढ़ाई देना, धातृ व गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ प्रदान करना, प्रशासन का उद्देश्य है. उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रशासन तीन चरणों में काम कर रहा है. पहले चरण में सेविका व सहायिका का प्रशिक्षण, दूसरे में आंगनबाड़ी केंद्र, सेविका व सहायिका का असेसमेंट तथा तीसरे चरण में सेंटर का मोडलीकरण शामिल है. इसके बाद उन्होंने केन्द्र की सेविका, सहायिका व पोषण सखी से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी के अलावा डीएमएफटी पीएमयू के सदस्य, सेविका, सहायिका, पोषण सखी व अन्य लोग उपस्थित थे.

पुलिस सभा में एसएसपी ने सुनी समस्याएं

धनबाद (शुभम संदेश)। शनिवार को पुलिस केंद्र धनबाद में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा पुलिस सभा का आयोजन किया गया. एसएसपी ने बारी-बारी से सभी संवर्ग के अधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को अपनी समस्याएं साझा करने को कहा. इस सभा में पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक समस्याओं एवं आवश्यकताओं को एसएपी द्वारा गंभीरता से सुना गया. तत्पश्चात् वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग की कार्यक्षमता और समन्वय को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समस्याओं और आवश्यकताओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया. पुलिस सभा के दौरान एसएसपी प्रभात कुमार, डीएसपी मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, प्रचारी प्रवर अवधेश कुमार समेत सैकड़ों की संख्या में पुलिस पदाधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित थे.

विश्व जनसंख्या दिवस पर सदर अस्पताल में स्वास्थ्य मेला

शुभम संदेश। धनबाद

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल, धनबाद में परिवार स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी. अपने संबोधन में शारदा सिंह ने जनसंख्या नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि हमारे देश और विश्व के लिए एक गंभीर चुनौती है. बढ़ती जनसंख्या के कारण संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है, जिससे पर्यावरण, स्वास्थ्य सेवाएँ और आर्थिक विकास प्रभावित हो रहे हैं. जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सतत विकास की दिशा में ठोस कदम उठाना आवश्यक है. इस अवसर पर परिवार कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया. श्रीमती सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और सेवा प्रदाताओं को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं. कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

पंचायत प्रतिनिधियों की उपेक्षा नहीं करेंगे बर्दाश्त : शारदा सिंह

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के उत्सव भवन में गांव की सरकार विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने की. बैठक का संचालन तोपचांची प्रमुख आनंद कुमार ने किया. इस बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी देखी गई. बैठक का मुख्य एजेंडा वित्तीय वर्ष 2024-25 की बकाया राशि के भुगतान पर चर्चा था. इसके अतिरिक्त, डीएमएफटी मद के तहत ग्राम सभा द्वारा लिए जा रहे निर्णयों में पंचायत प्रतिनिधियों की उपेक्षा के मुद्दे पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ. जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि 14 विभागों और 29 शक्तियों का पालन सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है. त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी. उनके अधिकारों की रक्षा मेरी प्राथमिकता है. उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों से केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया, ताकि पंचायती राज की गरिमा अक्षुण्ण रहे और विकास कार्यों में पंचायतों की भूमिका को नजरअंदाज न किया जाए. बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने एक स्वर में अपने अधिकारों और पंचायत व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव संघर्ष करने का संकल्प लिया. उन्होंने अपने क्षेत्र के विकास और जनहित की रक्षा के लिए निरंतर तत्पर रहने का वचन दिया.

आसनसोल

बदहाल सड़क पर धानरोपणी कर कांग्रेसियों ने जताया विरोध

शुभम संदेश। सीतारामपुर

नियामतपुर से डीसरगढ़ में बदहाल सड़कों को लेकर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस ने शुक्रवार को अनोखा और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया. यह सड़क नियामतपुर से सीधे पुलिया को जोड़ती इसे स्टेट हाईवे का दर्जा प्राप्त हैं परन्तु इसकी वर्तमान बदहाल अवस्था खेत नुमा हो गई हैं. सड़क पर गड्ढा है या गड्ढें में सड़क, बोलना मुश्किल हो गया हैं. प्रतिदिन दुर्घटनाएं आम हो गई हैं. उस जर्जर सड़क पर कांग्रेस द्वारा सड़क की मरम्मती की मांग पर विरोधन प्रदर्शन किया गया मार्ग पर गड्ढों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धान के पौध रोपण किया . विरोध की अगुवाई कर रहे कुल्टी ब्लॉक अध्यक्ष सुकांत दास ने कहा कि सड़क गड्ढे में हैं या गड्ढे सड़क पर बोलना मुश्किल है आए दिन दुर्घटना घट रही हैं. स्टेट हाईवे होने के कारण बड़ी बड़ी वाहन के साथ स्थानीय लोग अपनी जान जोखिम में डाल कर चलने पर मजबूर हैं. प्रशासन के आला अधिकारी सब देख कर भी चुप बैठी हैं. इसी सड़क पर ईसीएल और सेल आईएसपी की सड़कें है, जो जर्जर है. राज्य, जिला प्रशासन, आसनसोल नगर निगम कोई भी संज्ञान नहीं ले रहा है. जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई तो एक तीव्र आंदोलन किया जाएगा.

शहीद दिवस की सफलता के लिए टीएमसी की महारैली

शुभम संदेश। बर्नपुर

21 जुलाई शहीद दिवस की सभा को सफल बनाने को लेकर आसनसोल दक्षिण टाउन ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस द्वारा शनिवार की शाम ब्लॉक अध्यक्ष अनूप कुमार माझी के नेतृत्व में त्रिवेणी मोड़ से रैली का आयोजन किया गया. इस रैली में राज्य के मंत्री मलय घटक, उपमेयर अभिजीत घटक सैकड़ों तृणमूल कांग्रेस कर्मी, समर्थकों के साथ शामिल हुए. रैली के दौरान तृणमूल कर्मी, समर्थकों ने कोलकाता में आयोजित होने वाले 21जुलाई की सभा को सफल बनाने के लिए सभी को सभी शामिल होने का आह्वान करने के साथ भाजपा के विरोध में नारेबाजी की. रैली त्रिवेणी मोड़ से आरम्भ होकर स्टेशन रोड, बारी मैदान, हीरापुर थाना आदि क्षेत्रों की परिक्रमा कर बर्नपुर बस स्टैंड समीप आयोजित सभा में तब्दील हो गई. वहीं सभा को संबोधित करते हुए मंत्री मलय घटक ने कहा कि 21 जुलाई तृणमूल कांग्रेस के लिए खून से लिखा हुआ है. पूरे देश में कोई भी ऐसा राजनीतिक दल नहीं है जो शहीद कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस वृहद स्तर पर सभा का आयोजन करता हो. उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा जनहित योजनाओं का फंड रोके जाने के बावजूद जनता के विश्वास एवं प्यार से ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनी. वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार द्वारा 95 योजनाओं को चलाया जा रहा है. जिसका लाभ हर स्तर के लोगों को मिल रहा है. इस दौरान उन्होंने माकपा के साथ भाजपा पर भी निशाना साधा. वहीं अंत में उन्होंने सभी को कोलकाता में आयोजित होने वाली 21 जुलाई शहीद दिवस की सभा को सफल बनाने के लिए भरी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया. इस मौके पर तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष अनूप कुमार माझी, विभिन्न वार्डों के पार्षद, महिला, युवा, आईएनटीटीयूसी के नेता सहित सैकड़ों की संख्या में कर्मी, समर्थक शामिल थे.

न्यूज अपडेट

अवनीत कौर बनीं चिकित्सक, खुशी की लहर

रानीगंज (शुभम संदेश)। सिख समाज की होनहार छात्रा अवनीत कौर चाहल को एमबीबीएस की डिग्री मिलने पर पूरे सिख समाज में हर्ष का माहौल है. अवनीत ने कोलकाता स्थित जगन्नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की है. सिख समाज के प्रतिनिधि सरदार मंजीत सिंह ने बताया कि अवनीत का लक्ष्य एमडी कर उच्च शिक्षा हासिल करना है. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष सरदार दलजीत सिंह वाधवा ने घोषणा की कि अवनीत कौर को संस्था की ओर से सम्मानित किया जाएगा. अवनीत कौर ने कहा कि जो लोग आर्थिक अभाव के कारण इलाज नहीं करवा पाते, मैं उनका निःशुल्क उपचार करूँगी.

चितरंजन कारखाने के नरेंद्र सिंह बने मैन ऑफ द मंथ

रानीगंज (शुभम संदेश)। चितरंजन रेल इंजन कारखाने के सुरक्षा विभाग में कार्यरत नरेंद्र सिंह को उत्कृष्ट कार्य के लिए 'मैन ऑफ द मंथ' सम्मान से नवाजा गया है. उन्होंने चोरी के दो जटिल मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया और पूरी चोरी की गई संपत्ति बरामद की. उनकी इस उपलब्धि के लिए चितरंजन रेल इंजन कारखाना के महाप्रबंधक विजय कुमार ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. नरेंद्र सिंह की सफलता पर सिख समाज में हर्ष का माहौल है. परवलिया गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य जत्थेदार सरदार मलकीत सिंह ने उनकी सराहना करते हुए सम्मानित करने की बात कही.

रूपोकार प्रियदर्शी पुस्तक का लोकार्पण

सांकतोड़िया (शुभम संदेश)। शनिवार को अपराह्न 3:30 बजे आसनसोल जिला पुस्तकालय सम्मेलन हॉल में रूपोकार प्रियदर्शी नामक पुस्तक के लोकार्पण किया गया है. यह पुस्तक औद्योगिक क्षेत्र के प्रसिद्ध चित्रकार प्रियदर्शी बोस के जीवन और कलाकृतियों पर आधारित है. बोस ने स्वयं कार्यक्रम की अध्यक्षता की. प्रसिद्ध कलाकार, कला समीक्षक और साहित्यकार सुशोभन अधिकारी कार्यक्रम में रहें. मौके पर ज्योतिर्मय भट्टाचार्य (पाठ), शुभोदीप सरकार (गीत), शिल्पी चटर्जी (गीत), निर्देशक और अभिनेता सुमित बंद्योपाध्याय और कार्यक्रम में काकली भट्टाचार्य (गीत) उपस्थित थे.

श्री श्याम परिवार का कांवरिया जत्था सुल्तानगंज रवाना

बराकर (शुभम संदेश)। शहर के हाटतल्ला स्थित दुर्गा मंदिर परिसर से श्री श्याम परिवार के तत्वावधान में कांवरियों का जत्था शनिवार अपराह्न सुल्तानगंज हेतु ट्रक से रवाना हुआ. भक्तों ने माता दुर्गा के मंदिर में मत्था टेकने के बाद बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया. विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार और नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष मधुरकांत शर्मा ने शुभकामनाएं दी. श्री श्याम परिवार के अजय राजगढ़िया तथा सुभाष शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर कांवर के माध्यम से उठाकर 110 किलोमीटर की पैदल यात्रा की जाती है. सभी के परिवार तथा इलाके में सुख-शांति बनी रहे, इसके लिए भोलेनाथ से प्रार्थना करेंगे. कांवड़ियों में सुभाष शर्मा, अजय राजगढ़िया, किशन नियोगी, पप्पू शर्मा, गोरे मंडल, विकास सोनी, कुंदन वर्मा, अंकित शर्मा, विकास बर्मन, अविनाश साव, मिथुन रवानी, विजय भगत आदि शामिल हैं.

लॉयंस डीएवी पब्लिक स्कूल में वार्षिक सम्मान समारोह

रानीगंज (शुभम संदेश)। लायंस आरएलजेडीएम चनानी डीएवी पब्लिक स्कूल में वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. 2024-25 के 10वीं और 12वीं कक्षा के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकारियों, विषय पर 100% तथा 90% या उससे अधिक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया. उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वभारती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डॉ. निखिलेश चौधरी ने बच्चों और विद्यालय को शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्र के जाप के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया. एलएमसी के अध्यक्ष सपन लोयलका, स्कूल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के प्रेसिडेंट सुशील गनेड़ीवाला, प्राचार्या मंदिरा दे मुख्य रूप से उपस्थित थे.सर्वप्रथम डीएवी गान हुआ. सामूहिक गीत, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

रघुनाथपुर सुपर अस्पताल ने रोका 20 साल पुराने कर्मियों का वेतन

- विरोध में 26 अस्थायी कर्मचारी हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

शुभम संदेश। पुरुलिया

रघुनाथपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लगभग 26 अस्थायी कर्मचारी शनिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. इन कर्मचारियों का कहना है कि पिछले चार महीनों से उनका वेतन बकाया है और कई बार शिकायत के बावजूद उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है, कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. इन अस्थायी कर्मचारियों में वार्ड बॉय, आया, सफाईकर्मी और अन्य सहायक स्टाफ शामिल हैं, जो पिछले 15 से 20 वर्षों से इस अस्पताल में सेवा दे रहे हैं. उनका आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उनका वेतन रोक दिया गया, जिससे वे आर्थिक संकट में आ गए हैं. अब स्थिति यह हो गई है कि वे अपने परिवार का खर्च चलाने में भी असमर्थ हैं. हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने अस्पताल प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ज्ञापन देने और मौखिक शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई. उनका कहना है कि जब तक बकाया वेतन नहीं दिया जाता और भविष्य में नियमित वेतन सुनिश्चित करने की ठोस व्यवस्था नहीं की जाती, वे अपनी हड़ताल वापस नहीं लेंगे. हड़ताल की वजह से अस्पताल की सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं. मरीज़ों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर भर्ती वार्डों में जहां देखभाल और सफाई का काम ठप पड़ा है.

भारतीय मानवाधिकार संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंदों के बीच पाठ्यसामग्री वितरण

शुभम संदेश। पांडेश्वर

हरिपुर कोलियरी फुटबॉल मैदान स्थित भारतीय मानवाधिकार संगठन कार्यालय में स्थापना दिवस केक काट कर मनाया गया. मौके पर अतिथियों बहुला कोलियरी ग्रुप ऑफ मांईस के एजेंट राजीव सिन्हा, सुखबीर सिंह, जसविंदर घुम्मन, जसबीर सिंह, तरसेम सिंह, दयमय पात्रा, कलबीर सिंह को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. भारी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराए और चिकित्सकों से परामर्श लिए. वहीं 120 से अधिक जरूरतमंद स्कूली बच्चों को किताबें व पाठ्य सामग्री दी गयी. भारतीय मानवाधिकार के संस्थापक अध्यक्ष सोना सिंह ने संगठन का उद्देश्य बताया. जरूरतमंदों की सेवा करना, लोगों को उनका अधिकार दिलाना, पिछड़े लोगों को आगे लाना, गरीब-बेसहारा बच्चों को उच्च शिक्षा मिले, इसका प्रयास करना आदि है. मौके पर माइनॉरिटी चेयरमैन मिराज हुसैन, राज्य उपाध्यक्ष बापी मोदी, अध्यक्ष झंटू घोष, राज्य सचिव नसीम अंसारी, राज्य कमेटी के मुख्य सलाहकार गुरदीप सिंह, राज्य अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) संगीता लाला, मनिंदर सिंह, बिजय बनिक, रिया मंडल, रेखा सिल, राजा सिंह, रिजवान अंसारी, महेंद्र राजभर, शम्स आलम, रिंकी मंडल, श्रुति सेन, मनोज गोसाई, लता पासवान आदि संग अन्य मौजूद रहे.

लोकल ट्रेन में 'हनुमान' बना यात्री !

पुरुलिया (शुभम संदेश)।

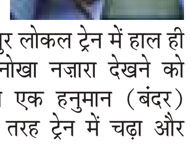

झारखंड के शिल्ली स्टेशन से रांची जा रही खड़गपुर लोकल ट्रेन में हाल ही में एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला, जब एक हनुमान (बंदर) इंसानों की तरह ट्रेन में चढ़ा और शांति से सफर करता रहा. वायरल वीडियो के मुताबिक, हनुमान न तो किसी को परेशान कर रहा था, न ही उतरा, बल्कि रांची स्टेशन तक धैर्यपूर्वक बैठा रहा. यह वीडियो कवि शिवराम कुमार ने बनाया और सोशल मीडिया पर साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया. स्थानीय लोगों के अनुसार यह हनुमान अक्सर ट्रेन से यात्रा करता है, संभवतः खाने या अपनी किसी नियमित दिनचर्या के तहत वह रांची तक सफर करता है. सोशल मीडिया पर लोग उसके अनुशासित व्यवहार की सराहना कर रहे हैं और इसे मानव और प्रकृति के बीच की अनकही समझ बता रहे हैं.

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर लें क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होंगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

होम साइंस में बनाएं आदर्श करियर

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं। गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशतः वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है। गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं। हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार भी प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते है कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

मंथन

विकास की मुख्यधारा से हर जिले को जोड़ने की कवायद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड कैबिनेट बैठक ने राज्य के समावेशी विकास को गति देने वाले कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी है. कुल 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों में बुनियादी ढांचा विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक सुरक्षा और सेवा प्रबंधन से जुड़े फैसले राज्य के भविष्य की दिशा तय करने वाले हैं. पुलिस थानों में दो व चार पहिया वाहनों की खरीद, संस्था निबंधन नियमावली का गठन, और सरकारी कर्मियों के लिए 6 फ़ीसदी महंगाई भत्ते की वृद्धि जैसे निर्णय प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुचारु और संवेदनशील बनाएंगे. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित सड़क परियोजनाएं न सिर्फ भौगोलिक दूरी कम करेंगी, बल्कि आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी मजबूती प्रदान करेंगी. मुख्यमंत्री की यह बात कि हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए₹ केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति का स्पष्ट संकेत है. राज्य के पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने के लिए इस प्रकार की योजनाओं और बजट प्रावधानों की निरंतरता आवश्यक है. साथ ही अनुपूरक बजट लाने की संभावना इस बात का संकेत है कि सरकार सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में लचीलेपन और तत्परता के साथ काम कर रही है. यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में इन निर्णयों पर ठोस चर्चा हो और जनता को इनका सीधा लाभ मिले. झारखंड यदि समान विकास का मॉडल बनना चाहता है, तो निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ज़ोर देना होगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने दूसरे कार्यकाल में लगातार जनोपयोगी नीतियां लागू करके विकास का ढांचा खड़ा कर रहे हैं।

नजरिया

सर्पदंश से मौतें: स्वास्थ्य ढांचे व जनजागरूकता की परीक्षा

पलामू जिले के चैनपुर क्षेत्र से आई सर्पदंश की दो घटनाएं अत्यंत पीड़ादायक हैं. एक ही रात में तीन लोगों की मौत और दो की गंभीर हालत न केवल एक दुखद त्रासदी है,बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जनस्वास्थ्य व्यवस्था की चुनौतियों को भी उजागर करती है. विधायक आलोक चौरसिया के नाती अर्जुन और देव की मौत और उनके दामाद की गंभीर स्थिति ने समाज को झकझोर दिया है. वहीं बासडीह गांव की शकुंतला की मौत और उनके पति की गंभीर स्थिति ने यह साबित कर दिया है कि संकट वर्ग या पद देखकर नहीं आता. इन घटनाओं में एक बात सामान्य है-सभी पीड़ित जमीन पर सो रहे थे और रात के समय जहरीले सांप ने उन्हें डसा. यह सीधे तौर पर ग्रामीण जीवन की मजबूरियों और जागरूकता की कमी को दर्शाता है. गर्मी और वर्षा के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं आम होती हैं, लेकिन आज भी गांवों में न तो बचाव उपायों की जानकारी है और न ही समय पर इलाज की व्यवस्था. ऐसी घटनाएं यह सोचने को मजबूर करती हैं कि क्या ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और आपातकालीन सेवाएं पर्याप्त हैं? रिम्स जैसे बड़े अस्पतालों तक पहुंचने से पहले ही अगर रास्ते में जान चली जाए, तो यह चिकित्सा व्यवस्था की असफलता का संकेत है. सरकार स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए, प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करे और गांवों में सुरक्षित रहने की जानकारियां पहुंचाए. सर्पदंश से होने वाली मौतें रोकी जा सकती हैं, बशर्ते हम सजग हों और व्यवस्था जिम्मेदार.

हर एक स्पर्श व दृष्टि में है जीवन का भावार्थ

डॉ मयंक मुरारी

जीवन की यात्रा में हम उसका अर्थ खोजते हैं. हम सदैव कुछ ऐसा चाहते हैं जो हमें जीने का उद्देश्य दे. और, जीवित रहने का एक कारण हो. एक ही इच्छा होती है कि मृत्यु के पूर्व यह अनुभूति न हो कि सब व्यर्थ गया. जीवन बर्बाद हो गया. तब प्रश्न उठता है कि हम इसका अर्थ कैसे पाएं? जीवन का अर्थ हमसे कहीं भी छिपा नहीं है. यह हर उस चीज में है, जिसे हम छूते हैं, देखते हैं और गुजर जाते हैं. जीवन का अर्थ ठीक उस कस्तूरी मृग की भांति है. हम पूरी दुनिया में अर्थरूपी अमृत कलश को खोजते हैं, जबकि हम अपने भीतर के स्त्रोत की खोज ही नहीं करते हैं. हरमन हेस अपने उपन्यास "सिद्धार्थ" में कहते है कि- क्या सभी झरनों का प्राचीन स्रोत उसके अपने हृदय में नहीं बहता था? यही वह था जिसे खोजना था, अपने ही अस्तित्व के भीतर स्रोत. हमें बस इसको ही अपना बनाना था. बाकी सब खोज, चक्कर और उलझन बेकार की बात है.जीवन में खुशी की खोज भोग या इच्छा के साथ सही नहीं है. यही हमको उलझाा देता है. जब हम किसी चीज को बहुत अधिक उत्सुकता के साथ खोजने लगते है तो हम उसमें पूरी तरह विलीन हो जाते हैं.

जीवन का अर्थ हमसे कहीं भी छिपा नहीं है. बस यह कस्तूरी मृग की तरह है.

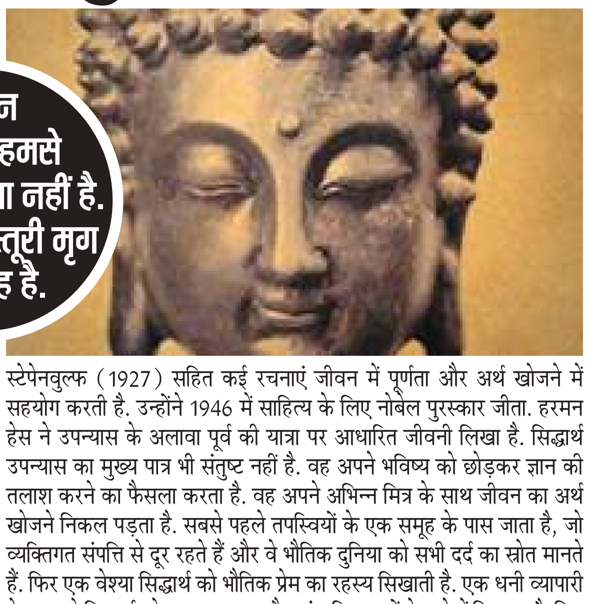

हरमन हेस अपने उपन्यास में कहते हैं कि जीवन का अर्थ खोजना उत्तर नहीं है, जीवन जीना, शांति और करुणा के साथ जीना ही सही पथ है. सिद्धार्थ का मुख्य पात्र जीवन का अर्थ खोजने के लिए आम आदमी की दुनिया में प्रवेश करता है. वह उनके सुख में लिप्त होता है, प्रेमी बनता है, संपत्ति अर्जित करता है. इससे एक आसक्ति बनती है और अंततः वह नौकर, धन और पदार्थ का बड़ा घर बनाता है जहां सुख की अनुभूति शून्य है. वह सीखता है कि ये बातें उथली और क्षणभंगुर है. इन चीजों से हमारी आत्मा के भीतर स्थायी खुशी की भावना नहीं आती है. हरएक व्यक्ति पूरी संभावना के साथ जन्म लेता है. कोई जन्म से पूर्ण नहीं होता है. वह क्या बनना या प्राप्त करन चाहता है, उसके भीतर ही छिपा होता है. यह भीतर से आता है, अतएव विकास उस भीतर की चीज चेतना की प्रगति से करनी होगी. जब कोई व्यक्ति आत्मसिद्ध होता है, वह चरम अनुभवों को प्राप्त करता है. फिर उसे किसी चीज की मांग नहीं रहती, कोई इच्छा नहीं, कोई आकांक्षा नहीं. वह जो है, उसमें पूर्णतया संतुष्ट होता है.जर्मन में जन्मे स्विस लेखक हरमन हेस की सिद्धार्थ (1922) और स्टेपेनवुल्फ (1927) सहित कई रचनाएं जीवन में पूर्णता और अर्थ खोजने में सहयोग करती है. उन्होंने 1946 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार जीता. हरमन हेस ने उपन्यास के अलावा पूर्व की यात्रा पर आधारित जीवनी लिखा है. सिद्धार्थ उपन्यास का मुख्य पात्र भी संतुष्ट नहीं है. वह अपने भविष्य को छोड़कर ज्ञान की तलाश करने का फैसला करता है. वह अपने अभिन्न मित्र के साथ जीवन का अर्थ खोजने निकल पड़ता है. सबसे पहले तपस्वियों के एक समूह के पास जाता है, जो व्यक्तिगत संपत्ति से दूर रहते हैं और वे भौतिक दुनिया को सभी दर्द का स्रोत मानते हैं. फिर एक वेश्या सिद्धार्थ को भौतिक प्रेम का रहस्य सिखाती है. एक धनी व्यापारी के पास जो सिद्धार्थ को लाभ, व्यापार और सांसारिक सुखों के बारे में सिखाता है. फिर एक भोगवादी जीवन की ओर जिसमें सिद्धार्थ खाता है, पीता है, जुआ खेलता है और बहुत ही पापपूर्ण तरीके से कई यौन इच्छाओं में लिप्त रहता है. अंत में, एक तपस्वी जीवन में वापस, लेकिन एक ऐसा जीवन जो दुनिया और उसमें मौजूद हर चीज को विशेष और अद्वितीय मानता है. अपनी यात्रा के विभिन्न चरणों के दौरान, सिद्धार्थ को हर उस व्यक्ति में कुछ मूल्यवान चीज मिलती है जिसके साथ वह बातचीत करता है और प्रत्येक चरण उसे उसके अंतिम लक्ष्य के करीब ले जाता है.

सुंदर और गहन रूप से विचारोत्तेजक लेखन के माध्यम से, हेस ने पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक मूल्य को प्रदर्शित किया है. ब्रह्मांड में योगदान देने के लिए हर किसी के पास कुछ खास है.मेरा हमेशा से यह विश्वास रहा है, कि चाहे हमारे जीवन में कोई भी अच्छी या बुरी परिस्थिति आए, हम उसे अर्थ दे सकते हैं, तथा उसे मूल्यवान वस्तु में बदल सकते हैं. लेकिन ऐसा नहीं होता है. इसका कारण यह है कि मेरा वास्तविक स्वरूप कहीं और, बहुत दूर, अदृश्य रूप से भटकता रहता है और उसका मेरे जीवन से कोई लेना-देना नहीं है, जबकि हम वास्तविक रूप में कहीं और ही होते हैं. उपन्यास में सिद्धार्थ कहता है कि कोई व्यक्ति खोज रहा होता है, तो यह बहुत आसानी से होता है कि वह केवल वही चीज देखता है जिसे वह खोज रहा होता है. ऐसा होने पर वह कुछ भी पाने में असमर्थ होता है, कुछ भी आत्मसात करने में असमर्थ होता है, क्योंकि वह केवल उस चीज के बारे में सोच रहा होता है जिसे वह खोज रहा होता है, क्योंकि उसके पास एक लक्ष्य होता है.

एक सच्चा साधक, जो वास्तव में खोजना चाहता है, वह किसी भी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता. लेकिन जिस व्यक्ति ने वह पा लिया है, जिसे खोजना चाहता था, ऐसा व्यक्ति हर सिद्धांत, हर मार्ग, हर लक्ष्य को स्वीकार कर सकता है.

ज्यादातर लोग गिरते हुए पत्ते की तरह होते हैं जो हवा में मुड़ता-घूमता रहता है, लड़खड़ाता है. जमीन पर गिरता है. हालांकि, दूसरे लोग-बहुत कम-एक निश्चित मार्ग पर स्थापित सितारों की तरह होते हैं. कोई हवा उन तक नहीं पहुंच सकती, और वे अपने भीतर अपना नियम और अपना मार्ग लेकर चलते हैं. अपने लक्ष्य की ओर प्रयास करने के दौरान हम अपनी नाक के नीचे मौजूद कई चीजों को नहीं देख पाते हैं. वे सारी आवाजें, सारे लक्ष्य, सारी चाहत, सारे दुख, सारे सुख, सारी अच्छाई और बुराई, ये सब मिलकर ही दुनिया थी. ये सब मिलकर ही घटनाओं की धारा थी, जीवन का संगीत था. जीवन कोई अलग चीज नहीं होती है. मेरा रास्ता मुझे कहां ले जाएगा? यह प्रश्न ही बेवकूफी भरा है. रास्ता जहां और जिस भी तरफ जाएगा, मैं उसका अनुसरण करूंगा. जीवन का देखने का यही सही तरीका है. ऐसा नहीं करने कारण ही हम जो मूल्यवान है उसको खोते जाते हैं. एक सच्चा साधक, जो वास्तव में खोजना चाहता है, वह किसी भी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता. लेकिन जिस व्यक्ति ने वह पा लिया है जिसे वह खोजना चाहता था, ऐसा व्यक्ति हर सिद्धांत, हर एक, हर मार्ग, हर लक्ष्य को स्वीकार कर सकता है.

आज का इतिहास

1645: अलेक्सेई रोमानोव अपने पिता माइकल की जगह रूस के शासक बने।

1803: राजा राम मोहन राय व एलेग्जेंडर डफ ने स्कॉटिश चर्च कॉलेज शुरू किया.

1977: जनता पार्टी सरकार ने भारत रत्न सहित अन्य नागरिक सम्मान देना बंद कर दिया.

1998: लिएंडर पेस ने हॉल आफ़ फ़ेम टेनिस में जीवन का प्रथम ए.टी.पी. ख़िताब जीता.

2000: फिजी में महेंद्र चौधरी समेत 18 बंधक रिहा किए गए.

2004: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साइबेरिया और देश के सुदूर पूर्ववर्ती इलाकों के विकास के लिए भारत से और मज़बूत संबंधों की इच्छा जताई.

2006: परमाणु बम निर्माण संबंधी ईरान मसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के हवाले.

2011: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई तिहरे बम धमाकों से दहल उठी. इन धमाकों में बहुत बड़ी जनहानि हुई.

मुट्ठी न हमेशा खुली अच्छी, न हमेशा बंद अच्छी...

चिंतन

एक गांव में एक आदमी के दो पुत्र थे राम और श्याम. दोनों थे तो सगे भाई पर एक दुसरे के बिल्कुल विपरीत, जहां राम बहुत कंजूस था वहीं श्याम को फिजूलखर्ची की आदत थी. दोनों की पत्नियां भी उनकी इस आदत से परेशान थीं.

घरवालों ने दोनों को समझाने के बहुत प्रयास किये पर ना राम अपनी कंजूसी छोड़ता और ना ही श्याम अपनी फिजूलखर्ची से बाज आता.

एक बार गांव के करीब ही एक बहुत ही सिद्ध महात्मा का आगमन हुआ. राम और श्याम के वृद्ध पिता ने सोचा क्यों न उन्हीं से इस समस्या का समाधान पूछा जाए और अगले ही दिन वे महात्मा जी के पास पहुंचे.

महात्मा जी ने ध्यानपूर्वक उनकी बातें सुनीं और अगले दिन दोनों पुत्रों को लेकर आने को कहा.

पिताजी तय समय पर पुत्रों को लेकर पहुंच गए.

महत्मा जी ने पुत्रों के सामने अपनी बंद मुट्ठियां घुमाते हुए कहा, बताओ यदि मेरा हाथ हमेशा के लिए ऐसा ही हो जाए, तो कैसा लगेगा? राम और श्याम बोले, ऐसे में तो ऐसा लगेगा जैसे कि आपको कोढ़ हो.

अच्छा अगर मेरे हाथ हमेशा के लिए ऐसे हो जाएं तो कैसा लगेगा? महात्मा जी ने अपनी फैली हथेलियां दिखाते हुए पूछा.

जी , तब भी यही लगेगा कि आपको कोढ़ है. राम और श्याम हंसते हुए बोले.

तब महात्मा जी गंभीरता से बोले, पुत्रों यही तो मैं तुम्हे समझाना चाहता हूं , हमेशा अपनी मुट्ठी बंद रखना यानी कंजूसी दिखाना या हमेशा अपनी हथेली खुली रखना यानी फिजूलखर्ची करना एक तरह का कोढ़ ही तो है. हमेशा मुट्ठी बंद रखने वाला धनवान होते हुए भी निर्धन ही रहता है और हमेशा मुट्ठी खुली रखने वाला चाहे जितना भी धनवान हो उसे निर्धन बनते समय नहीं लगता. सही व्यवहार है कि कभी मुट्ठी बंद रहे तो कभी खुली, तभी जीवन का संतुलन बना रहता है.

पुत्र महात्मा जी की बात समझ चुके थे. अब उन्होंने मन ही मन सोच-समझ कर ही खर्च करने का निश्चय किया.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #SamsungGalaxyM36
2. #AiSmartphonesXCheQ
3.#LoveForMonster
4.#AirIndiaCrash
5.#BissellIndia
6.Boeing
7. KVM AS ZEHRAAK IN SILAA
8. Teach Values
9.Strong Roots
10.एयर इंडिया

बहुरंग

'मालिक' और 'आंखों की गुस्ताखियां' की पहले दिन 3.35 करोड़ रुपये की कमाई की

अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चा में हैं. 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म में पहली बार राजकुमार राव का गैंगस्टर अवतार देखने को मिला, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा और प्यार दिया. दूसरी ओर, विक्रांत मैसी की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' भी उसी दिन रिलीज़ हुई और इन दोनों फिल्मों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला. अब दोनों ही फिल्मों के पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुके हैं. 'मालिक' बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, 'मालिक' ने रिलीज के पहले दिन 3.35 करोड़ रुपये की कमाई की है. मौजूदा समय में सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हुई हैं, ऐसे में फिल्म की यह ओपनिंग ठीक-ठाक मानी जा रही है. हालांकि, फिल्म का कुल बजट करीब 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जिससे साफ है कि 'मालिक' को इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अभी लंबा सफर तय करना होगा. अब सारी उम्मीदें वीकेंड पर टिकी हैं, यही वो मौका है जब फिल्म को अपना असली दम दिखाना होगा और दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचना पड़ेगा. 'आंखों की गुस्ताखियां' बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट विक्रांत मैसी की फिल्म के लिए पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर जो नतीजा सामने आया, वो शायद खुद उन्होंने भी नहीं सोचा होगा. इस फिल्म से संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने बॉलीवुड में अभिनय की दुनिया में कदम रखा है.

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा. शुभांक-2-6-8

वृष : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. शुभांक-4-6-8

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-5-7-8

कर्क : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें. मेहमानों का आगमन होगा. छात्रों को लाभ. शुभांक-4-6-7

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शत्रुपक्ष से सावधान रहें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं. शुभांक-2-5-6

कन्या : "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय. मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें. शुभांक-4-5-7

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय समान रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी. शुभांक-2-4-6

धनु : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-4-6-7

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. आनन्ददायक वातावरण बनेगा. शुभांक-1-3-5

कुंभ : होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. शुभांक-3-4-6

मीन : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. मनोरथ सिद्घि का योग है. शुभांक-2-4-6

सैफ अली खान पर हुए हमले पर रोनित रॉय बोले- हमलावर के निशाने पर सैफ नहीं करीना थी

16 जनवरी की आधी रात को सैफ अली खान के घर में घुसे एक हमलावर ने उन पर चाकू से कई वार किए थे. इस हमले में सैफ गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था. यह घटना पूरे देश को चौंका देने वाली थी और राजनीतिक गलियारों में भी इसकी गूंज सुनाई दी थी. अब, इस हमले के छह महीने बाद अभिनेता रोनित रॉय ने सनसनीखेज खुलासा किया है. उन्होंने दावा किया है कि उस रात सिर्फ सैफ ही नहीं बल्कि उनकी पत्नी करीना कपूर भी हमलावर के निशाने पर थीं. एक इंटरव्यू में रोनित रॉय ने बताया, ₹जो हुआ, वो सबको पता है. सैफ उस वक्त अस्पताल में थे. मैंने करीना से बात की और फिर उनके घर गया. वहां जाकर मैंने आसपास के पूरे इलाके का निरीक्षण किया और उन्हें कुछ जरूरी सुरक्षा संबंधित निर्देश भी दिए. दरअसल, हमने ऐसी किसी स्थिति की कल्पना नहीं की थी,

इसलिए उनके घर पर सुरक्षा व्यवस्था थोड़ी कमजोर थी. लेकिन यही हमारा काम है, जहां कमी हो, उसे तुरंत दूर करना. अब हम इस पर पूरी तरह ध्यान दे रहे हैं. रोनित रॉय ने बताया, सैफ के अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही वहां भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी. मीडिया भी बड़ी संख्या में मौजूद थी. लेकिन इससे पहले, जब सैफ अस्पताल में थे और करीना घर लौट रही थीं, तब उनकी कार पर हमला हुआ था. भीड़ ने उनकी कार को घेर लिया और हल्की टक्कर भी मारी, जिससे वह काफी डर गई थीं. उसी वक्त उन्होंने मुझसे सैफ को सुरक्षित घर लाने के लिए कहा. मैंने पहले उनके घर पर अपनी सिक्योरिटी टीम तैनात की और फिर खुद सैफ को अस्पताल से घर लेकर गया. उस दौरान पुलिस की भी पूरी मौजूदगी थी. गौरतलब है कि रोनित रॉय न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक प्रतिष्ठित निजी सुरक्षा एजेंसी के मालिक भी हैं. बॉलीवुड के कई बड़े सितारे उनकी सुरक्षा एजेंसी की सेवाएं लेते हैं. हमले की इस घटना के बाद सैफ अली खान ने भी अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी रोनित रॉय को सौंप दी.

राजकुमार राव की सादगी और समर्पण पर फिदा हुईं पत्रलेखा

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं. हाल ही में इस कपल ने सोशल मीडिया के ज़रिए फैंस को यह खुशखबरी दी थी, जिसे लेकर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं. अब पत्रलेखा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खुल कर बात की है. उन्होंने बताया कि इस खास दौर में राजकुमार राव उनका बेहद ध्यान रख रहे हैं, चाहे बात उनके खाने-पीने की हो या आराम की, राजकुमार हर छोटी-बड़ी ज़रूरत में उनके साथ खड़े हैं. इसके साथ ही पत्रलेखा ने एक प्यारा खुलासा भी किया. उन्होंने बताया कि वह मां बनने के बाद अपने बच्चे के साथ पहली ट्रिप हिमाचल की प्लान कर रही हैं, जहां वह प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहेंगी.

पत्रलेखा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह राजकुमार राव के साथ न्यूज़ीलैंड गई थीं. वहाँ

उन्हें एहसास हुआ कि राजकुमार एक अच्छे पिता साबित होंगे. पत्रलेखा ने कहा, हर ट्रिप हमारे लिए नए रास्ते खोलती है और हम एक-दूसरे को बेहतर समझते हैं. न्यूज़ीलैंड में मुझे लगा कि राज एक अच्छे पिता साबित होंगे. पत्रलेखा ने आगे अपनी बात शेयर करते हुए कहा, राजकुमार मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रख रहे हैं. उन्होंने ये समझने की पूरी कोशिश की है कि मुझे क्या पसंद है, किस चीज़ से मुझे आराम मिलता है. वो एक कमाल के पार्टनर हैं और इस सफर ने इसे और भी साबित कर दिया है. हम बच्चे के आने के बाद न्यूज़ीलैंड के साउथ आइलैंड जाने की सोच रहे हैं. पहले कभी उस जगह के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब वो हमारी बकेट लिस्ट में है. हो सकता है हम वहां बच्चे के साथ बंजी जंपिंग करें या फिर कुछ और रोमांचक प्लान बनाएं. प्रेग्नेंसी के चलते कुछ वक्त का ब्रेक ले रहीं पत्रलेखा ने हाल ही में बताया, मैं अगले 6-7 महीनों तक कोई शूटिंग नहीं करूंगी. इस दौरान मैं सिर्फ घर पर रहकर आराम करना चाहती हूं. पत्रलेखा आखिरी बार फिल्म 'फुले' में नजर आई थीं, जिसमें उनके अभिनय की काफी सराहना हुई थी.

ब्रीफ न्यूज

कांवरियों को टोल टैक्स और लाइसेंस फीस से मिलेगी राहत

लखीसराय । श्रावणी मेला 2025 के पावन अवसर पर लखीसराय जिला प्रशासन ने कांवर यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए कई अहम सुविधाओं की घोषणा की है. जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 11 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को टोल टैक्स, प्रवेश शुल्क या किसी प्रकार की लाइसेंस फीस नहीं देनी होगी. लखीसराय जिलाधिकारी मितलेश मिश्र ने स्पष्ट किया कि यह आदेश पूरे जिले में लागू रहेगा और इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा.

डोईया में संपत्ति विवाद में महिला को मारी गोली

नालंदा । नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत डोईया गांव में शनिवार को एक महिला की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतका की पहचान 60 वर्षीय सुशीला देवी के रूप में हुई है, जो पटना पीएमसीएच में जीएनएम (स्टाफ नर्स) के पद पर कार्यरत थीं. घटना के समय सुशीला देवी खेत से लौट रही थीं, तभी पीछे से घात लगाए बदमाशों ने सिर में गोली मार दी. गोली लगने के बाद वह सड़क किनारे गिर पड़ीं. उनका पुत्र सोनू कुमार जब सड़क की ओर से लौट रहा था, तो उसने अपनी मां को घायल अवस्था में देखा.

वैशाली :रेलवे ट्रैक पर मिला पोस्टमैन का शव

वैशाली । वैशाली जिले में उस समय सनसनी फैल गई जब हाजीपुर के ढाला नंबर 54 के पास रेलवे ट्रैक से एक पोस्टमैन का शव बरामद हुआ. मृतक की पहचान लालगंज के कटहरा थाना क्षेत्र के घटारो निवासी राकेश कुमार (37) के रूप में हुई है. वे हाजीपुर पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत थे. शव मिलने की खबर से न केवल उनके परिजन, बल्कि पूरा क्षेत्र स्तब्ध है. पुलिस को दिए बयान के अनुसार, राकेश कुमार दो दिन पहले अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकले थे. उन्होंने अपने भाई को इस बात की जानकारी दी थी कि वे किशनगंज स्थित अपने ससुराल जा रहे हैं.

पटना से दिल्ली का सफर 4 घंटे और हावड़ा जाने में लगेंगे मात्र दो घंटे

संवाददाता । पटना

बिहार में बुलेट ट्रेन के सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण

बिहार में 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है और रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंप दी गई है. दिल्ली-हावड़ा (कोलकाता) बुलेट ट्रेन केवल 6.5 घंटे में 1,669 किलोमीटर की दूरी तय करेगी. पटना से दिल्ली की 1,000 किलोमीटर की यात्रा में वर्तमान 13-14 घंटों की तुलना में मात्र 4 घंटे ही लगेंगे. पटना से कोलकाता की 578 किलोमीटर की यात्रा का समय बहुत ही कम हो जाएगा. करीब 5 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना दो चरणों में पूरी होगी. पहला चरण, दिल्ली से वाराणसी (लखनऊ और अयोध्या के रास्ते) 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है. दूसरा चरण वाराणसी से हावड़ा (पटना के रास्ते) तक है. बिहार में बुलेट ट्रेन मौजूदा पटरियों के साथ-साथ चलेगी. बुलेट ट्रेन बनारस से मुगलसराय, बक्सर, पटना, किऊल, आसनसोल होते हुए हावड़ा जाएगी. पटना बिहार का एकमात्र स्टॉप होगा. इसके बाद अगला स्टॉप पश्चिम बंगाल का आसनसोल होगा. रेलवे ने जानकारी दी है कि बुलेट ट्रेन के लिए बिहार में अलग से कॉरिडोर नहीं बनाया जाएगा. मौजूदा रेल ट्रैक के समानांतर दो और हाई स्पीड ट्रैक बिछाए जाएंगे, जिस पर बुलेट ट्रेन चलेगी. यह ट्रैक पूरी तरह से अलग और विशेष रहेगा. इन ट्रैकों पर सामान्य गाड़ियां नहीं चलेंगी. फिलहाल जमीन अधिग्रहण की योजना नहीं है, लेकिन जरूरत पड़ने पर किसानों से जमीन ली जाएगी. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बिहार में पहले से ही तीन लाइन गुजर रही हैं. चौथे रूट पर खर्च करना उचित नहीं होगा. जमीन अधिग्रहण और अन्य खर्चों को कम करने के लिए मौजूदा रेल क्षेत्र का विस्तार करते हुए हाई स्पीड ट्रैक बनाए जाएंगे. रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बिहार में बुलेट ट्रेन का सिर्फ एक स्टॉपेज होगा, जो फुलवारी शरीफ के पास बनेगा. इसके लिए स्पेशल स्टेशन बनाया जाएगा. बुलेट ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को इस अलग स्टेशन पर पहुंचना होगा.

पटना से रवाना होने के बाद अगला स्टॉप बंगाल के आसनसोल में होगा. इस प्रोजेक्ट से बिहार से दिल्ली और कोलकाता जाने वाले यात्रियों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी. बुलेट ट्रेन की शुरुआत के बाद पटना से दिल्ली का सफर सिर्फ 4 घंटे और पटना से कोलकाता का सफर 2 घंटे में पूरा होने में लगेगा. रेल मंत्रालय और रेलवे की टीमें इस प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के लिए काम कर रही हैं.

एसडीआरएफ मुख्यालय का मामला को लेकर पहुंचे सीएम

एलिवेटेड सड़क के निर्माण कार्य का लिया जायजा

बिहटा-दानापुर

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहटा में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) मुख्यालय परिसर का निरीक्षण कर निर्माणाधीन भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक भवन के प्रथम तल एवं तृतीय तल का निरीक्षण कर उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया. मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य आपदा मोचन बल के मुख्यालय परिसर में बचे हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाकर इसे जल्द पूर्ण करायें. इस मुख्यालय परिसर तक सुगमतापूर्वक आवागमन हो सके, इसका ख्याल रखें. राज्य आपदा मोचन बल के मुख्यालय परिसर के नवनिर्मित भवनों पर सोलर पैनल का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराएं, इससे बहुत फायदा होगा. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने सभी सरकारी भवनों पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया है और इस दिशा में काम पहले से हो रहा है.

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन बिहटा- दानापुर एलिवेटेड सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह निर्माणाधीन एलिवेटेड पथ फोरलेन होगा, जिसमें चार बाईपास (नेऊरागंज, पैनाल, कन्हौली और विशुनपुरा) होंगे.

यह पटना-बक्सर फोरलेन सड़क का अहम हिस्सा है.

उल्लेखनीय है कि बिहटा-दानापुर एलिवेटेड परियोजना की लंबाई 25.081 किलोमीटर है जो दानापुर रेलवे स्टेशन से शुरु होकर कोईलवर ब्रिज को संपर्कता प्रदान करेगी. इस परियोजना की लागत 1969.39 करोड़ रुपये है, जिसका निर्माण सीईगल इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है. इस परियोजना की प्रारंभ तिथि 11 मार्च 2024 है, जबकि समापन तिथि 06 सितबर 2026 निर्धारित की गयी है. बिहटा दानापुर एलिवेटेड परियोजना का पहला पड़ाव निर्धारित समय से 2 महीने पहले ही पूर्ण हो चुका है और वर्तमान प्रगति 30.07 प्रतिशत है. इस फोरलेन एलिवेटेड पथ में कुल 387 पिलर है, जिनमें से 289 का कार्य प्रगति पर है. इसमें 4 बड़े पुल, 10 छोटे पुल, 37 पुलिया और 1 अंडरपास है, जिसका कार्य प्रगति पर है.

इस परियोजना के पूर्ण होने से कोईलवर से दानापुर तक यातायात सुगम होगा और सुचारु रूप से वाहनों का परिचालन होने से ईंधन तथा समय की भी बचत होगी. यह परियोजना बिहटा हवाई अड्डे को विशेष कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, साथ ही पटना की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी.

मधुबनी में दो शराब तस्कर की मौत,भीड़ ने पुलिस पर किया हमला

पटना । बिहार में मधुबनी जिले के मधवापुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत पिरोखर गांव में शनिवार को पुलिस पर पत्थरबाजी हुई. बताया जा रहा है कि पुलिस के पीछा करने के दौरान दो शराब तस्कर की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर जमकर पत्थरबाजी की. मरने वाले शराब तस्कर में रामप्रीत मुखिया का बेटा राजकिशोर मुखिया है. जबकि दूसरा जीतन मुखिया का बेटा सचिन मुखिया है. दोनों का घर सीतामढ़ी जिले के पुपरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिंगयाही का है. डीएसपी नीरज कुमार वर्मा और डीएसपी अमित कुमार घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लिया है. पुलिस के मुताबिक पुलिस को शराब तस्करी से जुडी खबर मिली थी. इसी को लेकर डायल 112 पर सवार पुलिस वालों ने शराब तस्करों का पीछा करना शुरू किया. शराब तस्करों के बारे में बताया जा रहा है कि वे बाइक पर सवार होकर शराब लेकर जा रहे थे. इसी दौरान मधवापुर थाना के डायल 112 के वाहन ने उनका पीछा किया. हालांकि इसी दौरान तस्करों की बाइक की टक्कर डायल 112 से हो गई और एक तस्कर ने वहीं दम तोड़ दिया. दूसरा तस्कर बुरी तरह से जख्मी हो गया. उसे इलाज के लिए दरभंगा के डीएमसीएच ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई. तस्कर की मौत से गुस्साए लोगों ने एनएच-552 को जाम कर दिया. इससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया. बाद में जब पुलिस वहां जाम छुड़वाने आई तो भीड़ ने पहले पुलिस को निशाना बनाया. पुलिस पर पत्थरबाजी की और उनके हथियार छीनने की कोशिश की.

बिहार विस चुनाव से पहले प्रशांत किशोर का बड़ा हमला, कहा

पीएम मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार

कहा- संवाददाता । जहानाबाद

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत गरमाने लगी है. जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को जहानाबाद में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेताओं पर तीखे हमले किए. शहर के मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार है.

संगठन में चाहे जो नियम-कानून बने हों, उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. वह किसी भी हाल में प्रधानमंत्री की कुर्सी से चिपके रहना चाहते हैं और इसके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं. प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान पर भी जमकर निशाना साधा. चिराग पासवान पर तंज कसते हुए किशोर ने कहा, बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का नारा देने वाले खुद केंद्र में मंत्री हैं. उनकी पार्टी के पांच सांसद हैं, लेकिन फिर भी बिहार का क्या भला हुआ? यह एक यक्ष प्रश्न है, जिसका जवाब बिहार की जनता मांग रही है.

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मिली बम से उड़ाने की धमकी

पटना । केंद्रीयमंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को एक इंस्टाग्राम अकाउंट से 20 जुलाई तक बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. जमुई सांसद और चिराग पासवान के जीजा ने एक्स पोस्ट में इसके लिए राजद पर आरोप लगाया है. पटना के साइबर थाने में लोजपा (रा) के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने इस पर प्राथमिकी दर्ज कराई है. चिराग को धमकी मिलने के बाद पार्टी में हड़कंप मच गया है. भट्ट ने बताया कि यू-ट्यूबर दक्षाप्रिया के इंस्टाग्राम अकाउंट के कमेंट्स सेक्शन में टाइगर मेराज इदिसी ने चिराग पासवान को बम से उड़ाकर जान से मारने की धमकी दी है. उन्होंने पुलिस से संदिग्ध को फौरन गिरफ्तार करने की मांग की है. जमुई सांसद अरुण भारती ने एक्स पोस्ट में कहा कि अप्रत्याशित हार के डर से बौखलाई राजद बिहार में जंगलराज 2.0 लाना चाहती है. इसलिए राजद के आपराधिक तत्व चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी दे रहे हैं. सांसद भारती ने राज्य सरकार से चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ाने और उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी उपलब्ध कराने की मांग की है. जमुई सांसद ने कहा है चिराग पासवान शेर का बेटा है. न किसी से डरा है, न डरेगा. बिहार के लिए जिएगा. बिहार के लिए मरेगा.

भूमि विवाद में गोली मारकर महिला कि हत्या

नालंदा। चड़हिया गांव में शनिवार की सुबह पूर्व की अदावत में एक 40 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. घटना का मुख्य कारण संप्पति विवाद बताया जाता है. मृत महिला की पहचान चुडिहिया गांव निवासी सुनील कुमार कि चालीस वर्षीय पत्नी सुसीला देवी के रूप में की गयी है. घटना के संबंध में मृतिका के पुत्र सोनु कुमार ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर चचेरे भाइयों से अदावत चली आ रही है पिछले दिनों की हुई विवाद में जान से मारने की धमकी दी गयी थी उक्त महिला पटना पीएमसीएच अस्पताल में परिचारिका के रूप में कार्यरत थी और प्रतिदिन शाम में डिय्टी जाती थी और सुबह वापस आती थी.

कारोबार

रिलिगेयर की फंडिंग योजना को मंजूरी

एजेंसी । नयी दिल्ली

रिलिगेयर एंटरप्राइजेज बोर्ड ने कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. यह राशि वॉरंट्स के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए जुटाई जाएगी. इसका उद्देश्य कंपनी के कारोबार विस्तार और रणनीतिक पहलों को गति देना है. रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड एक वित्तीय सेवा कंपनी है जो भारत में कई तरह की सेवाएं प्रदान करती है. यह मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण, किफायती आवास वित्त, स्वास्थ्य बीमा, और खुदरा ब्रोकिंग जैसी सेवाएं देती है. इस राशि में डाबर के मालिक बर्मन परिवार की कंपनियां 750 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जो कुल राशि का 50 % है. जबकि शेष राशि हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड, निवेशक आशीष धवन, जेएम फाइनेंशियल क्रेडिट सॉल्यूशंस और अन्य निवेशकों द्वारा दी जाएगी.

ई-ट्रक खरीद पर 9.6 लाख तक सब्सिडी

एजेंसी । नयी दिल्ली केंद्र सरकार ने शुक्रवार को ई-ट्रक (इलेक्ट्रिक ट्रक) खरीदने वाले ग्राहकों को 9.6 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता देने की नई योजना की शुरुआत की. भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इस योजना का उद्घाटन किया. योजना का उद्देश्य ई-ट्रकों को बढ़ावा देना है. इसके लिए 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय में से 500 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए निर्धारित किए गए हैं. योजना के प्रमुख लाभार्थी बंदरगाह, यातायात सेवाओं व उत्पाद से जुड़ी कंपनियां, सीमेंट और इस्पात उद्योग होंगे. इसके तहत 5,600 इलेक्ट्रिक ट्रकों को समर्थन दिया जाएगा. इस मौके पर कुमारस्वामी ने कहा, डीजल ट्रक, कुल वाहन संख्या का केवल 3 प्रतिशत हैं, इसके बावजूद वायु प्रदूषण को काफी हद तक बढ़ाते हैं. योजना के तहत दिल्ली में पंजीकृत होने वाले लगभग 1,100 ई-ट्रकों के लिए प्रोत्साहन राशि आरक्षित की गई है.

पहली बार एक करोड़ रुपये के पार पहुंचा बिटकॉइन

क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी का रुख, रचा नया इतिहास

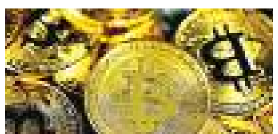

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने पहली बार एक करोड़ रुपये के स्तर को पार करके नया इतिहास रच दिया. भारतीय समय के अनुसार शाम 6 बजे बिटकॉइन 1,18,033 यानी करीब 1.01 करोड़ रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था. बताया जा रहा है कि अमेरिका में बिटकॉइन ईटीएफ में हुए रिकॉर्ड इन्वेस्टमेंट और दुनिया के कई बड़े संस्थागत निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी की वजह से इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में अचानक इतनी तेजी आई है. कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि बिटकॉइन ने 1,18,000 डॉलर के स्तर को पार करके ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है. उनका मानना है कि अगर बाजार की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ तो बिटकॉइन जल्दी ही 1,25,000 डॉलर के स्तर तक भी पहुंच सकता है. इस क्रिप्टोकरंसी ने अप्रैल के महीने में ही कंसोलिडेशन का सामना किया था, लेकिन अब इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की खरीदारी और क्रिप्टो मार्केट में बने बुलिश सेंटीमेंट की वजह से बिटकॉइन ने जबरदस्त तेजी दिखाई है. इस साल जनवरी में 1 लाख डॉलर का आंकड़ा छूने के बाद अप्रैल के महीने में बिटकॉइन 75,000 डॉलर के स्तर तक गिर गया था. इस गिरावट के बाद क्रिप्टो मार्केट में एक बार फिर तेजी का रुख बना शुरू हुआ, जिसकी वजह से इस क्रिप्टोकरंसी ने एक बार फिर 1 लाख डॉलर के स्तर को पार करने में सफलता हासिल कर ली. बिटकॉइन की तेजी की वजह से इसके मार्केट कैप ने ताइवानी और ऑस्ट्रेलियन डॉलर को भी पीछे छोड़ दिया है. लॉन्ग टर्म होल्डर्स की हिस्सेदारी बढ़ने का मतलब इस क्रिप्टोकरंसी की मजबूती के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास को समझा जाता है.

डॉलर की तुलना में 15 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली । ट्रेड टैरिफ की अनिश्चितता और इंडियन स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिरावट का शिकार हो गई. रुपया डॉलर की तुलना में 15 पैसे की कमजोरी के साथ 85.79 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ. इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 85.64 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी. रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ की थी. इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की कमजोरी के साथ 85.76 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी. दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 27 पैसे फिसल कर 85.91 के स्तर तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया सुधर कर 85.78 के स्तर तक पहुंच गया. अंत में रुपया पिछले बंद भाव से 15 पैसे की गिरावट के साथ 85.79 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ.

देश का विदेशी मद्रा भंडार तीन अरब डॉलर घट कर 699.74 अरब पहुंचा

मुंबई । अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है. देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रह गया है. इससे पिछले हफ्ते के दौरान कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.85 अरब डॉलर बढ़कर 702.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.54 अरब डॉलर घटकर 591.29 अरब डॉलर रह गईं. इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.85 अरब डॉलर हो गया. आरबीआई के मुताबिक चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर पर पहुंच गया. आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.74 अरब डॉलर हो गया. देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में बढ़कर अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था.

डीजीजीआई बेंगलुरु इकाई का मामला

266 करोड़ के फर्जी बिल मामले में छह कंपनी का हुआ पर्दाफाश

एजेंसी । नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने एक मामले की जांच के दौरान नई दिल्ली में 6 से अधिक परिसरों में तलाशी ली. अधिकारियों ने तलाशी के दौरान 266 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के फर्जी चालानों का खुलासा किया, जिसमें फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाना और उसे आगे बढ़ाना शामिल था. वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि जीएसटी की खुफिया शाखा डीजीजीआई ने दिल्ली शहर में छह परिसरों की तलाशी ली और 266 करोड़ रुपये के फर्जी चालान और फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी पारित करने का खुलासा किया है. मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों द्वारा बेंगलुरु में शुरू की गई एक मामले की जांच में पाया गया कि बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के 4 कंपनियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है. मंत्रालय ने बताया कि मास्टरमाइंडों ने बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के फर्जी कंपनियां बनाईं, कारोबार बढ़ाने के लिए सर्कुलर ट्रेडिंग की, एक कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराया और आईटीसी धोखाधड़ी में लिप्त रहे. वित्त मंत्रालय के मुताबिक जांच से पता चला है कि बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के चार कंपनियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है. इन कंपनियों के परिसरों की तलाशी के दौरान मुख्य आरोपित के परिसरों से मूल दस्तावेज़, जैसे चालान और मुहरें, बरामद की गईं. इस मामले के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है. वित्त मंत्रालय ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा सर्कुलर ट्रेडिंग और फर्जी आईटीसी के उपयोग से जीएसटी धोखाधड़ी के ऐसे पैटर्न का पता चलने के बाद डीजीजीआई ने सेबी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए हाल ही में सेबी के साथ विशिष्ट जानकारी साझा की है.

रक्षाबंधन पर विशेष — इस वर्ष 9 अगस्त को राखी और 'भारत छोड़ो आंदोलन' की तिथि का संगम

व्यापारियों को इस वर्ष राखी पर 17 हजार करोड़ के व्यापार के उम्मीदः कैट

एजेंसी । नयी दिल्ली

इस वर्ष 9 अगस्त को भारत की अनुपम संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतीक भाई-बहन का पवित्र पर्व 'रक्षाबंधन' देशभर में मनाया जाएगा. इस बार राखी का त्यौहार विशेष है, क्योंकि इसी दिन 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ भी है. कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देशभर के व्यापारियों से आग्रह किया है कि वो इस बार राखी त्यौहार को 'राष्ट्रभक्ति राखी उत्सव' के तौर पर मनाएं. कैट की ओर से जारी एक अनुमान के अनुसार इस वर्ष राखी पर देशभर में करीब 17 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है. चांदनी चौक से सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि एक ओर जहां यह दिन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक होगा, वहीं दूसरी ओर देशभक्ति की भावना को भी जीवंत करेगा. इस अनूठे संयोग को देखते हुए देशभर के व्यापारी वर्ग ने बड़े पैमाने पर राखी के त्यौहार पर राखी की बिक्री के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं. उन्होंने कहा कि भारत की तीनों सेनाओं के शौर्य और वीरता को सम्मान देने के लिए कैट की पहल पर देशभर से महिला उद्यमी तीनों सेनाओं के सैनिकों को राखियां भेजकर इस बात का एहसास कराएंगी कि सारा देश उनके साथ है. कैट इस संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर सैनिकों के लिए उनको राखियों की एक खेप भी सौंपेगा.

खंडेलवाल ने कहा कि कैट को इस वर्ष राखी त्यौहार के मौके पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की उम्मीद है. वहीं, मिठाइयां एवं ड्राई फ्रूट्, गिफ्ट पैक, हैम्पर्स, सजावट सामग्री, परिधान, सौंदर्य प्रसाधन, पूजा सामग्री और पैकेजिंग आदि का भी करीब 4 हजार करोड़ रुपये का व्यापार का अनुमान है. कैट ने देशभर के व्यापार मंडल, स्थानीय बाजार संघ और ट्रेड एसोसिएशन को इस बार राखी को 'राष्ट्रभक्ति राखी महोत्सव' के रूप में भी मनाने का आवाहन किया है.

कैट की वेद एवं धार्मिक कमेटी के चेयरमैन तथा प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य श्री दुर्गेश तारे ने बताया कि रक्षा बंधन का पर्व भद्रा रहित व अपराह्न काल में मनाने का शास्त्रीय विधान है. इस वर्ष श्रावण पूर्णिमा 9 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व प्रातःकाल से दोपहर 1.38 मिनट तक ही मनाना उत्तम रहेगा क्योंकि यह समय भद्रा से मुक्त एवं श्रवण नक्षत्र से युक्त है.

ऋण व व्यवसाय का पहला एक्सपो समृद्धि कॉन्क्लेव में

1-3 अगस्त तक भारत मंडपम में

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश का पहला ऋण एवं व्यवसाय एक्सपो समृद्धि कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 1 से 3 अगस्त तक राजधानी के भारत मंडपम में होगा. यह सम्मेलन समावेशी वित्तीय सशक्तिकरण और उद्यमशीलता के पुनरुत्थान की दिशा और 20247 विकसित भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक साबित होने वाला है. कॉन्क्लेव की समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. राजीव दुबे ने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह केवल आयोजन नहीं है, बल्कि यह हर उस उद्यमी के आर्थिक उत्थान के लिए राष्ट्रीय आंदोलन है, जो महत्वाकांक्षी होने के बावजूद पहुंच से वंचित है. समन्वय समिति की उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता ने कहा कि यह सम्मेलन बैंकों, एनबीएफसी, फिनटेक कंपनियों, व्यावसायिक समाधान प्रदाताओं, नीति निर्माताओं, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों को एक ही मंच पर लाएगा, जिससे वित्तपोषण, मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और सहयोग की सुविधा मिलेगी. उन्होंने बताया कि पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, केकेजीए पार एक्सीलेंस प्राइवेट लिमिटेड, सागा, कैट, एआईएआई, हाउस ऑफ एमएलएमसी, एफएम रेडियो मिर्ची और ग्राफिसैड्स की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, विकास पूंजी को खोलना और एमएसएमई, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और देश के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करना है.

लाड्र्स में एक बार फिर ड्यूक बॉल को लेकर हंगामा, अंपायर से भिड़े कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत

भारतीय टीम ने की कड़ी आलोचना, तो इसके बाद निर्माता बदलाव के लिए तैयार

एजेंसियां। लाड्र्स

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉड्र्स में खेला जा रहा है. इस मैच में एक बार फिर ड्यूक बॉल को लेकर विवाद हुआ है. शुक्रवार को महज 10 ओवर के बाद ही गेंद बदलनी पड़ी, जिस पर भारतीय खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई. कप्तान शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की अंपायर से बहस भी हुई. अब इस मामले पर ड्यूक बॉल की निर्माता कंपनी के मालिक दिलीप जाजोदिया का बयान आया है.

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में असामान्य रूप से गर्म मौसम और मौजूदा समय में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी सुधार करने के लिए हमेशा तैयार रहती है.

10 ओवर के खेल के बाद गेंद बदलने से भारतीय खिलाड़ी नाराज : लॉड्र्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में दो बार गेंद को बदला गया. महज 10 ओवर के खेल के बाद गेंद को दोबारा बदलने को लेकर भारतीय खिलाड़ियों में रोष दिखा. जाजोदिया ने समाचार एजेंसी से कहा, 'विश्व क्रिकेट में केवल तीन मान्यता प्राप्त निर्माता हैं (ड्यूक्स, एसजी और कूकाबुरा)। क्रिकेट गेंद बनाना आसान नहीं है. यह अगर आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते. इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझने की जरूरत है कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं हैं. हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं. अगर कोई समस्या है तो उसकी समीक्षा की जाएगी और हम उसका हल निकालने की कोशिश करेंगे. चाहे वह चमड़े की खराबी हो या किसी और चीज की. हम इसकी जांच करेंगे. मैं आराम से बैठा सिगार नहीं पी रहा हूं.

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मेरी क्रिकेट गेंद की आलोचना कर सकते हैं. मैं भी खराब शॉट या खराब गेंद के लिए उनकी आलोचना कर सकता हूं. आप जानते हैं मेरा क्या मतलब है? आपको समझदार होना होगा.

ड्यूक बॉल निर्माता कंपनी के मालिक का बयान : जाजोदिया से जब इस गेंद के जल्दी खराब होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस पर मौसम का बड़ा असर होता है. क्रिकेट खेलने का तरीका और बल्ले का प्रकार बदल रहा है.

खिलाड़ी शॉट में ज्यादा ताकत का इस्तेमाल कर रहे हैं. गेंद समय-समय पर बाउंड्री के बाहर कठोर चीजों से टकराती है. ऐसे में भी यह गेंद 80 ओवर तक चलती है और यह एक चमत्कार की तरह है. ड्यूक गेंद पर लेकर ईसीबी की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, नहीं, कोई तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है. हम एक टेस्ट श्रृंखला के बीच में हैं. मैं पूरे सम्मान के साथ कह रहा हूं कि पिछले मैचों में दो नतीजे आए हैं. इसमें भारत ने एक मैच जीता है. कप्तान गिल ने किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक रन बनाए हैं. दो गेंदबाजों ने छह विकेट लिए. तो मैं बस यही कह सकता हूं कि असुविधा के लिए मुझे खेद है लेकिन कम से कम आप क्रिकेट तो खेल रहे हैं.

भारत में दिया जाएगा ड्यूक बॉल को अंतिम रूप

भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एसजी टेस्ट बॉल का उपयोग किया जाता है. जाजोदिया का मानना है कि भारत जैसे विशाल क्रिकेट खेलने वाले देश को गेंद के अधिक विकल्पों की आवश्यकता है और उनकी कंपनी बढ़ते बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी उपस्थिति का विस्तार करेगी. कंपनी मेरठ में है, लेकिन उसकी सभी गेंदों को इंग्लैंड में अंतिम रूप दिया जाता है. जाजोदिया ने पिछले हफ्ते बंगलुरू की अपनी यात्रा के दौरान भारत में एक कार्यालय पंजीकृत किया है, जिससे यह स्थिति बदलने वाली है. उन्होंने बीसीसीआई अधिकारियों से भी मुलाकात की जो गेंद का परीक्षण कर रहे हैं. अनुभवी प्रशासक बृजेश पटेल ड्यूक्स के भारत संचालन के प्रमुख होंगे. जाजोदिया ने कहा, मैं मेरठ से गेंदें खरीद रहा था और उन्हें यहां (इंग्लैंड) अंतिम रूप दे रहा था. लेकिन अब हम उन्हें भारत में भी अंतिम रूप देंगे. हम अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं क्योंकि हमारा मानना है कि अब भारत में समय सही है. मेरा मतलब है, अर्थव्यवस्था, उत्साह, बीसीसीआई क्रिकेट में जो सुविधाएं दे रहा है, बेंगलुरु में जो सुविधा है (वह सब इसके लिए अनुकूल है).

गिल और पंत ने दूसरे टेस्ट के बाद भी उठाए थे सवाल

मौजूदा सीरीज के दूसरे मुकाबले के बाद भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत ने गेंद के इतनी जल्दी नरम होने और आकार बदलने पर निराशा व्यक्त की थी. अपने टेस्ट करियर में 604 में से ज्यादातर विकेट ड्यूक बॉल से लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी तेजी से खराब हो रही गेंद के खिलाफ बात की. इस पर जाजोदिया ने कहा, सुपरस्टार (बड़े खिलाड़ी) बहस कर सकते हैं. मुझे वही बनाना होगा जो वे चाहते हैं.

बुमराह के 'पंजे' ने इंग्लैंड को विशाल स्कोर बनाने से रोका

राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारत को संभाला

एजेंसियां। लाड्र्स

जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने जहां इंग्लैंड को पहली पारी में विशाल स्कोर बनाने से रोका, वहीं सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारतीय पारी को संभाले रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे. भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 145 रन बनाए हैं और वह अभी इंग्लैंड से 242 रन पीछे चल रही है. स्टंप्स के समय केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं. इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला है. इंग्लैंड को ऑलआउट करने के बाद भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्द गंवाया जो आठ गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुए. यशस्वी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन जोफ्रा आर्चर की गेंद पर हैरी ब्रूक को कैच थमा बैठे. इसके बाद केएल राहुल ने करुण नायर के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई. इसे बेन स्टोक्स ने करुण को आउट कर तोड़ा। करुण अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन 62 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हो गए.

बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत : इंग्लैंड को शुभमन गिल के रूप में तीसरी सफलता मिली. क्रिस वोक्स ने शुभमन गिल को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया. पिछले टेस्ट में दोहरा शतक और शतक लगाने वाले कप्तान गिल तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और 16 रन बनाकर आउट हुए. भारत के लिए राहत की बात यह रही कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे. पंत पहले दिन विकेटकीपिंग करते वक्त चोटिल हो गए थे और मैदान से बाहर चले गए थे. उन्होंने दूसरे दिन भी विकेटकीपिंग नहीं की थी और उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने ही विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था. हालांकि, बल्लेबाजी के लिए पंत उतरे जिससे उनकी चोट को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगा.

रूट ने लगाया शतक : इससे पहले, इंग्लैंड के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने शतकीय और जैमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने दूसरे दिन चार विकेट पर 251 रन से आगे खेलना शुरू किया. जो रूट 99 और बेन स्टोक्स ने 39 रन से आगे पारी बढ़ाई. रूट ने दिन के खेल की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपने टेस्ट करियर का 37वां शतक पूरा किया. रूट का लॉड्र्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है. वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं. रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए. रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया. रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए.

बुमराह ने दिए इंग्लैंड को झटके : दूसरे दिन इंग्लैंड की शुरुआत खराब हुई. बुमराह ने पहले सत्र में तीन विकेट झटके। उन्होंने बेन स्टोक्स (44), जो रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) को पवेलियन की राह दिखाई. इसके बाद मोर्चा जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने संभाला. दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 80 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई जिसे मोहम्मद सिराज ने तोड़ा. उन्होंने जेमी स्मिथ को अपना शिकार बनाया, जो 56 गेंदों में 51 रन बनाकर पवेलियन लौटे. इसके बाद बुमराह ने जोफ्रा आर्चर के रूप में इंग्लैंड को नौवां झटका दिया. वह सिर्फ चार रन बना पाए. बुमराह ने इस तरह पारी में पांच विकेट लिए. बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए.

बुमराह विदेशी धरती पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं और उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी यह जारी रखा है. बुमराह ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में फाइव-फर लिया था और अब तीसरे टेस्ट में भी वह ऐसा करने में सफल रहे. बुमराह विदेश में सबसे ज्यादा बार पांच या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस मामले में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है. बुमराह ने 13वीं बार विदेश में टेस्ट मैच में फाइव-फर लिया है, जबकि कपिल ने 12 बार ऐसा किया था. भारत के खिलाफ पहली पारी में ब्रायडन कार्स अपना पहला अर्धशतक पूरा करने में कामयाब रहे. उन्होंने 83 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए। उन्हें सिराज ने बोल्ड किया. शोएब बशीर एक रन बनाकर नाबाद रहे. इससे पहले मुकाबले के शुरुआती दिन जैक क्राउली ने 18, बेन डकेट ने 23, ओली पोप ने 44 रन बनाए थे. वहीं, भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी को दो-दो सफलताएं मिलीं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने एक विकेट हासिल किया.

आलोचकों को लताड़ा, लॉड्र्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल होने पर बोले बुमराह-

जब अंगद बड़ा होगा, तो उसे बताऊंगा

एजेंसियां। लाड्र्स

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के 5/74 के प्रदर्शन को लॉड्र्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल किया गया है. इस उपलब्धि को वह अपने बेटे अंगद के साथ साझा करना चाहते हैं. दाएं हाथ के गेंदबाज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि जब उनका बेटा बड़ा होगा तब वह उसे इसके विषय में बताएंगे. 31 वर्षीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में पांच विकेट लिए. लॉड्र्स में बुमराह ने पहली बार टेस्ट मैच की किसी पारी में इतने विकेट लिए हैं.

शुक्रवार का खेल समाप्त होने के बाद जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने पांच विकेट हॉल हासिल करने के बाद जश्न क्यों नहीं मनाया, इसके जवाब में बुमराह ने कहा- 'सच तो यह है कि मैं थक गया था. मैं 21 साल के लड़के की तरह उछल-कूद नहीं कर सकता. मुझे खुशी है कि मैंने योगदान दिया. ऑनर्स बोर्ड पर नाम देखकर अच्छा लगा. यह एक ऐसी बात है जिसके बारे में मैं अपने बेटे को बड़ा होने पर बता सकता हूं.

दिग्गजों की सूची में हुए शामिल : बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं.

बुमराह उन भारतीय गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने लॉड्र्स मैदान पर फाइव-फर पूरे किए हैं. बुमराह से पहले मोहम्मद निसार, अमर सिंह, लाला अमरनाथ, वीनू मानकड़, रमाकांत देसाई, बीएस चंद्रशेखर, बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, चेतन शर्मा, वेंकटेश प्रसाद, आरपी सिंह, प्रवीण कुमार, भुवनेश्वर कुमार और ईशांत शर्मा ऐसा कर चुके हैं.

फिटनेस पर सवाल उठाने वालों पर भड़के बुमराह

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद बुमराह ने उनकी फिटनेस पर सवाल खड़े करने वालों पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा- लोग दर्शकों के लिए सनसनी फैलाना चाहते हैं, मैं समझता हूं कि वे इन सब से पैसा कमाना चाहते हैं. मुझे खुशी है कि मैं उनकी इसमें मदद कर रहा हूं. यादें महत्वपूर्ण हैं और मैं जितना हो सके उतना योगदान देना चाहता हूं. बता दें कि, बुमराह को एजबेस्टन टेस्ट में आराम दिया गया था. भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बताया था कि तेज गेंदबाज के वर्कलोड को मैनेज करने के उद्देश्य से उन्हें आराम दिया गया है. इस दौरे पर बुमराह अपना दूसरा मुकाबला खेल रहे हैं.

युवाओं के प्रदर्शन पर क्या बोले बुमराह

इस दौरान बुमराह ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी बात की. उन्होंने कहा- ये युवा बहुत आत्मविश्वासी हैं और उन्हें बहुत ज्यादा मार्गदर्शन या जानकारी की जरूरत नहीं है. जब भी और जिस भी क्षमता में उन्हें मेरी जरूरत होगी, मैं उनकी मदद के लिए तैयार हूं, और मैं यहां पिछले दौरों में सीखे अपने अनुभव उनके साथ साझा करता हूं.

दक्षिण कोरिया ने ईस्ट एशियन कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, हांगकांग को 2-0 से हराया

एजेंसियां। योंगइन (दक्षिण कोरिया)

मेजबान दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को ईस्ट एशियन कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग, चीन को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत हासिल की. मैच के 27वें मिनट में कांग सांग-यून ने सियो मिन-वू के पास पर अपने डिफेंडर को छकाते हुए शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया. हाफ टाइम के बाद दक्षिण कोरिया ने दो बार लंबी दूरी से गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों बार निशाना चूक गया. हालांकि 67वें मिनट में ली हो-जे ने दमदार हेडर के जरिए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया. पूरा मैच दक्षिण कोरिया के दबदबे में रहा. टीम ने कुल 78 प्रतिशत गेंद पर कब्जा बनाए रखा और 20 शॉट लिए, जिनमें से 6 सीधे गोल पोस्ट की दिशा में थे.

ईस्ट एशियन कप चार टीमों की एक मिनी लीग है, जिसमें हर टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार मुकाबला करती है. अंक तालिका का निर्धारण अंकों, फिर आमने-सामने के परिणाम, गोल अंतर और किए गए गोलों के आधार पर होता है. दक्षिण कोरिया ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 3-0 से हराया था. दो जीत के साथ कोरियाई टीम के अब छह अंक हो गए हैं.

एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला लोन पर वेलेंसिया क्लब में हुए शामिल

एजेंसियां। मैड्रिड

ला लीगा क्लब वेलेंसिया ने एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला को लोन पर साइन कर लिया है. यह कदम वेलेंसिया के मुख्य गोलकीपर जियोर्गी ममारदाशविली के लिवरपूल ट्रांसफर के बाद लिया गया है, ताकि टीम को एक भरोसेमंद विकल्प मिल सके. एगिरेजाबाला 2025-26 सीजन के लिए वेलेंसिया से जुड़ेंगे और क्लब के पास सीजन के अंत में उन्हें स्थायी रूप से साइन करने का विकल्प भी होगा. 24 वर्षीय एगिरेजाबाला ने यह निर्णय नियमित पहले एकादश में खेलने के मौके पाने के उद्देश्य से लिया है, क्योंकि एथलेटिक में उनके आगे स्पेन के अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर उनाई सिमोन हैं. अब तक

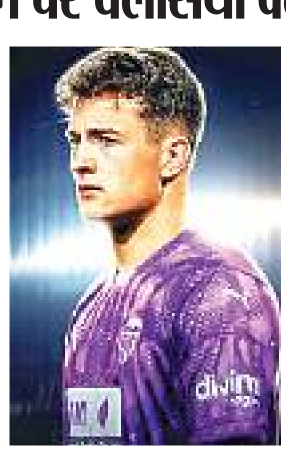

एगिरेजाबाला मुख्य रूप से सिमोन के विकल्प के रूप में ही खेले हैं. हालांकि, पिछले सीजन सिमोन की कलाई की सर्जरी के चलते उन्होंने ला लीगा में 14 मुकाबले खेले और यूरोपा लीग में एथलेटिक की ओर से पहले विकल्प के रूप में खेले. एगिरेजाबाला ने 2023/24 कोपा डेल रे अभियान में एथलेटिक की पूरी भूमिका निभाई थी.

इस दौरान क्लब ने 40 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता और निर्णायक पेनल्टी शूटआउट में एगिरेजाबाला की अहम बचाव भूमिका रही. हालांकि, आगामी सीजन में उनाई सिमोन के ला लीगा और चैंपियंस लीग में खेलने की संभावना के चलते एगिरेजाबाला के लिए मौके सीमित थे—खासतौर पर ऐसे सीजन में, जो फीफा वर्ल्ड कप के साथ समाप्त होगा. इस बीच, एथलेटिक क्लब ने 21 वर्षीय गोलकीपर एलेक्स पादिला को मैक्सिकन क्लब पुमास से लोन से वापस बुला लिया है, जो इस सीजन में सिमोन के बैकअप की भूमिका निभाएंगे.

बोटाफोगो छोड़कर नॉटिंघम फॉरेस्ट में शामिल हुए जैर कुन्हा

रियो डी जेनेरियो । ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुष्टि की है कि उसके सेंट्रल डिफेंडर जैर कुन्हा इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब नॉटिंघम फॉरेस्ट में शामिल हो गए हैं. यह ट्रांसफर डील लगभग 12 मिलियन यूरो में पूरी हुई है. 20 वर्षीय जैर, जो 2028 तक बोटाफोगो से अनुबंधित थे, अब नॉटिंघम फॉरेस्ट के साथ जून 2030 तक का अनुबंध कर चुके हैं. बोटाफोगो ने शुक्रवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. बयान में कहा गया, हम डिफेंडर को हमारे क्लब के लिए उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं. जैर ने फरवरी में सैंटोस से बोटाफोगो में शामिल होने के बाद क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 22 मैच खेले. वह ब्राज़ील की अंडर-20 राष्ट्रीय टीम के सदस्य भी हैं. गौरतलब है कि जैर इस हफ्ते नॉटिंघम फॉरेस्ट से जुड़ने वाले बोटाफोगो के दूसरे खिलाड़ी हैं. इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर इगोर जीसस को 11.5 मिलियन यूरो की रिपोर्टेड फीस पर साइन किया था.

क्रिस्टल पैलेस को मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के उल्लंघन के चलते यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग में किया डिमोट

एजेंसियां। लंदन/न्यूऑन

प्रीमियर लीग क्लब क्रिस्टल पैलेस को यूरोपीय फुटबॉल में बड़ा झटका लगा है. यूएफा ने शुक्रवार को घोषित किया कि मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के उल्लंघन के चलते क्लब को यूरोपा लीग से हटा कर तीसरे स्तर की प्रतियोगिता यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग में स्थानांतरित कर दिया गया है. दूसरी ओर, ओलंपिक लियोन को यूरोपा लीग में खेलने की अनुमति दे दी गई है. बता दें कि ईगल फुटबॉल ग्रुप , जो लियोन का बहुसंख्यक मालिक है, वहीं इसके चेयरमैन जॉन टेक्सटर क्रिस्टल पैलेस में भी नियंत्रणकारी हिस्सेदारी रखते हैं. यह स्थिति यूएफा के मल्टी-क्लब स्वामित्व नियमों के खिलाफ है. क्रिस्टल पैलेस ने पिछला सत्र एफए कप जीतकर यूरोपा लीग के लिए क्वालिफाई किया था, जबकि लियोन लिग 1 में छठे स्थान पर रहते हुए इस प्रतियोगिता में पहुंचे. लियोन को खराब वित्तीय स्थिति के चलते फ्रांस की घरेलू लीग 2 में डिमोट करने का खतरा था, लेकिन बुधवार को यह फैसला पलट दिया गया, जिसे यूएफा की क्लब फाइनेंशियल कंट्रोल बॉडी (सीएफसीबी) अपने निर्णय से पहले देख रही थी. यूएफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा: "तदनुसार, सीएफसीबी फर्स्ट चैंबर ने ओलंपिक लियोन और क्रिस्टल पैलेस द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों की समीक्षा की और यह निष्कर्ष निकाला कि 1 मार्च 2025 तक ये क्लब मल्टी-क्लब ओनरशिप के मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे."

अनहोनी
बोले मोहम्मद सिराज- कल का पता नहीं है, हम किसके लिए कर रहे हैं

डिओगो जोटा की मौत ने सिराज को चौंकाया

एजेंसियां। लंदन

खेल जगत में उस वक्त सनसनी फैल गई जब लिवरपूल से खेलने वाले पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में अचानक मौत हो गई. इस घटना ने प्रशंसकों से लेकर खिलाड़ियों तक को झकझोर कर रख दिया. भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी डिओगो जोटा की मौत ने झकझोर कर रख दिया है. इसका खुलासा उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी किए गए वीडियो में किया.

डिओगो जोटा की मौत ने सिराज को चौंकाया : बीसीसीआई ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें सिराज को डिओगो जोटा पर बात करते देखा गया. उन्होंने कहा- 'आखिरी मैच में जब हम लोग आ रहे थे तब पता चला था कि डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत हो गई. मैं पुर्तगाल का प्रशंसक हूं क्योंकि सीआर7 (क्रिस्टियानो रोनाल्डो) भी उसी टीम से खेलते हैं. मैं बहुत भावुक हूं.' तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सिराज ने जोटा को अपना विकेट समर्पित किया था और उन्हें श्रद्धांजलि दी थी. इसके विषय में उन्होंने कहा- 'मुझे पिछले मैच में करना था लेकिन नहीं हो सका. जिंदगी अप्रत्याशित है. हम किसके लिए लड़ रहे हैं. हम किसके लिए कर रहे हैं. कल का ही पता नहीं है. जिंदगी का कुछ भरोसा नहीं है. मैं चौंक गया, मुझे समझ नहीं आया ये कैसे हो गया.

मौत से 10 दिन पहले हुई थी शादी : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेन में डिओगो जोटा की कार दुर्घटनाग्रस्त हुई. हादसे के वक्त उनके साथ कार में उनके भाई आंद्रे भी मौजूद थे. आंद्रे भी 26 वर्षीय फुटबॉलर हैं. यह दुखद घटना जोटा की शादी के 10 दिन बाद हुई है. उन्होंने 10 दिन पहले लंबे समय से गर्लफ्रेंड रहीं रुटे कार्डोसो के साथ पोर्टो में शादी की थी.

सिराज ने दी डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि

लॉड्र्स टेस्ट के दूसरे दिन सिराज ने इंग्लैंड को आठवां झटका जेमी स्मिथ के रूप में दिया। उन्होंने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया. वह 56 गेंदों में छह चौके की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए. सिराज ने अपना यह विकेट कार दुर्घटना में मारे गए फुटबॉलर डिओगो जोटा को समर्पित किया. तेज गेंदबाज ने जोटा की 20 नंबर जर्सी का इशारा किया. इससे पहले रियल मैड्रिड के स्टार फुटबॉलर कायलियन एमबाप्पे ने भी डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि दी थी. इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी.

विंबलडन जूनियर फाइनल में पहुंचा भारतीय मूल का खिलाड़ी

एजेंसियां। लंदन

इस वक्त लंदन में टेनिस का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट विंबलडन 2025 का आयोजन हो रहा है. इस बड़े टूर्नामेंट को देखने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज आते हैं. कई भारतीय क्रिकेटर्स भी हाल ही में विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे. वुमेंस सिंगल कैटेगिरी में फाइनल अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्विटेक के बीच खेला जाएगा जबकि मेंस सिंगल में कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर का मुकाबला होगा. हालांकि एक भारतीय मूल का खिलाड़ी भी विंबलडन जूनियर में अपने नाम का डंका बजा रहा है. हम बात कर रहे हैं अमेरिका के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के टेनिस खिलाड़ी रोनित कर्की की. रोनित विंबलडन

जूनियर के फाइनल में पहुंच गए हैं.

कौन हैं रोनित कर्की : रोनित कार्की 17 साल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी हैं, जो भारतीय मूल के हैं और जूनियर सर्किट में काफी धूम मचा रहे हैं. वह सीधे हाथ से खेलते हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं. 7 जुलाई 2025 तक, रोनित आईटीएफ जूनियर रैंकिंग में 52वें स्थान पर थे. 28 अप्रैल 2025 को उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 49 हासिल की थी. वह विंबलडन में जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं. सेमीफाइनल में उन्होंने बुल्गारिया के अलेक्जेंडर वासिलेव को हराया था. क्वार्टर फाइनल में रोनित ने विश्व नंबर 16 एलन वाजनी को मात दी थी. रोनित ने जनवरी 2025 में अपने साथी जैक सैटरफील्ड के साथ आईटीएफ जूनियर जे300 बैरेंक्विला डबल्स का खिताब जीता.

ब्रीफ न्यूज

चौपारण बाजार में मिलावटी मिठाइयों का कारोबार

चौपारण। चौपारण बाजार में मिलावटी मिठाइयों का कारोबार बढ़ता जा रहा है, जो स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी साबित हो रहा है. दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से बिक रही इन मिठाइयों के सेवन से पेट दर्द, उल्टी, और दस्त जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं. बाजार में बिकने वाली ये मिठाइयां मुख्यतः बिहार के गया, शेरघाटी और झारखंड के बरकट्ठा व डुमरी से लाई जाती हैं. स्थानीय मिठाई विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें ये मिठाइयां बेहद सस्ती दरों पर मिलती हैं, जिसके बाद वे इन्हें दुगने दामों पर बेचते हैं, ताकि अधिक मुनाफा कमाया जा सके. हालांकि, इन मिलावटी मिठाइयों का सेवन करने से स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जो चिंता का कारण बन रही हैं.

भटक कर आए व्यक्ति को पुलिस ने परिजनों के हवाले किया

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक व्यक्ति को पुलिस ने सुरक्षित उसके परिजनों के हवाले कर दिया. जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना क्षेत्र के बेहुआ निवासी राधेश्याम राम अपने किसी रिश्तेदार के घर जाने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में वह भटक कर जयनगर मस्जिद मोहल्ला पहुंच गए थे. वह अकेले और परेशान हालत में भटकते हुए देखे गए, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन्हें अपने साथ थाना ले आई. पुलिस ने उनसे पूछताछ की और मोबाइल फोन का उपयोग करके उनके परिजनों से संपर्क किया. कुछ समय बाद, राधेश्याम राम के परिजन थाना पहुंचे, और पुलिस ने उन्हें व्यक्ति सौंप दिया.

कांग्रेस सांसद पप्पू यादव ने रजरप्पा में की पूजा अर्चना

रामगढ़। बिहार राज्य के पूर्णिया लोकसभा से कांग्रेस सांसद पप्पू यादव ने रविवार को रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर में पूजा अर्चना की. यहां पहुंचकर उन्होंने मां के चरणों में श्रद्धा भाव से पूजा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. पूजा के बाद पप्पू यादव ने नारियल बलि अर्पित किया और रक्षा सूत्र भी बंधवाया. मंदिर में यह पूजा अर्चना वरीष्ठ पुजारी द्वारा संपन्न कराई गई. इसके बाद पप्पू यादव मुरुबन्दा पहुंचे, जहां उन्होंने पेयजल स्वच्छता मंत्री योगेंद्र महतो के छोटे भाई भरत कपूर के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया. सांसद ने शोकसंतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की.

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में झारखंड में भूविज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

100 से अधिक विद्यार्थियों ने किया पंजीकरण

शुभम संदेश। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग द्वारा ₹झारखंड के आर्थिक खनिज संसाधनों की भूविज्ञान एवं अन्वेषण₹ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. यह संगोष्ठी झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित थी और इसे शनिवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुभारंभ किया गया. संगोष्ठी में देशभर से 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया. इनमें संत कोलंबस महाविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, आईआईटी आईएसएम धनबाद और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थी शामिल थे. संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो एचएन सिन्हा का आभार व्यक्त किया. उन्होंने उच्च शिक्षा में शिक्षकों की कमी की समस्या पर चिंता जताते हुए इसके समाधान के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से कॉलेजों के बीच सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया. संगोष्ठी के पहले दिन दो तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने झारखंड की भूवैज्ञानिक संरचना और खनिज संसाधनों पर अपने शोध प्रस्तुत किए. पहले सत्र की अध्यक्षता पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ एस के सिन्हा ने की, जबकि दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ हर्षवर्धन ने की.

झारखंड सरकार के खान और भूविज्ञान निदेशक, मनोज कुमार ने कोडरमा और गिरिडीह जिलों में लिथियम युक्त मिका-पेग्माटाइट जमाओं और सामरिक खनिजों की खोज में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला. इसके अलावा, प्रो. एस. सारंगी, विभागाध्यक्ष, एप्लाइड जियोलॉजी, आईएसएम धनबाद ने बोकारो कोलफील्ड में लाइट रेयर अर्थ एलिमेंट्स की उपस्थिति पर जानकारी दी. इसके अलावा, कुमार अमिताभ, अपर निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग, झारखंड सरकार ने झारखंड की खनिज अर्थव्यवस्था पर प्रस्तुति दी. बोधिसत्व हाजरा, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, धनबाद ने हाइड्रोकार्बन भूविज्ञान में रॉक-इवैल तकनीक के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया. डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रॉक्टर, ने रियो डी जनेरियो सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में पर्यावरण से संबंधित समझौतों में मुख्य रूप से विकासशील देशों से अपेक्षाएं की जाती हैं.

संगोष्ठी के अंत में, संगोष्ठी की विस्तारित शोध-सार संकलन पुस्तिका का विमोचन सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. संगोष्ठी के दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभानंद सिंह और उनके समूह ने प्रस्तुति दी. आयोजन समिति में मुख्य रूप से डॉ भैया अनुपम, डॉ हर्षवर्धन कुमार मौजूद थे.

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक, बोले डीसी

विभागीय योजनाओं की समेकित जांच करें पदाधिकारी

शुभम संदेश। हजारीबाग

शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. बैठक का उद्देश्य जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन, और आम जनों की समस्याओं के समाधान के लिए रणनीति तय करना था. उपायुक्त ने सभी वरीय पदाधिकारियों को आदेश दिया कि वे अपने-अपने आवंटित प्रखंडों में विभागीय योजनाओं के साथ-साथ अन्य विभागों की योजनाओं की भी समेकित जांच करें. उन्होंने विशेष रूप से फील्ड विजिट के दौरान लंबित मामलों की समीक्षा करने और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने कहा कि वरीय पदाधिकारी फील्ड विजिट के दौरान राजस्व विभाग के अंतर्गत लंबित लगान, म्यूटेशन जैसे मामलों की समीक्षा करें. इसके साथ ही जनता दरबार में प्राप्त भूमि संबंधी शिकायतों को लेकर अपर समाहर्ता से समन्वय बनाएं. शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, शिक्षकों का वेतन भुगतान और डीबीटी की समीक्षा की जाए. उन्होंने विद्यालय भ्रमण के दौरान बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील की गुणवत्ता की भी जांच करने का निर्देश दिया. स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति की समीक्षा करने के साथ-साथ पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया की निगरानी करने की बात कही गई. कल्याण विभाग के छात्रावासों की बुनियादी आवश्यकताओं और पंचायत भवनों की स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए गए. साथ ही पेंशन से संबंधित मामलों का भी समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया. उपायुक्त ने जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान करने और स्थानीय लोगों से संवाद करके समाधान की दिशा में काम करने का सुझाव दिया. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पेयजल की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए.

कृषि विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और केसीसी जैसी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए एलडीएम से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया. आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाओं और संचालन की स्थिति की समीक्षा करने के साथ-साथ, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत योग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने के लिए वरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया.

डीसी ने सीसीएल परियोजनाओं की प्रगति पर की बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कार्यालय सभाकक्ष में हजारीबाग जिले में चल रही केंद्रीय कोयला लिमिटेड (सीसीएल) की परियोजनाओं की कार्यान्वयन स्थिति और प्रगति पर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में बड़का स्याल, चरही, अरगड्डा, चंद्रगुप्त और अन्य सीसीएल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति और संबंधित समस्याओं पर गहन चर्चा की गई. उपायुक्त ने परियोजना प्रतिनिधियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त की और विभिन्न समस्याओं, जैसे म्यूटेशन और स्टेटमेंट-6 से संबंधित मामलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों के स्थानांतरण की आवश्यकताओं, पुनर्वास से जुड़ी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया. बैठक में उठाए गए मुद्दों के समाधान हेतु उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन के बीच नियमित संवाद और समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए. इस दौरान उपायुक्त ने परियोजना प्रतिनिधियों से विभिन्न बाधाओं के बारे में जानकारी लेकर, उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया.

डीसी ने की विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

कोडरमा। नगर परिषद झुमरी तिलैया कार्यालय में उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई. बैठक की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो लाभुकों को योजना का लाभ प्रदान किया गया. उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में चल रही योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की और निर्देश दिए कि राज्य सरकार से प्राप्त लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया जाए. उन्होंने राजस्व वृद्धि हेतु आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक राजस्व संग्रह करने पर बल दिया. गुमो झुमरी तिलैया प्लेग्राउंड में पौधारोपण को लेकर सभी जेई को फील्ड विजिट कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने की दिशा में निर्देशित किया.

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

रामगढ़। शनिवार को रामगढ़ जिले में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत हो रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में किया गया. बैठक में कार्यपालक अभियंता ने जल जीवन मिशन के तहत अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी. उपायुक्त ने तत्काल पूर्ण योजनाओं का हैंडओवर करने का निर्देश दिया और एक सप्ताह के भीतर आम जनता को मिलने वाले लाभ का विस्तृत प्रतिवेदन देने की बात कही.

पूर्व जेपीसी सदस्य समेत दो अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार

शुभम संदेश। रामगढ़

नोनियाबेड़ा जंगल से पुलिस ने पूर्व जेपीसी सदस्य राजेश गंझू और उसके साथी फुलेन्द्र गंझू को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है. रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि माण्डू थाना क्षेत्र के नोनियाबेड़ा जंगल में दो संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. इसके बाद, डीएसपी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जंगल में छापेमारी की. पुलिस को देखकर दोनों अपराधी भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया. तलाशी के दौरान, उनके पास से एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए. पूछताछ में राजेश गंझू ने बताया कि वह झारखंड प्रस्तुत कमेटी (जेपीसी) का सदस्य रह चुका है और पहले भी जेल जा चुका है. फुलेन्द्र गंझू के साथ मिलकर वे केरेडारी क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. दोनों ने यह भी स्वीकार किया कि 25 जून को सिकरी ओपी क्षेत्र में बीजीआर कंपनी से सामान ले जा रहे टेम्पो में बैठे व्यक्तियों पर गोली चला कर वे फरार हो गए थे.

बिरहोर समुदाय के लिए दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

शुभम संदेश। केरेडारी

एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ने अपने सामुदायिक कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को निभाते हुए 11 और 12 जुलाई को हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित बिरहोर टोला, पगार में दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया. यह पहल विशेष रूप से बिरहोर समुदाय, जो कि एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह है, के लिए की गई थी. यह स्वास्थ्य शिविर उस समुदाय की मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के रूप में आयोजित किया गया, जो कुपोषण, नियमित चिकित्सा परीक्षणों की कमी और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों से जूझ रहा था. इस पहल का आयोजन पूर्व में किए गए बेसलाइन सर्वेक्षणों और समुदाय के साथ संवाद के आधार पर हुआ, जिसमें बिरहोर समुदाय की स्वास्थ्य स्थिति को प्राथमिकता दी गई.

स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य बिरहोर समुदाय में विशेष रूप से बुजुर्गों के बीच एनीमिया, कुपोषण, संक्रमण और अन्य सामान्य बीमारियों की रोकथाम करना था. इसके तहत चिकित्सा परीक्षणों और स्वास्थ्य मूल्यांकन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं प्रदान की गईं. शिविर में कुल 103 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 48 लोगों (41 वयस्क और 7 बच्चे) ने स्वास्थ्य जांच करवाई. शिविर की सफलता का श्रेय एनटीपीसी के सीएसआर विभाग और परियोजना की चिकित्सा टीम को जाता है, जिन्होंने समुदाय में जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा.

40 लाख की अवैध शराब के साथ चालक गिरफ्तार

शुभम संदेश। हजारीबाग

हजारीबाग उत्पाद विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू को गुप्त सूचना मिलने पर की गई कारवाई में उत्पाद विभाग ने बीती रात बरही तिलैया रोड पर एक कंटेनर से करीब 400 पेटी अवैध विदेशी शराब जप्त की. शराब की बोतलों और कार्टूनों पर ₹फॉर सेल इन चंडीगढ़ ऑनली₹ लिखा हुआ था. बरामद शराब की अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये बताई जा रही है. कारवाई के दौरान, छह चक्के वाले कंटेनर वाहन (संख्याः यूपी 86 टी 2578) को पकड़ा गया, जिसमें चालक पंजाब निवासी जगदीश सिंह को गिरफ्तार किया गया. उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है. बताया जा रहा है कि पानीपत निवासी मोंटी इस अवैध तस्करी का मुख्य आरोपी है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं. यह शराब रांची से बिहार के पटना भेजी जा रही थी, लेकिन चालक ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में यह नहीं बताया कि शराब की डिलीवरी कहां की जानी थी. पुलिस के अनुसार, तस्करों ने वाहन को पार्सल वाहन के रूप में डिज़ाइन किया था ताकि प्रशासन को धोखा दिया जा सके.

लावालौंग | मध्य विद्यालय के जर्जर भवन में जान जोखिम में डाल कर पढ़ रहे हैं बच्चे

छत से टपकता है पानी और फर्श पर है कीचड़

शुभम संदेश। चतरा

लावालौंग प्रखंड के हाहे स्थित एक राजकीय मध्य विद्यालय के बच्चों के लिए स्कूल भवन अब उनकी जान का खतरा बन गया है. यह स्कूल, जिसका भवन जर्जर हो चुका है, बच्चों को उनकी पढ़ाई के दौरान गंभीर खतरे में डाल रहा है. छत से टपकता पानी और गंदे कीचड़ में बैठकर पढ़ाई करना बच्चों के लिए रोज़मर्रा की समस्या बन गई है. स्कूल का भवन इतनी खराब हालत में है कि बच्चे बिना बेंच के गंदे फर्श पर बैठकर पढ़ने को विवश हैं. यहां तक कि छत से पानी टपकता है और फर्श पर कीचड़ जमा रहता है, जिससे बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर खतरा मंडरा रहा है. जब

इस मुद्दे को लेकर प्रधानाध्यापक प्रमोद सिंह से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि पिछले साल मरम्मत करवाई गई थी, लेकिन फिर भी पानी टपक रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल को मेंटेनेंस के लिए सिर्फ 50 हजार रुपये मिलते हैं, जो ऑनलाइन व्यवस्था और अन्य खर्चों के लिए भी काफी कम हैं.

ग्रामीणों का आरोप है कि इस सीमित राशि का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जाता, और मरम्मत केवल खानापूरी के तौर पर की जाती है. उनका कहना है कि अगर सही तरीके से मरम्मत की जाए, तो बच्चों को गंदे पानी और रिसाव से छुटकारा मिल सकता है. यह हालत बच्चों के लिए न केवल मानसिक तनाव, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है.इसके अलावा, मिड डे मील में भी कई अनियमितताएं सामने आई हैं. रसोइया के अनुसार, कभी-कभी ही हरी सब्जी बनाई जाती है, जो सरकार द्वारा तय पोषण मापदंडों का उल्लंघन करती है. इसके अलावा, स्कूल के शौचालयों की स्थिति भी बदतर है – न पानी की व्यवस्था है, न साफ-सफाई. मजबूरी में बच्चे खुले में शौच करने को मजबूर हैं, जो न केवल शर्मनाक है बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी खतरनाक है.

यह सवाल अब प्रशासन और शिक्षा विभाग से उठता है कि आखिर कब तक बच्चों की जिंदगी के साथ ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? क्या शिक्षा विभाग और प्रशासन इन बच्चों की तकलीफों पर ध्यान देंगे? क्या केवल कागजों पर विकास दिखाने से असली समस्याएं हल हो जाएंगी? क्या शिक्षा विभाग ने कभी इस स्कूल का निरीक्षण किया है? क्या बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता में है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल – क्या प्रधानाध्यापक के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी, या बच्चों की जिंदगी ऐसे ही दांव पर लगती रहेगी? यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, और बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है.

डीसी ने किया लावालौंग प्रखंड का दौरा, समस्याओं पर की चर्चा

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ लावालौंग प्रखंड का दौरा किया. इस दौरे में उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय विकास हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए. दौरे की शुरुआत झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के तहत संचालित मल्चिंग कृषि परियोजना के निरीक्षण से हुई. उपायुक्त ने सखी मंडल की दीदियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी मेहनत की सराहना की. उन्होंने बताया कि मल्चिंग विधि से मिट्टी की नमी बनी रहती है, खरपतवार पर नियंत्रण होता है और उपज में वृद्धि होती है.

एक नजर

नामांकन शुल्क वृद्धि, छात्रों ने कॉलेज में जड़ा ताला

साहिबगंज। कॉलेज में यूजी सेमेस्टर-1 के नामांकन शुल्क में बढ़ोतरी से नाराज आदिवासी कल्याण छात्रावास के छात्रों ने शनिवार को प्रशासनिक भवन में ताला जड़ दिया. इस कारण कार्यालय का काम भी प्रभावित हुआ. छात्रों की मांग है कि यूजी सेमेस्टर-1 सत्र 2025-29 में नए नामांकन शुल्क में जो वृद्धि की गई है, वह पिछले नामांकन शुल्क से कहीं अधिक है, जिससे गरीब छात्र-छात्राओं को शुल्क चुकाने में दिक्कत होगी. उन्होंने कुलपति से अनुरोध किया है कि छात्र हित को ध्यान में रखते हुए फिलहाल पुराना फीस ही लिया जाए. छात्र नायक लाल मुर्मू और छात्र सचिव संदीप मुर्मू ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस साल एडमिशन फी, ट्यूशन फी, स्पोर्ट्स, आर्ट, कल्चर, बिल्डिंग मैनेजमेंट, डेवलपमेंट, लाइब्रेरी, कॉलेज एग्जाम फी, रजिस्ट्रेशन फी, स्टूडेंट यूनियन फी, लाइब्रेरी फी, एनएसएस, एनसीसी सहित अन्य मदों में बढ़ोतरी की गई है, जबकि सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है. उन्होंने कॉलेज प्रशासन सहित यूनिवर्सिटी स्तर पर मांग की है कि इसका समाधान हो, अन्यथा कॉलेज के प्रशासनिक भवन में अनिश्चितकाल तक ताला जड़ा रहेगा. इस मौके पर छात्र विनोद मुर्मू, पूर्व छात्र सचिव लक्ष्मण टुडू, ललित, बेटका बास्की, अभिषेक हांसदा, लालचंद सोरेन, प्रदीप हांसदा सहित दर्जनों छात्र मौजूद थे. वहीं, प्राचार्य डॉ. एस. आर. आई. रिजवी ने बताया कि छात्रों की मांग को यूनिवर्सिटी स्तर पर रख दिया गया है.

रोटरी क्लब चास का महिला स्वास्थ्य कार्यशाला

बोकारो। रोटरी क्लब चास ने गुरुवार को सोनाबाद पंचायत के सचिवालय भवन में ग्रामीण महिलाओं के लिए 'स्वस्थ महिला' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया. कार्यशाला में उपस्थित लगभग 200 महिलाओं को संबोधित करते हुए डॉ. अनुपमा वर्मा ने कहा कि माँ बनना एक असाधारण कार्य है, इसलिए माँ का स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है. डॉ. वर्मा ने जोर दिया कि एक स्वस्थ माँ से ही स्वस्थ परिवार संभव है, इसलिए हर माँ को पौष्टिक आहार अवश्य लेना चाहिए. उन्होंने गर्भवती महिलाओं को आयरन और कैल्शियम का निरंतर सेवन करने की सलाह दी. डॉ. वर्मा ने उपस्थित महिलाओं को मासिक धर्म, दो बच्चों के बीच अंतर, परिवार नियोजन और माँ एवं बच्चों की स्वच्छता आदि विषयों पर भी जागरूक किया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सोनाबाद पंचायत की मुखिया कुमारी किरण ने रोटरी क्लब चास का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरुकता कार्यक्रमों से महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ेगी. रोटरी क्लब चास की सचिव श्वेता रस्तोगी ने बताया कि इस कार्यक्रम से 200 ग्रामीण महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं.

झारखंड कॉलेज में भौतिकी व गणित पर सेमिनार

डुमरी (गिरिडीह)। झारखंड कॉलेज में शनिवार को आईक्यूएसी के तत्वावधान में भौतिकी और गणित विभाग द्वारा भौतिकी एवं गणित के बीच संबंध विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार के मुख्य अतिथि जुबिली कॉलेज, भुरकुंडा के भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बाल कृष्णा थे. उन्होंने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि भौतिकी और गणित के बीच बहुत ही गहरा संबंध है. गणित के प्रयोग से भौतिकी बहुत आसान हो जाती है. वहीं, झारखंड कॉलेज, डुमरी के आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर सह भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश प्रसाद ने कहा कि सृष्टि के प्रारंभ से ही भौतिकी और गणित के बीच सह-संबंध रहा है. जो संबंध शरीर और रक्त के बीच है, वही संबंध भौतिकी और गणित के बीच है. सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुजीत माथुर ने कहा कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक एवं वैचारिक गुणवत्ता में वृद्धि करना है और इसका लाभ सभी छात्र-छात्राओं को लेना चाहिए. सेमिनार को प्रो. रवींद्र कुमार सिंह, प्रो. उमाशंकर राय, कैलाश चौधरी तथा छात्र-छात्राओं में राखी कुमारी, शीतल कुमारी, राजन यदुवंशी ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में डॉ. बद्री नारायण प्रसाद, प्रो. शंकर ठाकुर, सेमेस्टर-5 की छात्रा अनामिका पांडेय आदि उपस्थित थे.

संथाल सिविल रूल्स और जस्टिस रेगुलेशन 1893 के क्रियान्वयन पर चर्चा

गोड्डा। संथाल परगना में नागरिक न्याय प्रशासन को सुव्यवस्थित करने और पारंपरिक न्याय व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से, संथाल सिविल रूल्स एवं संथाल जस्टिस रेगुलेशन, 1893 के प्रावधानों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लागू करने हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया. उपायुक्त अंजलि यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में संथाल समाज की पारंपरिक न्याय व्यवस्था के पद धारकों और सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में संथाल सिविल रूल्स एवं संथाल जस्टिस रेगुलेशन, 1893 के नियमों को प्रचलन में लाने के संबंध में उपस्थित पारंपरिक न्याय पदाधिकारियों जैसे नायकी, जोंगमाझी, कुड़ामनायकी, परगनैत, गौड़ेत, पराणिक आदि से सुझाव मांगे गए. ये नियम संथाल परगना में पारंपरिक न्याय व्यवस्था को समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जिसमें ग्राम प्रधानों और अन्य पारंपरिक न्याय अधिकारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली न्याय प्रणाली शामिल है. संथाल सिविल रूल्स, राज्य सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और संथाल परगना क्षेत्र में नागरिक न्याय प्रशासन के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं. बैठक में अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैधनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महगामा आलोक वरण केसरी, पूर्व विधायक ताला मरांडी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और सभी अंचल अधिकारी मौजूद थे.

पेज एक और तीन का शेष...

रामूजी के मेस का स्वाद आज...

ग्रामीणों का कहना था कि जो ग्रामीण गोल्डन पहाड़ी से विस्थापित हो रहे हैं, उनको विस्थापन से मिलने वाले योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है. इस संबंध में मंत्री राजभूषण ने कहा कि इन सारी समस्याओं से कोयला मंत्री को अवगत कराने का काम करूंगा, साथ ही आश्वासन दिया कि बीसीसीएल के सीएमडी से भी बात करूंगा और विस्थापितों को न्याय दिलाने का काम करूंगा. मौके पर भोला साहनी ,शंभू साहनी, संध्या देवी, नेहा कुमारी, निहाल, बिनोद यादव, विक्की, मोंटी कुमार, जीतेंद्र, राजकुमार, पंकज वाल्मीकि, पंकज पासवान, रोहित, मिथुन आदि शामिल थे.

बाबा साहेब अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

अब से गांव-गांव में सब तीर पठाओ. पत्ता मिले तो समझना कि धर्म की बात सुनने को बुलाया है. तीर भेजने से समझना कि मैं लड़ने के लिए बुला रहा हूं.' (जंगल के दावेदार, महाश्वेता देवी, पृष्ट सं 104)

डॉक्टर अल्तेकर ने 'स्टेट एण्ड गवर्नमेंट इन ऐंशियेंट इण्डिया' में लिखा है कि 'अति प्राचीनकाल से ही भारत में प्रशासन की धुरी गांव रहे हैं... इसमें सन्देह नहीं कि गांव ही सामाजिक जीवन के केन्द्रबिन्दु और देश की अर्थव्यवस्था के प्रधान इकाई थे. राष्ट्रीय संस्कृति,समृद्धि और प्रशासन का भव्य भवन इन्हीं पर खड़ा था, इनसे ही इनको संबल प्राप्त होता था.' (पृष्ठ 225).

श्री श्रीमन्नारायण ने अपने 'गान्धीयन कांस्टीट्यूशन' के पृष्ठ ४६-४७ में सर चार्ल्स ट्रेवलीन लिखते हैं- 'एक के बाद एक विदेशी आक्रमण-कारी भारत में आते और जमते रहे, किन्तु कुश की भांति ग्राम-पालिका-समितियां अपने स्थान पर डटी रहीं.' सर जॉर्ज बर्डउड ने लिखा है कि संसार के किसी भी देश में भारत जितनी धार्मिक और राजनीतिक क्रान्तियां नहीं हुई हैं, फिर भी ग्राम-समितियों के कार्यों पर कोई आँच नहीं आयी. वे समग्र देश में सदा की भांति एकरस स्थानीय हित के कार्यों में लगी रहीं.

चार दशक बाद संवैधानिक दर्जा : संविधान सभा में अम्बेडकर के विरोध के चलते लगभग समझौते के तौर पर पंचायतों को राज्य के नीति निर्देश तत्वों में शामिल किया गया. अंबेडकर के नजरिए को ठीक करने में लगभग चार दशक लग गए. 1992 में 73वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिला और 1996 में अनुसूचित क्षेत्रों (आदिवासी क्षेत्रों) के लिए विशेष प्रावधान किए गए. इससे आदिवासी ग्राम व्यवस्था को कानूनी मान्यता और अधिकार मिले. आदिवासी ग्राम व्यवस्था की ताकत सामूहिक निर्णय, सामाजिक समरसता,पारदर्शिता, महिलाओं की भागीदारी, स्थानीय विवादों का त्वरित समाधान और प्राकृतिक संसाधनों के सामूहिक प्रबंधन का कर्तव्य है.

संविधान की आत्मा समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व है और आदिवासी ग्राम परंपराएं इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण हैं. अंबेडकर का नजरिया न्याय की मांग करता था और यही न्याय अब हमें आदिवासी ग्राम व्यवस्थाओं से सीख कर और उन्हें सशक्त कर के ही मिलेगा. आज के समय में जब पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की बातें हो रही हैं, तो हमें यह भी देखना होगा कि क्या हम वाकई आदिवासी मॉडल से कुछ सीख रहे हैं या फिर उसी औपनिवेशिक ढांचे को आधुनिक नाम दे रहे हैं?

न्यूज अपडेट

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की. प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक्स पोस्ट में कहा, "आज मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. ओडिशा के विकास के लिए उनकी प्रेरणा और अटूट सहयोग के लिए मैं आभारी हूं. इस अवसर पर ओडिशा के विभिन्न विकास कार्यों, भावी कार्य योजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय और राज्य के समग्र विकास को गति देने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई. समृद्ध ओडिशा, विकसित भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र और राज्य मिलकर प्रतिबद्ध हैं.

एएआईबी की जांच रिपोर्ट पर जल्द बाजी में न निकालें निष्कर्ष: नायडू

नई दिल्ली । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया के विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट प्रारंभिक निष्कर्षों पर आधारित है. इसकी अंतिम रिपोर्ट जारी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए. एएआईबी की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में नायडू ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'हमें इंतज़ार करना चाहिए. यह एक प्रारंभिक रिपोर्ट है. मंत्रालय में हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं. मुझे लगता है कि अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही हम इस पर टिप्पणी करें तो बेहतर होगा.' नागरिक उड्डयन मंत्री ने आश्वासन दिया कि अहमदाबाद विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट जारी होने के बाद इस हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों को न्याय मिलेगा.

जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय बदलाव हो रहे हैं: उपराज्यपाल

श्रीनगर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय बदलाव हो रहे हैं, खास तौर पर शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक क्षेत्र इसमें शामिल हैं. शोपियां में बोलते हुए उपराज्यपाल ने बदलती मानसिकता और उन झूठे आख्यानों को खत्म करने पर ज़ोर दिया जो कभी आर्मी गुडविल स्कूल जैसी पहलों में सामुदायिक भागीदारी को हतोत्साहित करते थे. उन्होंने सवाल किया कि एक समय लोगों से कहा जाता था कि वह अपने बच्चों को आर्मी गुडविल स्कूलों में न भेजें. डर और अविश्वास पैदा करने के लिए आख्यान गढ़े जाते थे लेकिन आपसे पूछता हूँ कि अगर हमारे बहादुर सैनिक हमारी सीमाओं की रक्षा कर सकते हैं तो वह हमारे बच्चों को शिक्षित करने में मदद क्यों नहीं कर सकते.

मणिपुर में अलग-अलग संगठनों के 23 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए

इंफाल । मणिपुर के तीन जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए तलाशी अभियानों में अलग-अलग संगठनों के 23 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, ये सभी विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हुए हैं. पुलिस ने शनिवार को बताया कि इंफाल वेस्ट जिले के महाराबी इलाके से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (वीसी-रेड आर्मी) का एक कैडर पकड़ा गया. इसके अलावा, केसीपी (टी) संगठन से जुड़े दो उग्रवादी, एक इंफाल वेस्ट के फुमलौ ममांग लाइकै और दूसरा इंफाल ईस्ट के केबी खुलेन गांव से गिरफ्तार किए गए हैं. इंफाल वेस्ट के विभिन्न हिस्सों से केसीपी संगठन के तीन सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया.

दिल्ली के वेलकम क्षेत्र की जनता कॉलोनी में चार मंजिली इमारत गिरी

नई दिल्ली । दिल्ली के वेलकम क्षेत्र स्थित जनता कॉलोनी में शनिवार सुबह एक चार मंजिली इमारत अचानक भरभरा कर गिर गई. यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब अधिकतर लोग अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे. मामले की सूचना मिलते ही दमकल की 7 गाड़ी मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया. दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार अभी तक दमकलकर्मियों ने आठ लोगों को मलबे से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां सभी का इलाज चल रहा है. फिलहाल बचाव कार्य जारी है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मलबे में 10 से 12 लोगों के दबे होने की आशंका है. मौके पर दिल्ली पुलिस, दमकल और एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है.

पद्मश्री सानु का निधन, राज्यपाल और सीएम ने शोक व्यक्त किया

गंगटोक । सिक्किम के एक वरिष्ठ साहित्यकार और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सानु लामा का शनिवार सुबह सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. सिक्किम के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ साहित्यकारों लामा के निधन पर शोक व्यक्त किया है. सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने आज जारी अपने शोक संदेश में कहा कि वरिष्ठ साहित्यकार सानु लामा के निधन का समाचार सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है. उन्होंने सानु लामा के निधन को साहित्य जगत और सिक्किम के लोगों के लिए अपूरणीय क्षति बताया. उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा कार्यालय का किया उद्घाटन, बोले-

2026 में होने वाले विस चुनाव में भाजपा सरकार बनाएगी

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय 'मरारजी भवन' का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनसे इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव और 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन के दौरान यह दावा किया कि केरल में इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव और 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी न केवल बड़ी जीत हासिल करेगी, बल्कि राज्य में सरकार भी बनाएगी. उन्होंने कहा कि केरल में एनडीए की सरकार बनाने का समय आ गया है. स्थानीय चुनावों में भाजपा 25 प्रतिशत से ज़्यादा वोट हासिल करेगी और 2026 में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही इसके लिए एक अवसर पैदा हो रहा है. अमित शाह ने कहा कि भाजपा के बिना केरल का विकास नहीं हो सकता.

जिला न्यायाधीश फ्रिम्पोंग ने ट्रंप प्रशासन को दिया आदेश

लॉस एंजिल्स व कैलिफोर्निया में आव्रजन छापे फौरन रोकें

एजेंसी । लॉस एंजिल्स

संघीय न्यायाधीश मामे इवुसी-मेन्सा फ्रिम्पोंग ने शुक्रवार को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के नागरिक अधिकार मुकदमे के पक्ष में फैसला सुनाया. संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को तत्काल लॉस एंजिल्स और कैलिफोर्निया के कई अन्य काउंटियों में आव्रजन छापों को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया. छापे की यह कार्रवाई कई दिनों से संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कर रहा है. न्यायाधीश ने कहा कि इन छापों को तत्काल रोका जाए. सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, जिला न्यायाधीश फ्रिम्पोंग ने फैसले में लिखा, आईसीई संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के चौथे संशोधन का उल्लंघन कर रहा है. न्यायाधीश ने निर्धारित किया कि संघीय एजेंट बिना पुख्ता साक्ष्य के धरपकड़ नहीं कर सकते. एसीएलयू और आप्रवासी अधिकार समूहों ने कानूनी दस्तावेज में दावा किया कि संघीय एजेंट रंगभेद के आधार पर लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं. बिना वारंट के छापा मार रहे हैं. लोगों को कानूनी सलाह नहीं लेने देते. संघीय एजेंट खुलेआम संविधान का उल्लंघन

कर रहे हैं.

सभी को गैरकानूनी रोक से बचाने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए : एसीएलयू के वकील मोहम्मद ताजसर ने कहा, चाहे उनकी त्वचा का रंग कुछ भी हो, वे कोई भी भाषा बोलते हों या कहीं भी काम करते हों, सभी को गैरकानूनी रोक से बचाने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं. हालांकि ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने मुकदमे के दौरान इन दावों का खंडन किया. अमेरिकी न्याय विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि संघीय सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी या नहीं. अमेरिकी अटॉर्नी बिल एसेली ने फैसले के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि संघीय एजेंट कानून लागू करते रहेंगे और अमेरिकी संविधान का पालन करेंगे. हम मुकदमे में लगाए गए आरोपों से पूरी तरह असहमत हैं. हम यह मानते हैं कि एजेंटों ने कभी भी बिना उचित कानूनी औचित्य के किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया. इस फैसले पर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने कहा, आज न्याय की जीत हुई. अदालत के फैसले से संघीय आव्रजन अधिकारियों के लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करने और नस्लीय भेदभाव करने पर अस्थायी रोक लग गई है. बताया गया है कि संघीय जज फ्रिम्पोंग ने दो अस्थायी निरोधक आदेश जारी किए हैं. सनद रहे, जज फ्रिम्पोंग की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने की थी. फ्रिम्पोंग ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की जमकर आलोचना की है. फ्रिम्पोंग ने फैसले में लिखा, बिना किसी संदेह के गश्ती दल का घूमना संविधान के चौथे संशोधन का उल्लंघन है और वकीलों को पहुंच से वंचित करना संविधान के पांचवें संशोधन का उल्लंघन है.

इस मुकदमे के केंद्र में मोंटेबेलो निवासी ब्रायन गाविडिया हैं. उन्हें पिछले महीने आव्रजन एजेंटों ने हिरासत में लिया था. गाविडिया ने गुरुवार को लॉस एंजिल्स में अदालत के बाहर कहा, मेरे अमेरिकी होने की बात कहने और साबित करने के बाद भी एजेंटों ने मेरा फोन छीन लिया.

ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से आने वाले 'टैरिफ' को रिसीव नहीं करेगा

ब्रासीलिया/वाशिंगटन । ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से भौतक रूप से आने वाले डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत वाले पत्र 'बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ' को रिसीव नहीं करेगा. ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अपने राजनयिकों को इस आशय का आदेश दिया है. अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम से ब्राजील के राष्ट्रपति भड़के हुए हैं. अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने आरोप लगाया कि ट्रंप की ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो से मित्रता है. इसलिए वह जेयर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को खत्म करने का दबाव बनाने के लिए आयात करों में 50 फीसद की वृद्धि करने के वादे पर आमादा हैं. उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप यह टैरिफ ब्राजील पर लगाते हैं तो वह अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाएंगे. लूला ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ बातचीत विफल हो जाती है, तो वे इस साल की शुरुआत में कांग्रेस से मंजूर किए गए ब्राजील के पारस्परिकता कानून को लागू कर देंगे. सीबीएस का मानना है कि लूला की टिप्पणियों से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है. ऐसा इसलिए कि ट्रंप की जिद है कि अगर कोई देश अपने टैरिफ लगाकर अमेरिका को दंडित करने की कोशिश करेगा, तो वह इसका कड़ा जवाब देंगे. इस घटनाक्रम के बाद लूला के आलोचक भी अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं. ब्राजील सीनेट के अध्यक्ष सीनेटर डेवी अल्कोलुम्ब्रे और चैंबर ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष ह्यूगो मोट्टा ने कहा कि पारस्परिकता कानून लागू करना ही बेहतर विकल्प है.

ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल व ब्रोकर जीतेंद्र को किया गिरफ्तार

एजेंसी । कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता यूनिट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सहारा ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद शामिल हैं. ईडी के सूत्रों के अनुसार, अनिल अब्राहम और जीतेंद्र प्रसाद पर सहारा ग्रुप की मिलीभगत से कई प्रॉपर्टी गैर-कानूनी तरीके से बेचने और उस धन को मनीलॉन्ड्रिंग के ज़रिए इधर-उधर करने का आरोप है. इस पूरे मामले में करोड़ों रुपये के लेन-देन का संदेह है. ईडी के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एजेंसी ने हाल ही में कोलकाता में छापेमारी की थी, जिसके दौरान ये गिरफ्तारियां हुईं. ईडी की इस रेड में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी बरामद किए गए हैं, जिनके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है. ईडी अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई सहारा ग्रुप के खिलाफ चल रही उस बड़ी जांच का हिस्सा है जिसमें आम जनता की भारी भरकम रकम बकाया है.

सिमलताल बस हादसा

नदीं में गिरी दो बसें व 6 भारतीय सहित 40 यात्री अब तक लापता

काठमांडू । नेपाल के नारायणघाट स्थित सिमलताल में एक साथ दो यात्री बसों के नदी में गिरने की घटना को एक साल हो गया, लेकिन अब तक दोनों ही बसों और 40 यात्रियों का कोई पता नहीं लग सका है. 12 जुलाई 2024 को सिमलताल में दो बस टकराने के बाद त्रिशूली नदी में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थीं.इसमें से एक बस बीरगंज से काठमांडू आ रही थी जबकि दूसरी काठमांडू से बीरगंज की तरफ जा रही थी. इन दोनों बसों में चालक समेत कुल 63 लोग सवार थे, जिसमें 6 भारतीय थे. हादसे के दौरान तीन यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई थी. कुछ दिन की मशक्कत के बाद 20 यात्रियों के शव बरामद किए गए थे.

उत्तराखंड : नेपाल सीमा पर 10.23 करोड़ की ड्रग्स जब्त, महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी । चंपावत

उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने शनिवार को नेपाल सीमा के शारदा नहर क्षेत्र में 5.688 किलोग्राम एमडीएमए ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.23 करोड़ रुपये है, बरामद की. एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका पति और साथी फरार हो गए. पुलिस अधिक्षक (एसपी) अजय गणपति ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह गैंग पिथौरागढ़ जिले के थल क्षेत्र में एक लैब चला रहा था, जहां यह ड्रग्स तैयार की जाती थी. पिथौरागढ़ पुलिस ने पहले ही उस लैब को सील कर वहां से उपकरण जब्त कर लिए हैं. जांच में नेपाल और नाइजीरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से इनके संबंधों की भी जांच की जा रही है. यह ड्रग्स महाराष्ट्र, दिल्ली व अन्य बड़े महानगरों के क्लबों और हाई प्रोफाइल पार्टियों में सप्लाई की जानी थी. इसके प्रयोग में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, खासतौर पर मेट्रो

शहरों में इसकी भारी डिमांड है. गिरफ्तार महिला की पहचान इशा, पत्नी राहुल कुमार, निवासी पंपापुर, बनबसा के रूप में हुई है. चेकिंग के दौरान महिला को नहर की ओर जाते देखा गया, जिसके पास से एक बैग में भारी मात्रा में एमडीएम मिला. महिला के फरार पति राहुल कुमार और उसके साथी कुणाल कोहली की तलाश जारी है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में चंपावत पुलिस की ओर से चार करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ बरामद किए गए थे. 2025 में अब तक 11 करोड़ से अधिक के ड्रग्स जब्त किए जा चुके हैं.

बेंगलुरु भगदड़ मामले में आरसीबी, केएससीए और पुलिस है जिम्मेदार

बेंगलुरु । बेंगलुरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ की घटना पर गठित जांच आयोग की रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सौंप दी गयी है. न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) माइकल डी. कुन्हा की एकल सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी), कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) और बेंगलुरु पुलिस के अधिकारियों को घटना के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है. रिपोर्ट में ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कई सिफारिशें भी की गई हैं. न्यायमूर्ति माइकल कुन्हा की जांच रिपोर्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू फ्रेंचाइजी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और शहर के कई पुलिस अधिकारियों को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है.

कूनों राष्ट्रीय उद्यान का मामला

मादा चीता नाभा की मौत, एक सप्ताह पहले हुई थी घायल

- नाभा की मौत के बाद कूनों उद्यान में चीतों की संख्या घटकर 26 रह गई है.

एजेंसी । भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से लाई गई मादा चीता नाभा की शनिवार को मौत हो गई है. वह एक सप्ताह पहले घायल हालत में मिली थी. कूनो प्रबंधन ने इसकी जानकारी मीडिया से साझा की है. नाभा की मौत के बाद कूनों उद्यान में चीतों की संख्या घटकर 26 रह गई है. सिंह परियोजना के फील्ड डायरेक्टर ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क की 8 वर्षीय नामीबियाई मादा चीता नाभा की शनिवार सुबह मृत्यु हो

गई. वह एक सप्ताह पहले सॉफ्ट रिलीज बोमा के अंदर घायल अवस्था में पाई गई थी. संभवतः वह शिकार के प्रयास के दौरान घायल हुई थी. अन्य चोटों के साथ उसके दोनों बाएं आगे एवं पिछले पैरों में फ्रैक्चर पाया गया था. एक हफ्ते से उसका इलाज चल रहा था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका. शनिवार को उसकी मृत्यु हो गई. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी मिल पाएगी.

ताइवान के आसपास चीन ने सैन्य गतिविधियां तेज कीं नौ विमान एडीआईजेड में घुसे

ताइपे (ताइवान) । चीन ने एकबार फिर ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शनिवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की गतिविधियों का पता लगाया. इन 14 सैन्य विमानों में से नौ तो मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश भी किया. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा किया है. मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं. ताइपे टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है.

प्यू रिसर्च सेंटर का विश्लेषण : सबसे तेज बढ़ती आबादी पर रिपोर्ट... मुस्लिम सबसे आगे, ईसाई घटे

हिंदुओं की संख्या में भी आई कमी, पर इजरायल के लिए खतरे की घंटी

शुभम संदेश डेस्क

दुनिया भर में 2010-2020 के दौरान मुसलमान सबसे तेजी से बढ़ते धार्मिक समूह के रूप में उभरे हैं. वहीं, दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समूह ईसाइयों की वैश्विक आबादी में हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत अंक घटकर 28.8% हो गई. प्यू रिसर्च सेंटर के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है. रिपोर्ट में हिंदुओं की आबादी दुनिया की कुल आबादी के लगभग समान दर से बढ़ी, जो 2020 में 1.2 अरब तक पहुंच गई, जिनमें से 95% भारत में हैं. खास बात है कि इस रिपोर्ट में इजरायल के लिए खतरे की घंटी जैसी बात सामने आई है.

हिंदुओं की कितनी आबादी : 2020 तक, भारत में हिंदुओं की आबादी 79% थी, जबकि 2010 में यह 80% थी. 2010 से 2020 तक वैश्विक धार्मिक परिदृश्य कैसे बदला शीर्षक वाले विश्लेषण से पता चला है कि मुसलमानों की हिस्सेदारी 2010 में 14.3% से बढ़ कर 2020 में 15.2% हो गई. वैश्विक स्तर पर, मुसलमानों के अलावा, बिना किसी धार्मिक संबद्धता वाले लोग-जिन्हें कभी-कभी 'नोनेस' कहा जाता है- दुनिया की आबादी के प्रतिशत के रूप में बढ़ने वाला एकमात्र वर्ग था. इनकी संख्या 27 करोड़ बढ़कर 1.9 अरब हो गई. नोनेस का हिस्सा लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 24.2% हो गया.

इजरायल के लिए क्यों है खतरे की घंटी : रिसर्च से पता चलता है कि मुसलमानों की संख्या में 34.7 करोड़ की वृद्धि हुई है. ये अन्य सभी धर्मों की संयुक्त संख्या से भी अधिक है. विश्व की मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1.8 प्रतिशत अंक बढ़कर 25.6% हो गया. वैश्विक जनसंख्या के अनुपात के रूप में, हिंदू 2020 में 14.9% पर स्थिर रहे। 2010 में यह आंकड़ा 15% था. दुनिया भर में हिंदुओं की संख्या 2010 से 2020 तक 12% बढ़ी, जो 1.1 अरब से थोड़ा कम से बढ़कर लगभग 1.2 अरब हो गई. बौद्ध एकमात्र प्रमुख धार्मिक समूह था, जिसकी जनसंख्या 2020 में एक दशक पहले की तुलना में कम थी. 2010 में, ईसाई वैश्विक जनसंख्या का 30.6% थे. इसके बाद मुस्लिम (23.9%), हिंदू (15%), बौद्ध (4.9%), असंबद्ध (23.3%), अन्य धर्म (2.2%) और यहूदी (1% से कम) हैं. यहूदियों की दुनिया से घटती जनसंख्या ही इजरायल के लिए खतरे की घंटी जैसी है.

डेमोग्राफी में क्यों आ रहा बदलाव : यह विश्लेषण धार्मिक जनसांख्यिकी में बदलाव लाने वाले विभिन्न कारकों की ओर ध्यान आकर्षित करता है. वैश्विक जनसंख्या में ईसाइयों की हिस्सेदारी में कमी का एक प्रमुख कारण व्यापक रूप से धर्म परिवर्तन है. ईसाइयों में यह 'धार्मिक विमुखता' उनके जनसांख्यिकीय लाभ (उच्च प्रजनन क्षमता) को नकार देती है. मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि मुख्यतः उनकी अपेक्षाकृत कम आयु और उच्च प्रजनन दर के कारण है. हिंदू विश्व की जनसंख्या में एक स्थिर हिस्सेदारी बनाए हुए हैं क्योंकि उनकी प्रजनन क्षमता वैश्विक औसत के समान है. सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि हिंदू शायद ही कभी अपना धर्म परिवर्तन करते हैं.

2010 में मुसलमान बच्चों का अनुपात सबसे अधिक : विश्लेषण से पता चलता है कि 2010 में मुसलमानों में बच्चों का अनुपात सबसे अधिक था. दुनिया के 35% मुसलमान 15 साल से कम उम्र के थे. उसके बाद हिंदुओं (31%) का स्थान था. रिसर्च में पाया गया है कि धर्म परिवर्तन के कारण मुसलमानों और हिंदुओं में अनुयायियों के बढ़ने या खोने की संभावना सबसे कम है. मुस्लिम या हिंदू परिवार में पले-बढ़े लगभग हर 100 वयस्कों में से एक ने अपना मूल धर्म छोड़ दिया है. किसी अन्य धार्मिक समूह के इतने ही लोगों ने इस्लाम या हिंदू धर्म अपना लिया है.

इस्राइली हमलों में 28 फलस्तीनियों की मौत

नयी दिल्ली । गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों में 28 फलस्तीनियों की मौत हो गई है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं. अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मध्य गाजा के दीर अल-बलाह इलाके में इस्राइली हवाई हमलों के बाद मरने वालों में बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं. शुक्रवार रात से शुरू हुए इन हमलों में यहां 13 लोगों की जान गई. वहीं, नासेर अस्पताल ने बताय कि एक पेट्रोल पंप के पास हुए हमलों में चार और लोगों की मौत हुई. दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में इस्राइली हमलों में 15 अन्य लोगों की जान गई. इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा कि पिछले 48 घंटों में गाजा पट्टी में करीब 250 ठिकानों को निशाना बनाया गया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)